खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 24°C
न्यूनतम : 12°C

हल्द्वानी, बुधवार 25 फरवरी 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 181 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | फाल्गुन शुक्ल पक्ष 7 विक्रमी संवत् 2082 | 7 रमज़ान 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

मोदी डरपोक हैं, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं : खड़गे
पेज 2

आईसीसी रैंकिंग में भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिलाओं को फायदा
खेल टाइम्स

कानूनी ब्लैक होल्स की धारणा
सम्पादकीय

ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली आज से बंद
पेज 12

सातवां रोज़ा

अल्लाह तक पहुंचने का रास्ता दिखाता है सातवां रोज़ा

रमजान माह का पहला अशरा रहमत का माना जाता है। यानी शुरुआती दस रोजे किसी दरिया के मानिन्द हैं, जिसमें अल्लाह की रहमत का पानी बहता रहता है। रोजादार तक्वा को अपनाते हुए जब रोज़ा रखता है, तो वह बेशुमार नेकियों का हकदार हो जाता है। ये नेकियां सदाकत और सदाअत का सैलाब बनकर उसके लिए बख्शीश की दुआ अल्लाह से करती हैं। कुरआने पाक में जिक्र है, ऐ इंसान तू अपने परवरदिगार की तरफ खूब कोशिश करता है, सौ उससे जा मिलेगा। इस जिक्र को रोजे की रोशनी में देखें, तो उसकी तशरीह इस तरह होगी कि रोज़ा रहमत का दरिया तो है ही, नेकी के सैलाब के साथ अल्लाह तक पहुंचने का जरिया भी है। इसको यूं भी कहा जा सकता है कि जब रास्ता लंबा हो, दुश्वारियां हों, भटकने के आसार हों, कांटें-कंकरों की चुभन से पांवों के लहूलुहान होने का डर हो तो ईमानदारी के साथ रखा गया रोजा राह को हमवार और दुश्वारियों को दरकिनार कर देता है।

मुकद्दस रमज़ान की दिली मुबारकबाद

कोहिनूर आर्ट ज्वैलर्स एक अनमोल रिश्ता

- ONLY HALLMARK & HUID CERTIFIED GOLD JEWELLERY SHOWROOM
- LIFE TIME FREE SERVICE

सोना, चांदी के जेवरातों के क्रेता व विक्रेता

68- Majra, Dehradun (Uttarakhand)
Mob- 7830677750, 7900900991

संक्षिप्त समाचार

अविमुक्तेश्वरानंद ने दाखिल की अग्रिम जमानत याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने अधिवक्ता राजिर्ष गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश के माध्यम से उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। याचिका पर शीघ्र सुनवाई होने की संभावना है।

लेह जा रही स्पाइसजेट की उड़ान रास्ते से दिल्ली लौटी

नई दिल्ली। दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान इंजन में खराबी के कारण मंगलवार सुबह आधे रास्ते से दिल्ली वापस लौट आई, जहां उसकी आपात स्थिति में सुरक्षित लैंडिंग हुई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

अब 8वीं के बच्चे पढ़ेंगे ज्यूडीशियरी में करप्शन क्या है

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) ने 8वीं क्लास की नई सोशल साइंस टेक्स्टबुक में ज्यूडीशियरी में करप्शन पर एक सेक्शन शुरू किया है। यह पहली बार है जब 8वीं के बच्चे ज्यूडीशियरी में करप्शन क्या होता है, इसके बारे में पढ़ेंगे।

इस चैप्टर में सुप्रीम कोर्ट के 81 हजार, हाईकोर्ट्स के 62 लाख 40 हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के 4 करोड़ 70 लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है। यह पिछले एडिशन के मुकाबले एक बड़ा बदलाव है। पिछले चैप्टर में ज्यादा दातर कोर्ट के स्ट्रक्चर और रोल पर फोकस किया गया था। बदले हुए चैप्टर का नाम 'हमारे

समाज में ज्यूडीशियरी की भूमिका' है। इसमें कोर्ट की हायरार्की और न्याय तक पहुंच को समझाने से ज्यादा ज्यूडीशियल सिस्टम के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे करप्शन और केस बैकलॉग को बताया गया है। करप्शन वाले सेक्शन में बताया गया है कि जज एक कोड ऑफ कंडक्ट से बंधे होते हैं, जो न केवल कोर्ट में बल्कि कोर्ट के बाहर भी उनके व्यवहार को कंट्रोल करता है।

ज्यूडीशियरी के अंदरूनी अकाउंटेबिलिटी सिस्टम को भी समझाया गया है। सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रीवांस रिड्रेस एंड मॉनिटरिंग सिस्टम

- एनसीईआरटी ने सोशल साइंस में जोड़ा नया सेक्शन
- पेंडिंग केस, पूर्व सीजेआई का भी हवाला दिया गया
- बच्चे पढ़ेंगे ऐसे मोशन पर सही जांच के बाद ही विचार किया जाता है

(सीपी ग्रेम्स) के जरिये शिकायतें लेने के तय तरीके भी बताए गए हैं। किताब के मुताबिक सीपी ग्रेम्स सिस्टम के जरिये 2017 और 2021 के बीच 1,600 ज्यादा शिकायतें मिली थीं। किताब में गंभीर मामलों में जजों को हटाने के संवैधानिक नियम के बारे में भी बताया गया है कि पार्लियामेंट इंपीचमेंट मोशन पास करके जज को हटा सकती है। बच्चे पढ़ेंगे कि ऐसे मोशन पर सही जांच के बाद ही विचार किया जाता है। इस दौरान जज को मामले में अपना पक्ष रखने का पूरा मौका दिया जाता है। चैप्टर में लिखा है कि लोग ज्यूडीशियरी के अलग-अलग लेवल पर करप्शन का सामना करते हैं। गरीबों और जरूरतमंदों की न्याय तक पहुंच की समस्या और बिगड़ सकती है। यह भी बताया है कि राज्य और केंद्र ट्रांसपेरेंसी और पब्लिक ट्रस्ट को मजबूत करने की कोशिशें कर रहे हैं। इसमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और करप्शन के मामलों के खिलाफ फास्ट एक्शन लेना शामिल है।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष चिब भी भारत मंडपम प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को एआई शिखर सम्मेलन के दौरान यहां भारत मंडपम में प्रदर्शन करने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। युवा कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार श्री चिब को सोमवार को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया और उसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने श्री चिब को रातभर तिलक मार्ग थाने में हिरासत में रखा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने श्री चिब के अलावा युवा कांग्रेस के प्रदर्शनकारी सात अन्य युवाओं को पहले ही हिरासत में लेकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। राहुल गांधी ने एआई शिखर सम्मेलन के दौरान यहां भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को तानाशाही करार दिया।

प. बंगाल मतदाता सूची संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

ओडिशा-झारखंड के सिविल जज करेंगे वेरिफिकेशन कार्य में मदद

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखना सबसे जरूरी है। समय कम है और काम बहुत बड़ा है। ऐसे में न्यायिक अधिकारियों की संख्या बढ़ाना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को अतिरिक्त सिविल जज तैनात करने की अनुमति दे दी है। ,सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तीन साल से अधिक अनुभव वाले सिविल जज, चाहे वे सीनियर डिवीजन के हों या जूनियर डिवीजन के, एसआईआर प्रक्रिया

- तीन साल से अधिक अनुभव वाले सिविल जज, चाहे वे सीनियर डिवीजन के हों या जूनियर डिवीजन के, SIR प्रक्रिया में लगा सकते हैं

- इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए, 80 लाख दावों का निपटारा बाकी, अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होगी

में लगा सकते हैं। यदि इसके बाद भी मानव संसाधन की कमी हो तो झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट से सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की मदद ली जा सकती है। अदालत ने दोनों राज्यों के मुख्य न्यायाधीशों से ऐसे अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा है। सुनवाई के दौरान बताया गया कि अब तक 294 जिला और अतिरिक्त जिला जज एसआईआर के अंतिम चरण में तैनात किए गए हैं। इसके बावजूद यह संख्या पर्याप्त नहीं मानी गई। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि यदि एक जज रोज 250 मामलों की सुनवाई करे तो भी पूरी प्रक्रिया को पूरा करने में लगभग 80 दिन लग सकते हैं। जबकि अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होनी है। इसलिए समय की भारी कमी है। मुख्य न्यायाधीश अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर और जूनियर डिवीजन) तैनात कर सकते हैं, जिनके पास कम से कम तीन साल का अनुभव हो। पहले से तैनात जिला और अतिरिक्त जिला जजों के अलावा जरूरत के अनुसार और न्यायिक अधिकारी लगाए जा सकते हैं। यदि राज्य में उपलब्ध जज पर्याप्त न हों तो झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट से सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की मदद मांगी जा सकती है। झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से ऐसे अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा गया है। तैनात न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में आए दावों और आपत्तियों की निगरानी और सत्यापन में मदद करेंगे। पूरी प्रक्रिया समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से पूरी की जाए, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

अब केरलम के नाम से जाना जाएगा केरल, कैबिनेट की मंजूरी

पीएम के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में हुई पहली मीटिंग

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। साथ ही श्रीनगर में एक नया एयरपोर्ट टर्मिनल बनेगा और

- रेल-मेट्रो और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए 12,236 करोड़ रुपये मंजूर

कच्चे जूट की एमएसपी में 275 रुपये का इजाफा, नया दाम 5,925 रुपये प्रति क्विंटल

नई दिल्ली। सरकार ने विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को 275 रुपये क्विंटल बढ़ाते हुए 5,925 प्रति क्विंटल तय कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 'सेवा तीर्थ' में मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई पहली बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट का घोषित यह समर्थन मूल्य, साल 2018-19 के बजट में घोषित लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने के सिद्धांत के अनुरूप है।

अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2बी का एक्सटेंशन होगा। कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब राष्ट्रपति 'केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026' को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। केरल विधानसभा से 24 जून 2024 को प्रस्ताव पास हुआ था। इस प्रस्ताव के मुताबिक केरल का असल में मलयाली भाषा में नाम केरलम है।

योगी के दौरे का दूसरा दिनः एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए निवेश आमंत्रण

सिंगापुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री एवं व्यापार और उद्योग मंत्री तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के समन्वय मंत्री और गृह मंत्री से मुलाकात की।

उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में हुई इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य उप्र को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में सिंगापुर की विशेषज्ञता और निवेश को आकर्षित करना रहा। चर्चा

- सीएम ने सिंगापुर के डिप्टी पीएम सहित कई नेताओं से भेंट की

का केंद्र शहरी नियोजन, आंतरिक सुरक्षा ढांचे और डिजिटल गवर्नेंस में सहयोग बढ़ाने पर रहा। डिप्टी पीएम गान किम योंग के साथ हुई बातचीत में सीएम ने उप्र के 'प्रो-बिजनेस' वातावरण, व्यापक लैंड बैंक और जल्द शुरू होने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की रणनीतिक कनेक्टिविटी का उल्लेख किया।

हल्द्वानी अतिक्रमण विवादः जमीन रेलवे की है, अतिक्रमणकारी शर्तें तय नहीं कर सकते

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/हल्द्वानी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तराखंड विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह एक शिविर लगाए, ताकि रेलवे परियोजना के लिए आवश्यक सरकारी जमीन पर रह रहे और बेदखली का सामना कर रहे परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास के लिए आवेदन कर सकें।

याचिकाकर्ताओं के आग्रह पर कोर्ट ने कहा कि यह शिविर 15

- सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड विधिक सेवा प्राधिकरण को शिविर लगाने का दिया निर्देश

मार्च के बाद लगाया जाए, क्योंकि उन्होंने इसे रमजान के महीने के बाद आयोजित करने की मांग की थी। शीर्ष कोर्ट ने नैनीताल के जिला कलेक्टर और अन्य राजस्व अधिकारियों को आवश्यक सहायता देने का निर्देश दिया। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च से पहले पूरी की जानी है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि जिला कलेक्टर हर परिवार की योजना के तहत पात्रता तय करें और अपनी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें। सीजेआई सूर्यकांत और जायमाल्या बागची की बेंच दिसम्बर 2022 में उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें हल्द्वानी में सार्वजनिक जमीन पर कथित रूप से कब्जा करने वाले करीब 50 हजार लोगों को हटाने का निर्देश दिया गया था।

पवन हंस का हेलीकॉप्टर समुद्र में गिरा, सभी 7 लोग सुरक्षित

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र की सरकारी कंपनी पवन हंस का एक हेलीकॉप्टर मंगलवार सुबह मायाबंदर के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा सुबह लगभग 9:30 बजे हुआ। हेलीकॉप्टर ने श्री विजया पुरम से सुबह करीब 8:45 बजे उड़ान भरी थी और लगभग 45 मिनट बाद समुद्र में गिर गया। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई है। एक वरिष्ठ नागरिक उड्डयन अधिकारी ने बताया कि तकनीकी गड़बड़ी के बाद पायलट ने

- प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई

सुझबूझ दिखाते हुए पानी पर क्रैश लैंडिंग की। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को समुद्र से सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों का इलाज डा. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में चल रहा है। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि पायलट सहित कुल सात लोग सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। पायलट का बयान अभी दर्ज किया जाना बाकी है। प्रशासन घायलों को श्री विजया पुरम स्थानांतरित करने की कोशिश कर रहा है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

लोकसभा अध्यक्ष ने 64 पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स बनाए

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को 64 देशों के साथ पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स (पीएफजी) का गठन किया है। इन ग्रुप्स का मकसद दूसरे देशों के साथ संसदीय कूटनीति को मजबूत करना और वैश्विक मंच पर भारत की संसद की एकजुट लोकतांत्रिक आवाज पेश करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पीएम मोदी ने भारत और अन्य देशों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए पीएफजी बनाने का प्रस्ताव दिया था। अब लोकसभा अध्यक्ष ने इसका गठन किया है। 64 ग्रुप्स में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 704

- हर ग्रुप में एक लीडर समेत 11 सांसद
- फ्रांस में थरूर, जापान में अखिलेश यादव नेतृत्व करेंगे

सांसद हैं। हर ग्रुप में एक लीडर और 10 सदस्य हैं। इनमें भाजपा के सबसे ज्यादा 30 ग्रुप लीडर हैं। कांग्रेस के 10, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 3-3 सांसद ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। भाजपा की तरफ से ग्रुप लीडर्स में हेमा मालिनी, मनोज तिवारी, निशिकांत दुबे जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कांग्रेस से शशि थरूर, टीएमसी से अभिषेक बनर्जी और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी भी ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। हालांकि, पीएफजी के सदस्य कैसे काम करेंगे, अभी इसकी औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनियाभर में भारत का पक्ष रखने के लिए 17 मई 2025 को 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की थी। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत थे। एनडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के नेता थे, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी थे। ये डेलिगेशन दुनिया के 33 देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों में गया और वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखा। इस डेलिगेशन को 7 ग्रुप में बांटा गया था। हर ग्रुप में ऐक सांसद को लीडर बनाया गया। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य थे। इनमें 6-7 सांसद, सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल थे।

तुरन्त आवश्यकता

इंडस्ट्रियल एरिया, बिजनौर स्थित फैक्ट्री के लिये

- अलमीरा कारीगर-10
- पार्टिकल बोर्ड के लिये कारपेंटर-4
- सुपरवाइजर मशीन चलाने हेतु- 2

सम्पर्क करें- मो. 7017517607,9389076177

नाबार्ड ने उत्तराखंड स्टेट क्रेडिट सेमिनार में जारी किया स्टेट फोकस पेपर 2026-27

■ 65,916 करोड़ की प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षमता का विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), उत्तराखंड क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आज स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2026ख्र27 का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्टेट फोकस पेपर 2026-27 का औपचारिक विमा. चन किया गया, जिसमें वित्तीय वर्ष 2026ख्र27 के लिए 65,916 करोड़ की प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षमता का आकलन प्रस्तुत किया गयाख्रजो कि पिछले वर्ष के मुकाबले 20.51 फीसदी की वृद्धि है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद बर्धन थे। कार्यक्रम में डॉ. एस.एन. पांडे (सचिव-कृषि), डॉ अहमद इकबाल (सचिव-सहकारिता), नवनीत पाण्डेय (अपर सचिव-वित्त), भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक, एसएलबीसी पीएनबी एसबीआई

सहित विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों, राज्य सहकारी बैंक, जिला मध्यवर्ती बैंक के सदस्य, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी तथा कृषक उत्पादक संघटनों एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्य आदि उपस्थित रहे। वन संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक-"वन अम्मा" के नाम से प्रसिद्ध भगिरथी देवी-की उपस्थिति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। मुख्य सचिव ने हर वर्ष स्टेट फोकस पेपर जारी करने के लिए नाबार्ड के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अवसंरचना सहायता के अतिरिक्त नाबार्ड द्वारा क्रियान्वित विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लिए भी नाबार्ड की प्रशंसा की। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आजीविका संबंधी चुनौतियों, पर्वतीय क्षेत्रों से निरंतर हो रहे पलायन, अवसंरचना की कमी तथा जल-संबंधी समस्याओं जैसे गंभीर मुद्दों को संबोधित करने हेतु की जा रही निरंतर पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि इन प्रयासों के बावजूद, राज्य का क्रेडिटख्रडिपॉजिट अनुपात अभी भी अत्यंत निम्न स्तर पर है, जो आर्थिक विकास की गति को प्रभावित करता है और विभिन्न विकास कार्यक्रमों के प्रभाव को सीमित कर देता है।

उन्होने यह भी रेखांकित किया कि यद्यपि उत्तराखंड ने अब तक 29 भौगोलिक संकेतक उत्पाद प्राप्त किए हैं, लेकिन इन पारंपरिक उत्पादों से जुड़े स्थानीय उत्पादकों एवं समुदायों को अभी तक अपेक्षित आर्थिक लाभ नहीं मिल पाए हैं।

आगे की दिशा बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं एवं कार्यक्रमों में बैंकों की सक्रिय भूमिका और गहन भागीदारी अत्यावश्यक है, जिससे सतत आजीविका अवसर सुनिश्चित हो सकें और विकास पहलों का लाभ वास्तव में जमीनी स्तर तक पहुँचे।

चंपावत में वन पंचायतों के सहयोग से पायलट परियोजना की जा रही शुरू : पंकज यादव

मुख्य महाप्रबंधक पंकज यादव ने बताया कि नाबार्ड को ग्रामीण समृद्धि को सक्षम करने वाले एक मजबूत विकासात्मक इकोसिस्टम के रूप में पहचान मिल रही हैख्रजो नवाचार, समावेशन और सतत विकास को बहु-क्षेत्रीय स्तर पर आगे बढ़ा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026 के संदर्भ में उन्होंने कृषि समुदाय को सशक्त करने, आजीविका को मजबूत करने तथा ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के लिए नाबार्ड की प्रतिबद्धता को पुन: रेखांकित किया। उन्होंने जानकारी दी कि चंपावत जिले में वन पंचायतों के सहयोग से एक पायलट परियोजना प्रारंभ की जा रही है, जिसके तहत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और आजीविका उन्नयन का समुदाय आधारित मॉडल विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार उत्तरकाशी में एक परियोजना शुरू की जा रही है, जिसका उद्देश्य महिला किसानों की मेहनत को कम करना है। इसके तहत उपयुक्त कृषि उपकरण उपलब्ध कराकर गरिमा, परिचालन क्षमता और उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी

सतत विकास लक्ष्य, पीएम गतिशक्ति एवं विजन 2047 पर कार्यशाला सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। कलेक्ट्रेट सभागार में सतत विकास लक्ष्य (ैक्ळ), पीएम गतिशक्ति एवं विजन 2047 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का आयोजन जिला अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा किया गया। शैलेन्द्र सिंह, सीपीपीजीजी, नियोजन विभाग एवं ऐश्वर्य सिंह, पीएम गतिशक्ति विशेषज्ञ देहरादून द्वारा कार्यशाला में उक्त विषयों पर चर्चा की गई।

जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी अतुल आनंद ने कार्यशाला में सम्बोधित करते हुए एसडीजी के बारे में जानकारी दी कि जिला संकेतक फ्रेमवर्क में 132 संकेतक हैं, जिनमें से 43 संकेतकों पर प्रतिमाह सूचना संकलित कर सीपीपीजीजी को भेजी जाती है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य देश में प्रथम स्थान पर रहा है। एसडीजी इंडेक्स उत्तराखण्ड 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार 13 जनपदों में उत्तरकाशी तृतीय स्थान पर रहा है।उत्तरकाशी में एसडीजी के तहत आजीविका, पर्वतीय कृषि, बागवानी और जैविक खेती को प्रोत्साहन, गांवों तक स्वास्थ्य सेवाएं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तरक. ाशी, जो गंगा के उद्गम स्थल गंगोत्री के लिए प्रसिद्ध है, स्वच्छ जल और स्वच्छता के महत्व को विशेष रूप से दर्शाता है। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और स्वच्छता अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया जा रहा है। सतत पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय रोजगार सृजन, वनीकरण, भूस्खलन रोकथाम और आपदा प्रबंधन योजनाओं को लागू किया जा रहा है। भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनपद में एसडीजी स्थानीय विकास की आधारशिला बन रहे हैं। सामुदायिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास के माध्यम से यह जनपद सतत विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

जनपद को विकास के मानकों पर अग्रणी बनाया जाएगा: आर्य

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए जनपद को विकास के मानकों पर अग्रणी बनाया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विकासनगर पुलिस ने एक वारंटी को किया गिरफ्तार

विकासनगर। वारंटियों के विरुद्ध प्रचलित कार्यवाही में कोतवाली विकासनगर पुलिस द्वारा 1 वारण्टी आदेश कुमार पुत्र किशन सिंह निवासी ग्राम मल्लावाला विक. ासनगर को गिरफ्तार किय गया। पुलिस ने वारंटी को कोर्ट में पेश किया जहां से वारंटी को जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में एसआई संदीप पंवार चौकी प्रभारी डाकपत्थर, सिपाही कपिल जोशी शामिल रहे।

गल्जवाड़ी गांव की आबादी एवं मालिकाना हक को लेकर दिए निर्देश

■ स्थानीय उत्पादों को लोकल फॉर वोकल के मंत्र के साथ नेशनल व इंटरनेशनल मार्केट तक पहुंचाने पर दिया जोर

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को अपने कैंप कार्यालय में राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मसूरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गल्जवाड़ी गांव की आबादी एवं मालिकाना हक के संबंध में बैठक की। कैबिनेट मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत वर्षों से निवास कर रहे ग्रामीणों को आबादी भूमि पर मालिकाना हक प्रदान करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के निर्देश

दिए। कैबिनेट मंत्री जोशी ने अधिकारियों को शीघ्र ही क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करने, आवश्यक अभिलेखों का सत्यापन करने तथा पात्र लोगों को मालिकाना हक दिलाने के लिए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री जोशी ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें कानूनी स्वामित्व दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीणों को स्थायित्व, सुरक्षा और विकास योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को समन्वय बनाकर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में राजस्व सचिव डॉ एसएन पांडेय, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, तहसीलदार देहरादून सुरेंद्र सिंह एवं गलजवाड़ी पंचायत की पूर्व प्रधान लीला शर्मा उपस्थित रहीं।

बेहतर सफाई को लेकर अल्ट्रा क्लीनर लॉन्च किया

देहरादून। हार्पिक, जो भारत का नंबर 1 टॉयलेट और बाथरूम क्लीनर है और 100 मिलियन से अधिक घरों द्वारा भरोसेमंद होम हाइजीन सॉल्यूशंस का अग्रणी ब्रांड है, ने अपने अब तक के सबसे उन्नत बाथरूम क्लीनिंग इनोवेशन ख्र न्यू हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर ख्र के लॉन्च की घोषणा की। यह बाथरूम क्लीनिंग श्रेणी में एक दशक से अधिक समय में हार्पिक का सबसे बड़ा नवाचार है। यह उत्पाद सबसे जिद्दी और आम बाथरूम दागों को हटाने के लिए बनाया गया है, जिससे बाथरूम को अल्ट्रा क्लीन बनाया जा सके। बॉलीवुड फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़े हैं, जो उत्पाद के शक्तिशाली और भरोसेमंद दाग हटाने के वादे को और मजबूत करते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, गौतम ऋषि, मार्केटिंग डायरेक्टर, हाइजीन, रेकिट - साउथ एशिया ने कहा, "हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर एक मजबूत नया नवाचार है।

पारंपरिक शिल्पकारों को सशक्त बनाने को जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

■ स्थानीय उत्पादों को लोकल फॉर वोकल के मंत्र के साथ नेशनल व इंटरनेशनल मार्केट तक पहुंचाने पर दिया जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना' को धरातल पर उतारने और पारंपरिक शिल्पकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक विशाल जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईटीआई सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में योजना से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को मिल रही सुविधाओं की समीक्षा करना और

उन्हें भविष्य की संभावनाओं से रूबरू कराना रहा।

विकासनगर स्थित आईटीआई सभागार में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमइ) विभाग, जिला उद्योग केंद्र और बैंकिंग क्षेत्र से आए विशेषज्ञों ने इस कार्यशाला में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने लाभार्थियों और प्रशिक्षणार्थियों से सीधा संवाद किया और टूलकिट से लेकर ऋण प्रक्रिया में आ रही तकनीकी बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जोर दिया कि योजना का मकसद केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि स्थानीय उत्पादों को 'लोकल फॉर वोकल' के मंत्र के साथ नेशनल और इंटरनेशनल मार्केट तक पहुंचाना है।

मार्केटिंग के आधुनिक तरीकों और सरकारी सहयोग पर भी विस्तार से चर्चा की गई ताकि हमारे पारंपरिक कारीगर आत्मनिर्भर बन सकें। जिसको लेकर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग से जोड़ना है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रशिक्षण के बाद उन्हें बैंक ऋण और मार्केट लिंकेज में कोई समस्या न आए।

प्रशिक्षु ग्रामीण महिला ऊषा का कहना है कि टूलकिट और सर्टिफिकेट मिलने के बाद हम खुद का काम बेहतर ढंग से कर पाएंगे। बबीता प्रशिक्षु ग्रामीण महिला का कहना है कि इस तरह के प्रशिक्षण से महिलाएं आत्म निर्भर बनती है और स्वयं के कार्य के साथ आस पड़ोस की महिलाओं को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

ग्राम पंचायत सकनी में लगी चौपाल में विभागों ने दी जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

सहिया। कालसी ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत सकनी के पंचायती आँगन में सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम के तहत चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में उपस्थित विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों ने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों से साझा कर उनसे लाभ लेने पर जोर दिया। वहीं चौपाल में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र देहरादून मीरा बोहरा चौपाल में बतौर नोडल अधिकारी मौजूद रही। जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक मीरा बोहरा ने बैठक में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग सहिया के हय्या अलसी सकनी मोटर मार्ग पर हुए हाल ही में हुए डामरीकरण को लेकर शिकायत की ग्रामीणों ने कहा कि साल भर में ही सड़क से डामर उखड़ना शुरू तो गया है, वहीं पीएमजीएसवाई कालसी द्वारा बनी कोठा बैंड पंजीया मोटर मार्ग के क्षतिग्रस्त की शिकायत, बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी भवन के अधूरे कार्य को पूरा करने को लेकर भी शिकायतें दर्ज की गई। चौपाल में ग्राम्य विकास विभाग के जेई पवन जोशी, ग्राम विकास अधिकारी प्रदीप कुमार, नायाब तहसीलदार कालसी रविंद्र सिंह असवाल, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी बीना पुरोहित, पूर्ति निरीक्षक जेपी सकलानी, सहायक कृषि अधिकारी अभिलाषा भट्ट, महेंद्र सिंह, कपिल चौहान के साथ साथ ग्रामीण कुन्दन सिंह पंवार, किशन सिंह पंवार, दीवान सिंह पंवार, सियाराम पंवार, आशीष पंवार, बलबीर पंवार, शांति सिंह, महेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

जैन मंदिर में श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन

■ मंदिर में मंगल कलश व मंगल यंत्र विराजमान किए गए

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। श्री दिगम्बर जैन मंदिर विकासनगर में आज आठ दिवसीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान का शुभारंभ मंदिर के शिखर पर मंगल ध्वजारोहण के साथ हुआ।

इंदौर (म.प्र.) से पधारीं बाल ब्र. रेखा दीदी एवं बाल ब्र. सरिता दीदी के सानिध्य में आयोजित विधान में प्रात: श्रीजी का अभिषेक, नित्यनियम पूजाएं संपन्न हुईं। उपरांत, विधान के प्रथम दिन अनन्त श्री सिद्ध भगवानों की संगीतमय विशेष पूजाएं की गईं। इस अवसर

पर मंदिर में श्री सिद्धचक्र विधान का विशेष आकर्षक मांडना सजाया गया जिस पर मंगल कलश एवं मंगल यन्त्र विराजमान किए गए। इसी मांडने पर समस्त पूजाओं की स्थापना सम्पन्न होगी। मंदिर को अत्यन्त आकर्षक रूप में सजाया गया है। समाज के अनेकों पुरुष व महिलाएं इन्द्र एवं इन्द्राणी के रूप में विधान में सम्मिलित हो रहे हैं। आज के आयोजन में अनिल कुमार जैन, सुरेश चन्द जैन, प्रवीण जैन, आयुष जैन, आशीष जैन, वन्दना जैन, नीलम जैन, जीवनलता जैन, सुशीला जैन, कौशल्या जैन, शशि जैन, रश्मि जैन, उमा जैन, पूनम जैन, सुनीता जैन, श्वेता जैन, भावना जैन, कुमकुम जैन, निधि जैन, तरंग जैन, सुरभि जैन, स्वाति जैन, अंजलि, पूजा, साक्षी, सुशील जैन, संजीव जैन, राजीव जैन, राज कुमार जैन, विपिन जैन आदि मौजूद रहे।

अलंकरण समारोह में सम्मानित हुये अफसर

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। क्लेमेंटटाउन स्थित सैन्य परिसर में मंगलवार को मध्य कमान अलंकरण समारोह 2026 गरिमामय सैन्य परंपराओं के बीच आयोजित किया गया. समारोह में उत्कृष्ट शौर्य, विशिष्ट सेवा और पेशेवर दक्षता के लिए सेना के अधिकारियों, जवानों और यूनिटों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मध्य कमान ने की. उन्होंने परिचालन और प्रशासनिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सैन्य कर्मियों को पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए. कार्यक्रम के दौरान सैन्य अनुशासन, परंपरा और गौरव का विशेष संगम देखने को मिला। इस वर्ष कुल 26 वीरता एवं विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए गए. इनमें तीन युद्ध सेवा मेडल, 13 सेना मेडल (वीरता), चार सेना मेडल (विशिष्ट सेवा) और छह विशिष्ट सेवा मेडल शामिल रहे. इसके अतिरिक्त 28 यूनिटों को उनकी पेशेवर उत्कृष्टता और निरंतर उच्च प्रदर्शन के लिए जीओसी-इन-सी, मध्य कमान यूनिट प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

पलायन रोकथाम व सीमांत क्षेत्रों में रोजगार योजनाओं को तेजी से लागू करने के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना तथा मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम की अनुवीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पलायन रोकथाम और सीमांत क्षेत्रों में रोजगार व आजीविका से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर गैप न रहे। जनपदों से आने वाले प्रस्तावों के अनुमोदन की प्रक्रिया को तेज रखते हुए निर्धारित टाइमलाइन में कार्य पूर्ण किए जाएं।

पुराने क्रियान्वयनों की समीक्षा करते हुए योजनाओं से धरातली आउटकम सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

टारगेटेड अप्रोच व संसाधन-आधारित इंटरवेंशन पर बल

मुख्य सचिव ने योजनाओं के क्रियान्वयन में टारगेटेड अप्रोच और प्रभावी इंटरवेंशन अपनाने के निर्देश दिए ताकि अपेक्षित परिणाम प्राप्त हों।

उन्होंने कहा कि जिन गांवों में एमपीआरवाई और एमबीएडीपी संचालित हैं, वे स्वरोजगार व आजीविका के मामलों में अन्य सीमांत गांवों के लिए प्रेरणादायी मॉडल बनें। साथ ही सीमांत गांवों में उपलब्ध संसाधनों और कमी (गैप) का वैज्ञानिक अध्ययन कर उसी अनुरूप योजनाओं का इम्प्लीमेंटेशन किया जाए।

वार्षिक कार्ययोजना 2025-26: प्रगति तेज करने के निर्देश

बैठक में पलायन आयोग के उपाध्यक्ष एस.एस. नेगी ने बताया कि योजनाओं का प्रभाव दिख रहा है, किंतु और बेहतर क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

एमपीआरवाई के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 12 जनपदों में 90 योजनाएं प्रस्तावित हैं।

एमबीएडीपी के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 5 सीमांत जनपदों के चिन्हित विकासखंडों में 155 योजनाएं प्रस्तावित हैं।

मुख्य सचिव ने दोनों योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

संदर्भित है कि एमपीआरवाई उत्तराखंड के 50% तक पलायन-प्रभावित 474 गांवों में आवासीय परिवारों, बेरोजगार युवाओं एवं रिवर्स माइग्रेंट्स को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए संचालित है।

एमबीएडीपी के माध्यम से पांच सीमांत जनपदों के सीमांत विकासखंडों में सतत आजीविका व स्वरोजगार के संसाधन उपलब्ध कराकर पलायन रोकने और रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बैठक में सचिव सचिन कुर्वे व डी.एस. गब्रियाल, विशेष सचिव निवेदिता कुकरेती, अपर सचिव अनुराधा पाल, झरना कमठान, हॉफ वन विभाग रंजन कुमार मिश्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खोया पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मकान की रजिस्ट्री जो कि पूर्व भवन स्वामी श्री रईस अब्बास जैदी पुत्र श्री अमीर अब्बास जैदी निवासी मकान नं. 36 पूसा खटीकान,कस्बा पिलखुवा जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के नाम थी, जिसका बही नं 1,जिल्द नं. 2594, पृष्ठ नं. 239 से 258 क्रमांक 6543 जो कि उपनिबन्धक प्रथम देहरादून में दर्ज व अंकित है, इसके साथ ही फ्री होल्ड विलेख दिनांक 23.06.2008,बही न. 1,जिल्द 2278, पृष्ठ 85/98 क्रमांक 2872 दिनांक 23.06.2008 भी कहीं गुम हो गया है। काफी तलाशने पर भी नहीं मिल पाए हैं। रायपुर थाने पर एफआईआर दिनांक 23.02.2026 दर्ज की गई है। उक्त दस्तावेजों का उपयोग किसी भी व्यक्ति द्वारा अवैध होगा। अगर किसी व्यक्ति को मिले तो दिए गए पते पर 15 दिन के अन्दर सम्पर्क करें। में भारतीय स्टेट बैंक साइबर ट्रेजरी शाखा(16312) देहरादून से ऋण के लिए आवेदन कर रही हूँ।

श्रीमती निगहत अंजुम
पत्नी श्री शराफत आलम अंसारी
निवासी 194 एमडीडीए कालोनी
चन्दर रोड़ डालनवाला देहरादून।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (कनिष्ठ खण्ड) महोदय, पौडी गढवाल

दी. वाद संख्या 02/26

वादी:- श्री विपिन सिंह नेगी उम्र 29 वर्ष पुत्र स्व० विनोद सिंह निवासी ग्राम खोला पट्टी सितोनस्यूं, विकास खण्ड कोट, तहसील पौडी, जिला पौडी गढवाल मो०-

बनाम

प्रतिवादीगण:-1. श्री राहुल सिंह नेगी उम्र 25 वर्ष पुत्र स्व० विनोद सिंह निवासी ग्राम खोला पट्टी सितोनस्यूं विकास खण्ड कोट, तहसील पौडी, जिला पौडी गढवाल। 2. ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत खोला सितोनस्यूं, विकास खण्ड कोट, तहसील पौडी, जिला पौडी गढवाल। 3. आम व खास।

नोटिस सिविल बनाम आम व खास

चूंकि वादी ने इस न्यायालय में अपनी माता श्रीमती सुबोधनी देवी के 18 अगस्त 2014 से लापता होने के कारण उनकी दीवानी मृत्यु घोषित करवाने बावत घोषणात्मक वाद अन्तर्गत पद धारा 34 विशिष्ट अनुतोष अधिनियम योजित किया है, जिस पर जवाबदेही की तिथि 10.03.2026 नियत है।

अत: हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को इस बावत कोई आपत्ति हो तो वह उक्त तिथि को ठीक 10 बजे प्रात: इस न्यायालय में स्वयं/मॉर्फत अधिवक्ता उपस्थित होकर जवाबदेही करें अन्यथा उक्त वाद में आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

आज दिनांक 11.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

आज्ञा से
सिविल जज (क.ख.)
पौडी गढवाल

न्यायालय श्रीमान परिवार न्यायालय जनपद रूद्रप्रयाग

प्र.दी. वा. सं. 01/26

प्रार्थी :- राजेन्द्र शाह पुत्र बसंत लाल निवासी ग्राम घेघड़ विकासखण्ड जखोली तहसील जखोली जिला रूद्रप्रयाग।

बनाम

प्रतिवादीगण:-1. संदीप शाह पुत्र बसंत लाल। 2. संगीता पुत्री बसंत लाल निवासीगण ग्राम घेडड़ विकासखण्ड जखोली तहसील जखोली जिला रूद्रप्रयाग। 3. ग्राम पंचायत घेघड़ द्वारा ग्राम प्रधान घेघड़ विकासखण्ड जखोली तहसील जखोली जिला रूद्रप्रयाग। आम व खास

समन बनाम:-आम व खास

हरगाह सर्वसाधारण को जरिये समन सूचित किया जाता है कि प्रार्थी द्वारा अपने स्व. पिता बंसत लाल के के भारतीय स्टेट बैंक शाखा कीर्तिनगर में खाता सं. 31574794963 में जमा रूपये मु. 3598142.10/-रू. का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहने बाबत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें दिनांक 17.03.2026 को तिथि सुनवाई हेतु नियत है। जिस किसी व्यक्ति को प्रार्थी के पक्ष में उक्त उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने में हुई आपत्ति हो तो वह उक्त नियत तिथि पर प्रात: ठीक 10 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित आकर अपना पक्ष प्रस्तुत करे। अन्यथा मामले में एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी। सूचना जाने।

आज दिनांक 24.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

रोशन लाल वंशल्वाण
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ सदर मुन्सरिम
जिला जज कोर्ट रूद्रप्रयाग

न्यायालय असि. कलेक्टर प्रथम श्रेणी चाकीसैण पौडी

वाद सं. 02/2025-2026

वादी- हरि सिंह व आदि

बनाम्

प्रतिवादी- समस्त सहखातेदार

नोटिस/समन् बनाम 1. तोता सिंह पुत्र वचू 2 सुरेन्द्र सिंह पुत्र वचू 3-ज्ञान सिंह पुत्र गोविन्द सिंह 4. मोहन सिंह पुत्र गोविन्द सिंह 5. मगन सिंह पुत्र जसराम 6. गणेश सिंह पुत्र जसराम 7. जसमती देवी पत्नी जसराम 8. लक्ष्मण सिंह पुत्र कलम सिंह पोता जसराम 9. रोशनी देवी पत्नी कलम सिंह पुत्रबधू जसराम 10. भगत सिंह पुत्र अवतार सिंह 11. मंगल सिंह पुत्र अवतार सिंह 12. कलम सिंह पुत्र अवतार सिंह 13. मनोज सिंह पुत्र अवतार सिंह 14. राम सिंह पुत्र बगोलिया 15. मोहन सिंह पुत्र बगोलिया 16. ब्रहम सिंह पुत्र बगोलिया 17. प्रेम सिंह पुत्र बगोलिया 18. देव सिंह पुत्र बगोलिया 19. देव सिंह पुत्र बगोलिया 20. हर्ष सिंह पुत्र हीरा सिंह 21. शारदा देवी पत्नी हीरा सिंह 22. पंचम सिंह पुत्र चमडु 23. ललित सिंह पुत्र गगन सिंह 24. आनन्द सिंह पुत्र गगन सिंह 25. मगनी देवी पत्नी गगन सिंह 26. सुरेन्द्र सिंह वैशाख सिंह 27. जतिन पुत्र कुलदीप सिंह पोता वैशाख सिंह 28. वर्षा पत्नी कुलदीप सिंह पुत्रवधु बैशाख सिंह 29. खुशाल सिंह पुत्र इन्द्र सिंह।

समस्त निवासीगण न्यानगढ, पट्टी कण्डारस्यूं-1 तहसील चाकीसैण जिला पौडी गढवाल।

चूंकि वादीगण द्वारा इस न्यायालय में एक वाद अन्तर्गत धारा 33/39 उ.प्र.ज. वि. एवं भू.सु.अधि. के तहत ग्राम न्यानगढ, पट्टी कण्डारस्यूं-1 तहसील चाकीसैण जिला पौडी गढवाल की वर्तमान खाता खतौनी स० 00007 में दर्ज अपने अशुद्ध नामों को शुद्ध प्रवृष्टि करने हेतु वाद योजित किया है। जिसमें जवाबदेही की तिथि दि. को नियत है।

अत: आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 02.03.2026 को समय 1.00 बजे/अपराह् स्वयं/मार्फत अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित होकर जवाबदेही करें अन्यथा वाद में एकतरफा कार्यवाही की जायेगी।

आज दिनांक 23.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

आज्ञा से-
न्यायालय असि. कलेक्टर प्रथम चाकीसैंण पौडी गढ़वाल

तिहरे हत्याकांड के दोषी को सुनाई फांसी की सजा

■ 10 हजार रुपये अर्थदण्ड, उच्च न्यायालय के आदेश पर पुन: सुनवाई के बाद पारित किया अदालत ने निर्णय

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। अपर सत्र न्यायाधीश टिहरी गढ़वाल नसीम अहमद की अदालत ने गजा तहसील के ग्राम गुमालगांव में हुए बहुचर्चित और हृदयविदारक तिहरे हत्याकांड में अहम फैसला सुनाते हुए हत्यारे संजय सिंह की फांसी की सजा को बरकरार रखा है। पूर्व में इसी अदालत ने चौबीस अगस्त दो हजार इक्कीस को इस जघन्य अपराध के लिए हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई थी जिसके बाद मृत्युदंड को पुष्ट करने के लिए पत्रावली नैनीताल हाईकोर्ट भेजी गई थी।

हाईकोर्ट ने 10 मई 2022 को मामले में सुनवाई करते हुए निचली अदालत के फैसले को अपास्त कर पत्रावली को पुन: विचारण के लिए वापस भेज दिया था। अदालत के आदेश पर हत्यारे का गहन मानसिक परीक्षण कराया गया जिसमें चिकित्सकों की रिपोर्ट के आधार पर उसे ट्रायल के लिए पूरी तरह से फिट पाया गया। इसके बाद मेडिकल फिटनेस और अन्य सभी मजबूत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने एक बार फिर हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी बेणीमाधव शाह व स्वराज्य पंवार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि तेरह दिसंबर दो हजार चौदह को हत्यारे संजय सिंह ने अपने ही परिवार को खौफनाक मौत दी थी। घटना वाले दिन उसने सबसे पहले जंगल में जाकर अपनी गर्भवती भाभी कांता देवी की निर्मम हत्या की और उसके बाद गांव में आकर अपनी मां मीना देवी तथा सगे भाई सुरेंद्र सिंह को भी तलवार से बेरहमी से काट डाला। हत्यारा अपने पिता राम सिंह पंवार की भी हत्या करने की फिराक में था लेकिन सौभाग्यवश वह उस समय बाजार गए हुए थे जिससे उनकी जान बच गई। हालांकि घटना के करीब दो महीने बाद ही इस गहरे सदमे को बर्दाश्त न कर पाने के कारण पिता राम सिंह की भी मौत हो गई थी। इस भीषण तिहरे हत्याकांड से में दहशत का माहौल बन गया था और गांव वाले भी सहमे हुए थे। हत्या की इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारा अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक और खून से सनी तलवार लेकर घर के एक कमरे में छिप गया और खुद को अंदर से बंद कर लिया। सूचना मिलने पर जब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो हत्यारे ने बाहर आने से साफ इंकार कर दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी और कमरे के अंदर आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े जिसके बाद ही हत्यारा पुलिस की गिरफ्त में आ सका। पुलिस ने घटना की गहन जांच कर आईपीसी की विभिन्न धाराओं में आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया था। पुन: विचारण के दौरान हत्यारे ने सभी आरोपों से इंकार किया लेकिन अभियोजन पक्ष ने 04 मई 2023 को जो ठोस साक्ष्य अदालत के पटल पर रखे वह उसे फांसी के फंदे तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त थे। अभियोजन और बचाव पक्ष की लंबी दलीलें सुनने के बाद अदालत ने बीती बीस फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और मंगलवार को अंतिम निर्णय पारित करते हुए हत्यारे को मृत्युदंड तथा 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को किया गिरफ्तार

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के खिलाफ श्रीनगर कोतवाली में विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस उपाधीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि बीते 15 फरवरी को पीडिता के भाई ने कोतवाली पहुंचकर अपनी बहन के साथ दुष्कर्म किए जाने की तहरीर दी थी। बताया कि तहरीर में बताया गया कि उसकी बहन जो कि मानसिक रुप से कमजोर है को युवक बहला फुसलाकर काली कमली धर्मशाला श्रीनगर में ले गया। जहां उसका दुष्कर्म करने का प्रयत्न किया गया।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए युवक के खिलाफ मुक. दमा दर्ज किया। बताया कि युवक कि पहचान मनीष चन्द्र (35) पुत्र स्व. कुशलानन्द मनोरी निवासी ग्राम मनोड़ा पोओ नारायणबगढ़ थाना थराली जनपद चमोली के रूप में हुई है। बताया कि काली कमली धर्मशाला से भागने के प्रयास में कूदने पर युवक के दोनों पैर फ्रैक्चर हो जाने के कारण उपचार के चलते बेस अस्पताल श्रीकोट में भर्ती किया गया।

लोककला के संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध: सीएम

■ चंपावत में खड़ी होली महोत्सव का भव्य शुभारम्भ, मुख्यमंत्री धामी ने संस्कृति संरक्षण का दोहराया संकल्प
■ कुमाऊँ की लोकपरंपराओं को सहेजने का संदेश, खड़ी-बैठकी होली को बताया सामाजिक समरसता की पहचान

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत में कलश संगीत कला समिति द्वारा आयोजित खड़ी होली महोत्सव का वर्चुअल माध्यम से विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुमाऊँ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कुमाऊँ अंचल की खड़ी होली एवं बैठकी होली केवल एक पर्व या सांस्कृतिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि यह हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति, पारंपरिक लोक. संगीत और सामाजिक समरसता की सजीव अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही यह परंपरा हमारी लोक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक एकता को सशक्त बनाती आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। होली के पारंपरिक गीतों, वाद्ययंत्रों और सामूहिक सहभागिता से परिपूर्ण यह उत्सव लोगों को बचपन की मधुर स्मृतियों से जोड़ता है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का माध्यम बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोककला, लोकभाषा और लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों, मेलों एवं महोत्सवों को प्रोत्साहन देकर स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है। इससे न केवल सांस्कृतिक विरासत सशक्त हो रही है, बल्कि स्थानीय कलाकारों को भी नई पहचान और अवसर प्राप्त हो रहे हैं। सीएम ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे तथा सामाजिक सौहार्द और सामूहिकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि कलश संगीत कला समिति द्वारा इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, कलाकार एवं सांस्कृतिक प्रेमी उपस्थित रहे।

एसडीएमपी व डीडीएमपी जल्द जारी होंगी

■ सचिव आपदा प्रबंधन विनोद सुमन ने की प्रगति की समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन योजना एवं जनपद आपदा प्रबंधन योजनाओं को अद्यतन किए जाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस संबंध में मंगलवार को सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें योजनाओं के अद्यतन कार्य की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में अवगत कराया गया कि राज्य तथा जनपद आपदा प्रबंधन योजनाओं का कार्य लगभग अंतिम चरण में हैं और शीघ्र ही इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, बदलते जलवायु परिदृश्य, नई तकनीकों के समावेशन तथा पूर्व में घटित आपदाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखते हुए एसडीएमपी एवं डीडीएमपी को समय-समय पर अपडेट करना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अद्यतन योजनाओं में जोखिम मूल्यांकन, संसाधन मैपिंग, त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, सामुदायिक सहभागिता तथा विभागीय समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, जिससे आपदा के समय त्वरित एवं समन्वित कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, योजनाओं को फील्ड स्तर पर अधिक व्यावहारिक एवं क्रियान्वयन योग्य बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, वित्त नियंत्रक अभिषेक कुमार आनंद, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबैदुल्लाह अंसारी आदि मौजूद रहे।

किसान अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ व पर्यावरण के संरक्षक

■ कृषि मंत्री जोशी ने किया देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि कुम्भ में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को देवभूमि उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय प्रेमनगर द्वारा आयोजित 'कृषि कुम्भ-2026' के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने मेले में लगाए गए विभिन्न कृषि, बाग. वानी एवं नवाचार आधारित स्टालों का अवलोकन किया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। साथ ही मंत्री जोशी ने कृषि वानिकी पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया।

अपने संबोधन में कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है और गाँवों की आत्मा हमारे किसान हैं। किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ, पर्यावरण के संरक्षक और संस्कृति के संवाहक भी हैं। उन्होंने कहा कि जब विश्व खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भारतीय किसान अपनी मेहनत, नवाचार और संकल्प से समाधान प्रस्तुत कर रहा है।

कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि प्रदेश के किसानों ने जैविक खेती, बागवानी, औषधीय पौधों, श्री अन्न (मिलेट्स), मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन एवं पशुपालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि "किसान मेला" केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुभव और नवाचार का संगम है, जहाँ किसान, वैज्ञानिक, छात्र और उद्यमी एक मंच पर संवाद कर कृषि के भविष्य की दिशा तय करते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा और खेत के बीच की दूरी जितनी कम होगी, कृषि उतनी ही प्रगति करेगी। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक, सटीक खेती, मिट्टी परीक्षण, स्मार्ट सिंचाई, जैव उर्वरक एवं डिजिटल मार्केटिंग आधुनिक कृषि के महत्वपूर्ण आयाम हैं। कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि उत्तराखंड जैसे राज्य में जैविक उत्पादों की ब्रांडिंग, मंडुवा और झंगोरा जैसे मोटे अनाज का प्रसंस्करण, हर्बल उत्पाद, फल प्रसंस्करण, शहद एवं मशरूम उद्योग में अपार संभावनाएँ हैं। राज्य सरकार स्टार्टअप, मुद्रा योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बनें और कृषि को उद्यम के रूप में अपनाकर राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय कुमार, रितिका मेहरा, अमन बंसल, पूर्व पार्षद मंजीत रावत सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं, कृषक व शिक्षक मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री के नेतृत्व में एक्सपोजर विजिट पर जाएंगे विधायक-अधिकारी

■ दिल्ली व आंध्र प्रदेश में शिक्षा से जुड़ी सफल योजनाओं का करेंगे अध्ययन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सूबे के उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में विधायकों व संबंधित विभागीय अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल विभिन्न राज्यों में एक्सपोजर विजिट पर जायेगा। अध्ययन भ्रमण के तहत दिल्ली में विद्यालयी शिक्षा जबकि आंध्र प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संचालित विभिन्न सफल योजनाओं एवं नवाचारों का अध्ययन किया जायेगा, ताकि भविष्य में प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में बेहतर योजनाओं को लागू किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास को लेकर निरंतर प्रयासरत है और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को केन्द्र में रखकर योजनाएं बनाई जा रही है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों में लागू सफल शिक्षा मॉडल का अध्ययन के लिये सरकार द्वारा विधायकों व अधिकारियों को एक्सपोजर विजिट पर भेजने का निर्णय लिया गया है, ताकि ऐसी योजनाओं को प्रदेश में लागू कर सरकारी विद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता एवं दक्षता में सुधार किया जा सके।

इसी कड़ी में विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत डा. रावत की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विधायक व अधिकारियों का दल दिल्ली के एक्सपोजर विजिट पर जायेगा। जिसके लिये सरकार द्वारा धर्मपुर विधायक विनोद चमोली, हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत, खानपुर विधायक उमेश कुमार सहित विद्यालयी शिक्षा सचिव रविनाथ रमन व महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा दीप्ती सिंह को नामित किया गया है। यह दल दिल्ली सरकार द्वार शिक्षा के क्षेत्र में संचालित सफल योजनाओं, सरक. ारी स्कूलों में गुणवत्ता एवं दक्षता सुधार तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों की व्यवस्थाओं का अध्ययन करेगा।

इसी प्रकार उच्च शिक्षा के अंतर्गत विभागीय मंत्री डा. रावत की अध्यक्षता में विधायकों व विभागीय अधिकारियों का पांच सदस्यीय दल आंध्र प्रदेश जायेगा। यह दल वहां उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किये गये नवाचारों, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों का अध्ययन करेगा। भ्रमण के दौरान दल आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) का दौरा करेगा, जहां पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, क्लाउड तथा अन्य आधुनिक तकनीकों में 4 लाख छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा रतन टाटा इनोवेशन हब अमरावती, एनवीडिया आंध्र प्रदेश यूनिवर्सिटी तथा क्वांटम वैली का भी अध्ययन भ्रमण किया जायेगा। इस दल के लिये टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय, चकराता विधायक प्रीतम सिंह तथा यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल सहित उच्च शिक्षा सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा तथा निदेशक आईटीडीए आलोक पाण्डेय को नामित किया गया है। डॉ. रावत ने बताया कि एक्सपोजर विजिट की तिथि शीघ्र निर्धारित की जायेगी।

वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन

कालसी। क्रिसिल फाउंडेशन द्वारा संचालित मनी वाइज सीएफएल प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्राम कोठा तरली, विकासखंड कालसी में एक वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान बचत एवं निवेश के महत्व, डिजिटल लेन-देन की सुरक्षित प्रक्रिया, साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपाय तथा के वाई सी से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित ग्रामीणों को वित्तीय सेवाओं का सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के एलडीओ रजनीश सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ग्राम प्रधान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती, एएम आशुतोष, सीबीओ अंकित मिश्रा, सीएम शूरवीर, एफसी आनन्द आदि मौजूद रहे।

दो किलो चरस और डोडा पोस्त के साथ तस्कर गिरफ्तार

■ ऋषिकेश में एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई
■ उत्तरकाशी का आरोपी चढ़ा हत्थे

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के 'ड्रग्स फ्री देवभूमि' अभियान को सफल बनाने के लिए एसटीएफ ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह के निर्देशन में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने सप्ताह के भीतर नशे के सौदागरों पर दूसरा बड़ा प्रहार किया है।

टीम ने ऋषिकेश क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान के दौरान भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस उपाधीक्षक परवेज अली के पर्यवेक्षण में एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और थाना ऋषिकेश पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा संदिग्धों की तलाश की जा रही थी। चेकिंग के दौरान टीम ने एक कार को रोका, जिसमें से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से 2 किलो 180 ग्राम अवैध चरसऔर 5 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया।पकड़े गए अभियुक्त की पहचान भागवत पुत्र नारायण, निवासी ग्राम न्यू सारी, थाना धोतरी, उत्तरकाशी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी भागवत ने खुलासा किया कि वह यह माल टिहरी गढ़वाल के बूढ़ा केदार निवासी सुंदर नामक व्यक्ति से लेकर आया था। अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह अधिक धन कमाने के लालच में दून और ऋषिकेश के शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय क्षेत्रों में इसे ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में था।

चुनावी आहट से पहले राजस्व ग्राम की हितैषी बन रही कांग्रेस का प्रदर्शन राजनैतिक: चौहान

■ कहा, बिंदुखत्ता सहित अन्य क्षेत्रों पर जल्दी होगा फैसला

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने गोठ, खत्तों को लेकर कांग्रेस के समर्थन और प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि चुनाव की आहट से पूर्व कांग्रेस की सक्रियता उनका दिखावे का समर्थन है और उसकी मंशा नही दुष्प्रचार का वातावरण निर्मित करना है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने कहा कि बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित करने के लिए कसरत अंतिम चरण में है। जल्दी ही कैबिनेट मे इस पर निर्णय लिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि इन राजस्व ग्रामों को लेकर पूर्व मे कांग्रेस की डबल इंजन सरकार वहाँ के निवा. सियों को छलती रही है, लेकिन जमीन पर उनकी सुविधाओं के लिए कोई कार्य नही किया गया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी, 2014 के बाद अब तक लगभग 3 करोड़ गरीब परिवारों के लिए आवास बनवा चुके है, इसलिए विपक्ष की चिंता पूरी तरह राजनैतिक है। उन्होंने पूर्व सीएम हरीश रावत के नेतृत्व में होने वाले इस धरना प्रदर्शन को कांग्रेस की गुटीय प्रतिस्पर्धा बताया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि सामान मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग धडे, अपने अपने आंदोलन कर जनमानस की दिनचर्या को बाधित करने में लगे हैं।

कांग्रेस पार्टी आज इतनी कमजोर हो गई है कि उन्हें प्रदर्शन करने के लिए राज्य आंदोलन द्रोहियों की मदद लेनी पड़ रही है। 2014 के बाद से लोकसभा विधानसभा निकाय पंचायत सभी चुनाव में बार-बार करारी शिकस्त के बाद वे कदर हताश हो गई है कि निराशा में किसी का भी साथ लेने को तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में ग्राम समाज व सरकारी भूमि पर बसे लोगों की चिंता हम सबको है।

677.75 करोड़ की वार्षिक कार्ययोजना को मिली मंजूरी

■ ग्रामीण वेग वृद्धि परियोजना की उच्चाधिकार एवं मार्गदर्शन समिति की बैठक

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में ग्रामीण वेग वृद्धि परियोजना की उच्चाधिकार एवं मार्गदर्शन समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में सचिव डी.एस. गर्ब्याल द्वारा वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्ययोजना के सापेक्ष प्रगति एवं अनुपालन रिपोर्ट तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट का प्रस्तुतीकरण किया गया।

समिति ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 677.75 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट को अनुमोदित किया। प्रस्तावित कार्ययोजना में स्वरोजगार, आजीविका संवर्धन, आय सृजन गतिविधियों, स्थानीय संसाधन विकास, कृषि एवं सहायक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने संबंधी कार्यक्रमों को वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।इस दौरान बैठक में अपर सचिव गिरधारी सिंह रावत, नवनीत पांडेय, झरना कमठान व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समान प्रकृति के स्वयं सहायता समूहों की पहचान, महिला किसान वर्ष 2026 पर विशेष रणनीति: मुख्य सचिव ने समान कार्य प्रकृति वाले महिला स्वयं सहायता समूहों की पहचान कर उन्हें आजीविका एवं स्वरोजगार की दृष्टि से बेहतर सहयोग देने की रणनीति तैयार करने को कहा। वर्ष 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि 'लखपति दीदी' योजना के अंतर्गत महिलाओं को विशेष वित्तीय, तकनीकी, पूंजीगत एवं संस्थागत प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाए। सभी जनपदों में स्वयं सहायता समूहों एवं हितधारकों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित कर उनके मुद्दों को समझते हुए समाधान आधारित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

अनउपयोगी ग्रोथ सेंटर होंगे सक्रिय, पलायन रोकथाम पर फोकस: मुख्य सचिव ने ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे ग्रोथ सेंटर की पहचान करने के निर्देश दिए, जिनका समुि. चत उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि इन अनउपयोगित ग्रोथ सेंटरों को 'हाउस ऑफ हिमालय' के माध्यम से प्रभावी रूप से उपयोग में लाने हेतु ठोस योजना तैयार की जाए। वर्ष 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के परिप्रेक्ष्य में इस वित्तीय वर्ष महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

2.5 लाख 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य

मुख्य सचिव ने वर्ष 2026-27 के लिए 2.5 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि रिप परियोजना से लाभान्वित महिलाओं को अन्य विभागीय एवं केंद्र/राज्य योजनाओं से भी जोड़ा जाए तथा सभी योजनाओं का समेकित विवरण संकलित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाभार्थियों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण हेतु विभिन्न योजनाओं के साथ प्रभावी कन्वर्जेंस सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीण परिवारों को सतत रूप से ऊपर उठाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने और गहन होमवर्क करने के निर्देश भी दिए गए।

आयुक्त दीपक रावत का बागेश्वर दौरा, विकास कार्यों की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने बागेश्वर जिले में अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने आयुक्त का स्वागत किया और उन्हें गार्ड आफ आनर प्रदान किया। बैठक में आयुक्त को जनपद में संचालित जिला योजना, राज्य और केंद्र पोषित योजनाओं, मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति, और अवशेष धनराशि की स्थिति के बारे में जानक. ारी दी गई। आयुक्त ने विभिन्न विभागों से आने वाली रिपोर्टों की समीक्षा करते हुए समयबद्ध कार्यों के पूर्ण होने के निर्देश दिए। मत्स्य विभाग ने ट्राउट मछली उत्पादन की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया।

उद्यान विभाग ने कीवी उत्पादन, काला धान की खेती और कुटकी उत्पादन की प्रगति पर चर्चा की। स्वास्थ्य विभाग ने टोकन और सेंट्रल बिलिंग सिस्टम की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और 24 घंटे हैलो हेल्थ बागेश्वर सेवा सुचारू रखने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग ने पीएम श्री योजना के तहत चल रहे विद्यालयों की उपलब्धियों पर चर्चा की। लोक निर्माण विभाग ने निर्माणाधीन परियोजनाओं और सड़कों की स्थिति की समीक्षा की और नाम पटों को 60 दिनों के भीतर लगाने के निर्देश दिए। पेयजल निगम ने जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 के तहत पंपिंग परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की। राजस्व विभाग ने साइबर क्राइम की रोकथाम और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन कॉलिंग प्रतिशतता बढ़ाने के निर्देश दिए। वन विभाग ने वृक्षारोपण, मानव-वन्यजीव संघर्ष, और नए ईको-ट्रेल के विकास की स्थिति की समीक्षा की। खेल विभाग ने खेल अवसंरचना और खेल छात्रावास की स्थापना की प्रगति पर चर्चा की। आयुक्त ने विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर दिया और लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही, वन डिस्ट्रिक्ट वन रिवर योजना के तहत गरुड़ गंगा पुनर्जीवन की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, उप जिलाधिकारी और सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खड़ी होली में थिरकीं होल्यार

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में होली का रंग चढ़ने लगा है। मंगलवार को मां नंदा सर्वदलीय महिला समिति की ओर से खड़ी होली का आयोजन किया गया। इस दौरान नंदादेवी मंदिर परिसर में महिलाओं ने होली गीतों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति देकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। महोत्सव में खड़ी होली का शुभारंभ महिलाओं ने नंदादेवी मंदिर की परिक्रमा के साथ किया। इसके बाद नगर के विभिन्न मोहल्लों की महिला होली टीमों ने गजानन शंभू के नंदन तेरी जय हो और होली की आई बहार फागुन महीने में गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। महिलाओं ने सिद्धि को दाता विघ्न विनाशक होली खेले गिरजा. पति नंदन..., शिव के मन माही बसे काशी..., जल कैसे भरूं जमुना गहरी..., झुकि आयो शहर में व्यापारी...,नैनवा रसके भरे, पिया आओगे कौन घड़ी...., आदि शानदार होली गीतों की प्रस्तुतियां दी। साथ ही महिला होल्यारों ने रंग गुलाल लगाकर श्रृंगार व भक्ति आधारित होली का भी गायन किया। महिला होल्यारों ने विभिन्न स्वांग के जरिए लोगों को खूब गूदगूदाया। यहां समिति की अध्यक्ष मीना भैसोड़ा, सचिव गीता मेहरा, उपाध्यक्ष भगवती बिष्ट, बिमला बोरा, लक्की वर्मा, गीता आर्या, किरन साह, माया वर्मा, प्रेमा बिष्ट, मोहनी कनवाल, गीता पांडे, दीपा भंडारी, हरीता नेगी, गीता बिष्ट, निर्मला जोशी, राधा राजपूत, राजेश्वरी चम्याल, ज्योति रावत, हेमा जोशी समेत कई महिला होल्यार मौजूद रही।

एक नजर

नगर निगम में नि:शुल्क कम्पोस्ट वितरण कल

काशीपुर। नगर निगम में गुरूवार, 26 फरवरी को नि:शुल्क कम्पोस्ट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को गीले कचरे से कम्पोस्ट बनाने और उसके उपयोग के लिए प्रेरित करना है। महापौर दीपक बाली व नगर आयुक्त रविन्द्र सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में लोगों को गीला और सूखा कचरा अलग करने की जानकारी दी जाएगी, जिससे वे अपने घरों में ही कचरे को सही तरीके से प्रबंधित कर सकें। इसके साथ ही घर पर ही सरल तरीके से कम्पोस्ट बनाने की विधि भी समझाई जाएगी, ताकि लोग अपने गीले कचरे को कम्पोस्ट में बदलकर उसका उपयोग अपने बगीचे और पौधों के लिए कर सकें। कार्यक्रम के दौरान तैयार कम्पोस्ट का वितरण भी किया जाएगा, जिससे नागरिकों को कम्पोस्ट के उपयोग के लाभों का प्रत्यक्ष अनुभव हो सके। उन्होंने कहा कि कम्पोस्ट के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, पौधों की अच्छी वृद्धि होती है और कचरा लैंडफिल में जाने से कम होता है, जिससे पर्यावरण को भी लाभ पहुंचता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों और इस स्वच्छता अभियान को सफल बनाएं।

युवती घर से लापता, गुमशुदगी दर्ज

काशीपुर। ग्राम ढकिया नंबर एक तहसील काशीपुर जिला उधम सिंह नगर निवासी एक महिला ने अपनी पुत्री के गायब होने की तहरीर पुलिस को सौंपी है। तहरीर में कहा है कि हैं। प्रार्थिनी की पुत्री 22 जनवरी 2026 को सुबह 7.30 बजे करीब घर से बिना बताये चली गयी है और अब तक वापिस नही आयी है। समस्त रिश्तेदारी व आस-पड़ोस में तलाश किया परन्तु कुछ पता नही चला। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर उचित कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

बकायेदारों से वसूली को लेकर समीक्षा बैठक

काशीपुर। उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के परियोजना निदेशक एमआर आर्या ने काशीपुर सर्किल के अधिशासी अभियंता और अवर अभियंताओं के साथ बैठक कर मार्च माह में बकायेदारों से वसूली को लेकर समीक्षा की। निदेशक ने कहा कि मार्च माह में वसूली का टारगेट पूरा करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। सोमवार को हुई बैठक में बैठक में मुख्य अभियंता आरएस अधिकांता, अधिशासी अभियंता अजीत कुमार यादव, अधिशासी अभियंता अर्जुन पाल सिंह, अधिशासी अभियंता विवेक कांडपाल सहित अन्य अवर अभियंता उपस्थित रहे।

नेत्र परीक्षण शिविर में 380 ओपीडी

काशीपुर। लायंस क्लब काशीपुर ग्रेटर द्वारा यहां रामनगर रोड स्थित एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय में आयोजित किये गये नि:शुल्क नेत्र परीक्षण में मंगलवार को दूसरे दिन भी भारी संख्या में लोग अपनी आंखों की जांच कराने पहुंचे। चिकित्सालय की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. गीतांजलि तिवारी की टीम ने परीक्षण कर उन्हें परामर्श व दवाई दी। क्लब अध्यक्ष ला. गौतम मेहरोत्रा ने बताया कि शिविर में 380 ओपीडी हुई हैं, इनमें से 48 व्यक्ति ऑपरेशन के लिए चयनित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि चयनित व्यक्तियों का बुधवार, 25 फरवरी को मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर के दूसरे दिन ला. अनुराग सोलंकी, ला. विवेक पैगिया, ला. मुदित अग्रवाल, ला. राजीव अग्रवाल, ला. स्थित कृष्ण चतुर्वेदी, ला. संतोष मेहरोत्रा, ला. मुनेश बिंदल, ला. सौरभ शर्मा, ला. मयंक गुप्ता व ला. जतिन गोयल आदि लायन बंधु उपस्थित रहे।

लावारिस शव का किया अंतिम संस्कार

अल्मोड़ा। मानवता और सामाजिक सरोकार का एक मार्मिक उदाहरण रानीखेत क्षेत्र में देखने को मिला। जहां जन सेवा समिति ने एक अज्ञात शव का अंतिम संस्कार कर मानवता की मिशाल पेश की है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को खोलियोगांव के पास जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। शव लगभग एक से दो माह पुराना बताया जा रहा है और काफी सड़-गल चुका था। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष आंकी गई है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को नागरिक चिकित्सालय रानीखेत में पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के उपरांत शव को 72 घंटे तक शिनाख्त के लिए सुरक्षित रखा गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी पहचान नहीं हो सकी। इस बीच मानवता का परिचय देते हुए जन सेवा समिति के अध्यक्ष सतीश चन्द्र पांडे ने अपने दो साथियों के सहयोग से रानीखेत मुक्तिधाम में अज्ञात युवक का हिंदू रीति-रिवाज से विधिवत अंतिम संस्कार किया। उन्होंने बताया कि मृतक की शिनाख्त न हो पाने के कारण यह निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि, सतीश चन्द्र पांडे पिछले लगभग 25 वर्षों से गरीब, असहाय और लावारिस शवों की अंत्येष्टि का कार्य निस्वार्थ भाव से करते आ रहे हैं। क्षेत्र में उनके इस सेवा कार्य की व्यापक सराहना की जा रही है।

एसी कॉपर पाइप के साथ चोर गिरफ्तार

काशीपुर। एक दुकान से चोरी गये एसी के कॉपर पाइप के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर पुलिस चोरी की घटना का 24 घंटे से भी कम समय में खुलासा कर दिया। सैनिक कॉलोनी निवासी जगत सिंह पुत्र खुशवंत सिंह ने कोतवाली तहरीर देकर कहा कि उसकी रामनगर रोड स्थित दुकान से अज्ञात चोर द्वारा लगभग 15,000/- रुपए कीमत के कॉपर के पाइप की चोरी कर लिये हैं। जिस संबंध में कोतवाली काशीपुर में धारा 303 (2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। उक्त चोरी की घटना का अनावरण करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए आदेश निर्देश क्रम में तथा पुलिस अधीक्षक काशीपुर व क्षेत्राधिकारी बाजपुर के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली काशीपुर द्वारा गठित पुलिस टीम द्वारा चोरी गये कॉपर के पाइप के टुकड़ों के साथ मुकीम पुत्र अब्दुल वहीद निवासी मोहल्ला काजीबाग कटोरातल को गिरफ्तार कर चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर अनावरण किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

युवक पर मां व जीजा को धमकाने का आरोप

काशीपुर। एक महिला ने एक युवक पर अपनी मां व जीजा को धमकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू करती है। आवास विकास निवासी पूजा कश्यप पुत्री चन्द्रपाल कश्यप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि काशीपुर कोतवाली मे एक मुकदमा पंजीकृत करवाया गया था, जिसमें उच्च न्यायालय द्वारा अभियुक्त अमित कुमार पुत्र हरद्वारी को प्रतिदिन 2 बार थाने मे प्रस्तुत होने के लिए आदेशित किया गया है, खुद को फंसता हुआ देखकर अमित कुमार अपने साथ राजू मुखर्जी पुत्र भोला निवासी ग्राम रामनगर काशीपुर व एक अन्य व्यक्ति ने विगत 22 फरवरी को दोपहर मेरी माता और जीजा को चैती चौराहे के पास घेर लिया और गन्दी गालियां देते हुए धमकी दी कि अपनी बेटी से कह देना कि अपना मुकदमा वापस ले लेगी नही तो मेरे साथ सुखवंत सिंह हरविन्दर सिह उर्फ राजू, राजेश जैसे लोग रहते है जिन पर हत्या रंगदारी जैसे मुकदमे चल रहे हैं, उनसे तेरी बेटी की हत्या करवा दूंगा। अमित कुमार, राजू मुखर्जी और उनके अन्य साथी के साथ रास्ते मे जबरन घेरकर गाली गलौच की जान से मारने की धमकी दी व मेरे द्वारा लिखवाए मुकदमे को वापस लेने के लिए दबाव बनाया। ये सारा प्रकरण आस-पास के सीसीटीवी कैमरे में देखा जा सकता है। पुलिस ने महिला की तहरीर के अनुसार मुकदमा लिखकर आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

शिक्षक-कर्मचारियों ने किया कार्यबहिष्कार

अल्मोड़ा। देहरादून में शिक्षा निदेशक प्रारंभिक शिक्षा के साथ हुई मारपीट मामले में कार्मिकों में आक्रोश है। मंगलवार को शिक्षक-कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर सरकार से मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। जल्द कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। उत्तराखंड अधिकारी-कर्मचारी-शिक्षक समन्वय समिति के बैनर तले शिक्षक-कर्मचारियों ने सीईओ कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। कहा कि देहरादून की घटना से पता चलता है कि राज्य में कानून व्यवस्था किस तरह के पटरी से उतर गई है। कार्मिकों ने शिक्षा निदेशक के साथ हुई मारपीट को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि इस तरह की घटना प्रशासनिक कार्य प्रणाली व शासकीय व्यवस्था की गरिमा के विपरीत है। उन्होंने जल्द दोषियों पर कार्रवाई की मांग उठाई। यहां प्रदर्शन करने वालों में सुमित कनवाल, गणेश बोरा, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, संजीव बिष्ट, जगदीश सिंह, कमलेश अधिकारी, भावना तिवारी, शैलेंद्र शुक्ला, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, संजीव बिष्ट थे।

भाजपा शासन में बनेगा रानीखेत जिला: रवि मोहन अग्रवाल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रानीखेत। कुमाऊं मंडल विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व दर्जा मंत्री रवि मोहन अग्रवाल ने रानीखेत क्षेत्र की समस्याओं, संभावनाओं और भाजपा की भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि रानीखेत प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक गरिमा से समृद्ध एक श्रेष्ठ पर्यटन नगरी है, जहां पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश काल से स्थापित छावनी बोर्ड ने नगर को सुरक्षा, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाएं प्रदान की हैं। जिला गठन के मुद्दे पर अग्रवाल ने कहा कि रानीखेत को जिला बनाने का विषय भाजपा के घोषणा पत्र में शामिल है और मुख्यमंत्री द्वारा गठित जिला पुनर्गठन आयोग इस दिशा में कार्य कर रहा है। राजधानी गैरसैंण के निकट होने से रानीखेत का महत्व और बढ़ जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि शीघ्र ही रानीखेत को जिला बनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में कांग्रेस सरकार ने रानीखेत को जिला बनाने में रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से इस विषय पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा। आगामी चुनावों को लेकर अग्रवाल ने कहा कि भाजपा स्वच्छ छवि, जिताऊ और टिकाऊ प्रत्याशियों को प्राथमिकता देगी तथा भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टोलरेंस' की नीति जारी रहेगी।

स्वतंत्रता सेनानी राम सिंह धौनी का स्मरण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। देश को जय हिन्द का नारा देने वाले क्रांति दूत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. राम सिंह धौनी की 133 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान स्व. धौनी के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। वहीं, अल्मोड़ा-लमगड़ा मोटर मार्ग का नाम स्व. धौनी के नाम करने की मांग की गई।

मंगलवार को राम सिंह धौनी ट्रस्ट की ओर से सिकुड़ा तिराहा स्थित राम सिंह धौनी पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्जलि अर्पित की गई। उनके किए कार्यों को याद किया गया। मुख्य अतिथि विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि क्रांति दूत धौनी की जीवन देश प्रेम को समर्पित रहा। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों की बर्बरता के बावजूद देश को जय हिन्द का नारा देने वाले क्रांति दूत स्व. राम सिंह धौनी ने हार नहीं मानी। उन्होंने राम सिंह धौनी पार्क के सौंदर्यीकरण के लिये विधायक निधि से राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा-लमगड़ा मोटर मार्ग का नामकरण धौनी के नाम पर रखने के लिए सरकार को प्रस्ताव देंगे। पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान ने कहा कि अंग्रेजी शासन काल में तहसीलदार की नौकरी ठुकरा कर धौनी ने पूरा जीवन देश को समर्पित किया। जयंती समारोह के अवसर पर मानस पब्लिक स्कूल व सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर बच्चों ने कुमाऊनी-गढ़वाली, जौनसारी आदि लोक गीतों में एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। वहां मौजूद लोगों ने बच्चों के कार्यक्रम को खूब सराहा। यहां ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष दयाकृष्ण कांडपाल, सचिव भूपेंद्र नेगी, कमलेश पांडे, हेमंत पांडे, पार्षद दीपक कुमार, अनुप भारती, जिला पंचायत सदस्य प्रेम लटवाल, राजेंद्र बिष्ट, कमल कुमार, एसडी तिवारी, हयात सिंह, गोपाल सिंह नयाल, डा. एसएस पथनी, पूनम जोशी, कमल बिष्ट, रूप सिंह, जसौद सिंह बिष्ट, हरिता नेगी, पंकज टम्टा, सुनिता बिष्ट, अरविंद बिष्ट समेत कई लोग मौजूद रहे।

कुलपति और मंत्री सुबोध उनियाल की भेंट

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर में तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल की विश्व. विद्यालय के कुल. पति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट हुई। विश्वविद्यालय की प्रगति, औद्यानिकी एवं इंजीनियरिंग तकनीकी क्षेत्रों की पहलों पर सार्थक चर्चा हुई। काबीना मंत्री ने विश्वविद्यालय में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए शासन स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से मंत्रीजी को विश्वविद्यालय आगमन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर हरीश ऐठानी ने उठाए सवाल

बागेश्वर। जिले में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी ने जिले ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को परेशान करना एवं झूलते विद्युत तारों की ओर ध्यान न देने का आरोप लगाया हैं। ऐठानी ने कहा कि वे पिछले कई दिनों से क्षेत्र भ्रमण पर थे। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा बार बार विद्युत विभाग को शिकायत दर्ज करवाने के बाद भी समस्या का समाधान न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि जितने बिजली के पोल कागजों में दर्शाए गए हैं, उतने ज़मीन पर दिखाई नहीं है। एक पोल से दूसरे पोल की दूरी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है। जगह-जगह लटकते तार, अव्यवस्थित लाइनें और सुरक्षा मानकों की अनदेखी आम जनता की जान से खिलवाड़ है। कहा कि कपकोट एवं बागेश्वर में विभाग द्वारा बिल जमा न होने की सूरत में छोटे और गरीब उपभोक्ताओं पर सख्ती, नोटिस और दबाव बनाने के साथ साथ घरों विद्युत आपूर्ति ठप की जा रही है। लेकिन बड़े उपभोक्ताओं के मामले में चुप्पी साधे हुए है। हरीश ऐठानी ने कहा कि विभाग का यह दोहरा दोहरा मापदंड कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विभाग पर तंज कसते हुए कहा कि विद्युत विभाग की यह कार्यशैली अब सेवा नहीं, बल्कि यातना जैसी प्रतीत होने लगी है। यदि समय रहते पारदर्शिता, जवाबदेही और सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कविता अध्यक्ष, हेमा बनी सचिव

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण समिति की बैठक संपन्न

शाह टाइम्स संवाद्दाता

शांतिपुरी। पंचायत भवन शांतिपुरी नंबर-2 में मंगलवार को ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक प्रधान कविता तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। बैठक में अजीम प्रेमजी फउंडेशन के कार्यक्रम अधिकारी विजय कठायत के नेतृत्व में प्रधान कविता तिवारी को अध्यक्ष तथा आशा कार्यकर्ता हेमा जोशी को सचिव चुना गया। बैठक के दौरान समिति की मासिक बैठकों को गांव के अलग-अलग क्षेत्रों में आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। जिससे अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। एएनएम अंजू मेहता व ममता गड़िया ने महिलाओं एवं किशोर-किशोरियों में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर की वजह, इसके लक्षण एवं बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में स्वच्छता, कुपोषण उन्मूलन, किशोर-किशोरियों को उचित मार्गदर्शन देने तथा संचारी एवं गैर-संचारी रोगों के प्रति समाज को जागरूक करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। यह भी निर्णय लिया गया कि समिति की मासिक बैठक प्रत्येक माह के प्रथम शुक्रवार को नियमित रूप से आयोजित की जाएगी। इस मौके पर समिति सचिव हेमा जोशी, एएनएम ममता गड़िया, आशा फैसिलिटेटर मुन्नी बिष्ट, आशा कार्यकर्ता दीपा कोरंगा प्रथम, दीपा कोरंगा द्वितीय, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गीता चंद, दीपा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पंतनगर में उत्तराखंड राज्य अंतर-विश्वविद्यालय खेल महोत्सव में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित उत्तराखंड राज्य अंतर-विश्वविद्यालय खेल महोत्सव 2025-26 के दूसरे दिन विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। शॉटपुट पुरुष वर्ग में योगेश संडल (उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में भावना (सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा) ने पहला स्थान हासिल किया। 5000 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में सौरभ रावत (कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल) ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि महिला वर्ग में सोनी (सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा) ने स्वर्ण पदक जीता। लंबी कूद पुरुष वर्ग में अविश सैनी (उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्व. विद्यालय, देहरादून) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, और महिला वर्ग में पूजा रावत (उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार) ने स्वर्ण जीता। विजेताओं को कुलसचिव डा. दीपा विनय, निदेशक बीएस चलाल और कुमाऊं विश्वविद्यालय के कोच नागेन्द्र शर्मा ने सम्मानित किया। आयोजन में डा. जीएस बोरा, डा. पूनम त्यागी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

क्वारब मार्ग की बदहाली पर कांग्रेस का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के क्वारब पुल के समीप 200 मीटर डेंजर जोन की बदहाल स्थिति को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा का पुतला दहन किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क सुरक्षित नहीं बन पाई है और शीघ्र स्थायी समाधान न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। नगर के मालरोड स्थित चौधानपाटा में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए। यहां उन्होंने क्वारब की बदहाली को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि क्वारब डेंजर जोन 200 मीटर सुधारीकरण को एनएच, एसडी और पीडब्लूडी के आंकड़ों के अनुसार इन दो वर्षों में 60 से 70 करोड़ रुपये खर्च कर दिया गया है। इसके बावजूद सड़क की हालत और भी खतरनाक हो गई है। कहा कि पूर्व में केंद्रीय राज्य मंत्री की ओर से वैकल्पिक मार्ग निर्माण की बात की गई थी, लेकिन वह मार्ग भी पूरा स्लाइडिंग जोन होने के कारण बिच में से फट चुकी है। यदि जल्द मार्ग का उचित समाधान नहीं निकाला गया तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन को बाध्य होगी। यहां महानगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, दीप सिंह डांगी, मोहम्मद दानिश खान, तारा तिवारी, दीपा साह, गोविंद सिंह मेहरा, सुशील साह, शरद ससह, वैभव पांडे, हेमंत तिवारी, प्रदीप कुमार, मुकेश कुमार, अशोक गोस्वामी, नारायण दत्त पांडे, शहाबुद्दीन, कमलेश तिवारी, परितोष जोशी, शहजाद कश्मीरी, अमरजीत सिंह भाकुनी, आनंद सिंह बिष्ट, पीडी भट्ट, देवेंद्र चौहान, रॉबिन भंडारी, प्रताप सिंह सत्याल, जसवंत कुमार, शाहिद समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रमज़ान मुबारक

सरवर अली

सभासद वार्ड नंबर-03

नगर पालिका कालाढूंगी जिला नैनीताल

+91 63988 36682

रमज़ान मुबारक

मोहम्मद हसनैन ख़तीबी

(पूर्व उपाध्यक्ष)

उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड उत्तराखंड सरकार

हल्द्वानी (नैनीताल)

मो. 9719824399

माह-ए-रमज़ान मुबारक

बासित खान

(सदर)

जामा मस्जिद कमेटी

काठगोदाम

जिला - नैनीताल

मो० 9412085347

मून सर्विस प्वाइंट

फ्रिज, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर

रिपेयर एंड स्पेयर पार्ट्स

(एयर कंडीशनर किराये पर उपलब्ध हैं)

Zubair Khan Najeeb Khan

Near-Axis Bank ATM, Church Compound

Nainital Raod Haldwani Mo: 9837036176, 9837314505

रमज़ान माह की दिली मुबारकबाद

इसरार हुसैन

प्रदेश उपाध्यक्ष

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, उत्तराखण्ड।

रमज़ान मुबारक

जनसेवा एकता कमेटी

अध्यक्ष अलीम खान

उपाध्यक्ष अनवर उर्फ मुन्नू

कार्यालय: बरेली रोड, उजाला नगर, हल्द्वानी

मो. 9837519829

रमज़ान माह की दिली मुबारकबाद

मोकिन सैफी

(विधानसभा अध्यक्ष)

यूथ कांग्रेस, हल्द्वानी-नैनीताल

पार्षद पुत्र वार्ड 33, नगर निगम हल्द्वानी

..तो अब सवाल सिर्फ रिहैबिलिटेशन का है!

बनभूलपुरा बनाम रेलवे मामला निर्णायक मोड़ पर, पीएम आवास आवेदन के लिए 19 मार्च से लगाया जाए कैंप: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रेलवे बनाम बनभूलपुरा मामले पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि हल्द्वानी में रेलवे के विस्तार की वजह से बेदखली का सामना कर रहे लोगों को उसी जगह पर पुनर्वास के लिए ज़ोर देने का कोई अधिकार नहीं है। इस बहुचर्चित मामले में सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की बेंच ने कहा कि जिन लोगों ने ज़मीन पर कब्ज़ा किया है, वे रेलवे को शर्तें नहीं बता सकते। सीजेआई सूर्य कांत ने कहा जब बेहतर सुविधाओं वाली कोई दूसरी जगह हो सकती है, तो उनसे वहीं रहने के लिए क्यों ज़ोर दिया जाए। किसी भी बड़े प्रोजेक्ट के लिए दोनों तरफ खाली जगह की ज़रूरत होती है। वहां रहने वाले लोग यह नहीं बता सकते कि रेलवे को लाइन कहां बिछानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जो लोग प्रभावित हुए हैं, वे पीएम आवास योजना के तहत पुनर्वास के लिए अप्लाई कर सकते हैं, क्योंकि उनमें से ज्यादातर आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कैटेगरी में आएंगे। हालांकि कोर्ट ने यह साफ कर दिया कि इस रुकावट को हमेशा के लिए जारी नहीं रहने दिया जा सकता। कोर्ट ने आगे कहा यह बहुत ज़रूरी है कि याचिकाकर्ता की रोज़ी-रोटी पर असर न पड़े और इसलिए पीएम आवास योजना के तहत अप्लाई किए जाएं। यहां उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2022 में उत्तराखंड हाई कोर्ट के आदेश के बाद, हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में रेलवे की ज़मीन से 4365 से ज्यादा परिवारों को बेदखली का सामना करना पड़ रहा है। इस आदेश में अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया

गया था। जिन लोगों को बेदखली का सामना करना पड़ रहा है, वे कई दशकों से इस ज़मीन पर रह रहे हैं, और हाई कोर्ट के उन्हें राहत देने से इनकार करने के बाद उन्होंने यह याचिका दायर की है। बचाव पक्ष की ओर से दिग्गज वकीलों ने यह दलील दी गई कि भाजपा शासित राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के सामने उनके मामले पर ठीक से बहस नहीं की, जिसके कारण कोर्ट ने रेलवे के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं को बेदखल करने से वे बेघर हो जाएंगे क्योंकि वे समाज के पिछड़े तबके से हैं। गौरतलब है कि जुलाई 2024 में जस्टिस सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और उज्जल भुयान की बेंच ने इंडियन रेलवे पर कानून के तहत तय प्रोसेस को फॉलो करने के बजाय लोगों को बेदखल करने के लिए एक पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन पिटीशन में पास किए गए ऑर्डर का फायदा उठाने पर एतराज़ जताया था। आज कोर्ट ने कहा कि इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि ज़मीन राज्य की है, जो इसका सबसे अच्छा इस्तेमाल तय कर सकता है। कोर्ट ने आगे कहा कि अब सवाल सिर्फ रिहैबिलिटेशन का है। जस्टिस बागची ने कहा हमारी पहली नज़र में राय है कि यह मदद ज्यादा है और अधिकार कम। इसके बाद कोर्ट ने नैनीताल के कलेक्टर और हल्द्वानी के राजस्व अधिकारियों को वहां रहने वालों को पीएम आवास योजना के तहत एप्लीकेशन फॉर्म की कॉपी देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आगे आदेश दिया एप्लीकेशन को आसान बनाने के लिए, हम स्टेट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी के मेंबर सेक्रेटरी को निर्देश देते हैं कि वे अपने साथ उस जगह पर एक रिहैबिलिटेशन कैंप लगाएं और यह पक्का करें कि परिवार के हर मुखिया को आवास योजना के तहत अप्लाई करने के लिए मनाया जाए। कोर्ट ने आदेश दिया कि यह काम 19 मार्च के बाद किया जाए। जिसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश भी की जाए। बेंच ने आगे कहा 31 मार्च से पहले कोई प्रैक्टिकल हल निकाला जाए और जब तक सभी परिवार अप्लाई न कर दें, तब तक कैंप लगाए जाएं। कुछ काउंसलर, सोशल एक्टिविस्ट और डोमेन एक्सपर्ट को लगाया जाए जो रहने वालों को पीएम आवास योजना के फायदे बता सकें। अगली सुनवाई सम्भवतया: 31 मार्च के बाद मुमकिन है।

बनभूलपुरा में 4365 मकान, 50 हजार की आबादी

हल्द्वानी। बनभूलपुरा बनाम रेलवे मामला आखिरकार निर्णायक घड़ी में पहुंच गया है तो ऐसे में इसके सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य पर भी बात की जा सकती है। बनभूलपुरा की 90 फीसदी से अधिक आबादी अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखती है और शहर की सियासत में सबसे बड़ा रोल अदा करती आई है। वर्ष 2007 में सबसे पहले रेलवे अतिक्रमण का मुद्दा उठा था और होते-होते हाई कोर्ट से 2022 के अंत में अंति निर्णय आया जिसमें 78 एकड़ से अधिक भूमि को रेलवे की माना गया और अतिक्रमण हटाने के आदेश पारित हुए। 4365 से अधिक मकान और करीब-करीब 50 हजार से अधिक आबादी अचानक से बेदखली की कगार पर पहुंच गयी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पर स्टे मिल गया। तब से मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा था। तारीख दर तारीख मामला आगे बढ़ते हुए आज 2026 में पहुंच गया और आज मंगलवार का दिन जब यह माना जा रहा था कि आज निर्णायक सुनवाई का दिन नहीं होगा तो सुप्रीम कोर्ट से एक बेहद निर्णायक फैसला सामने आ गया। जिसने शहर की फिज़ा को कई तरीके से प्रभावित किया है। सियासी गलियारों में इस फैसले के अलग-अलग अर्थ भविष्य की राजनीति के लिए निकाले जा सकते हैं। शहर का भावी सियासी माहौल भविष्य के गर्भ में छुपा है, जो आने वाले दिनों में सुप्रीम कोर्ट से ही तय होना है।

पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति और कानून व्यवस्था के लिए ड्रोन से हुई निगरानी, एसएसपी ने लिया जायजा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय अभी विचाराधीन है और मामला अग्रिम निर्णय के लिए लंबित है। इस बीच नैनीताल पुलिस क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह से मुस्तैद है। इस दौरान एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने सभी अधीनस्थ अधिका. रियों को शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत पुलिस द्वारा लगातार एरिया डोमिनेशन की कार्यवाही जारी रखी जा रही है। एसपी सिटी मनोज कत्याल के नेतृत्व में पूरो क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया और फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर चेकिंग की, और संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ प्रीवेंटिव डिटेंशन की कार्यवाही भी की गई। साथ ही, सीसीटीवी और स्पेशलाइज्ड ड्रोन से रेलवे स्टेशन, लाइन नंबर 17, इन्द्रानगर बड़ी रोड, मुजाहिद चौक, गोपाल मंदिर, ठोकर, शनि बाजार रोड, छोटी रोड इन्द्रानगर, ठोकर, ताज मस्जिद, 16 नंबर तिराहा, गांधी नगर,

लाइन नंबर 8, चोरगलिया रोड, ताज चौराहा, भारद्वाज चौराहा, रेलवे स्टेशन गेट आदि जगहों पर निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। इस दौरान एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने समस्त क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे न्यायालय के फैसले का सम्मान करें और शासन-प्रशासन के साथ सहयोग करें। उन्होंने नागरिकों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की और किसी भी प्रकार की अफवाहें फैलाने से बचने का अनुरोध किया। एसएसपी ने बताया कि पुलिस फील्ड के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी सतर्क दृष्टि बनाए हुए है, और किसी भी कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली पोस्ट करने से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कानून व्यवस्था में व्यवधान डालने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। फ्लैग मार्च में सिटी मजिस्ट्रेट एबी बाजपेय, सिटी मजिस्ट्रेट, सीओ अमित कुमार, बनभूलपुरा कोतवाल दिनेश सिंह फर्त्याल, चोरगलिया कोतवाल हरपाल सिंह, भीमताल प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार यादव सहित थाना पुलिस बल, पीएसी और अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

मामले पर लोगों की प्रतिक्रिया

हल्द्वानी। देश की शीर्ष अदालत ने बनभूलपुरा रेलवे भूमि प्रकरण में अंतरिम ऑर्डर करते हुए जिला प्रशासन, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को भी जरूरी दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसके बाद विभिन्न राजनैतिक दलों, याचिकाकर्ताओं ने इसकी सराहना की है। इस आदेश को प्रभावितों के लिए राहत भरा कदम बताया है। सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश समेत तीन सदस्यीय पीठ ने रेलवे भूमि अतिक्रमण में स्पष्ट किया है कि भूमि राज्य सरकार की है और सरकार इसका सबसे बेहतर उपयोग बता सकती है। वहीं, प्रभावितों को राहत देते हुए कहा कि नैनीताल जिलाधिकारी व हल्द्वानी के अधिकारी कैंप लगाकर प्रभावितों को प्रधानमंत्री आवास योजना, ईडब्ल्यूएस के आवेदन फॉर्म दें। साथ ही राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को 19 मार्च से कैंप लगाने के लिए कहा है। इसी के साथ ही 31 मार्च तक प्रैक्टिकल समाधान निकालने की हिदायत दी गई है। इस पर विभिन्न दलों व लोगों ने अपनी-अपनी राय दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय पक्ष को जो सर्वोपरि रखा है इसके लिए हम कोर्ट का बहुत बहुत आभार करते हैं। बनभूलपुरा बनाम रेलवे में चार हजार से अधिक परिवार व 50 हजार लोग प्रभावित हो रहे हैं। उन्हें राहत मिली है कि ईडब्ल्यूएस, पीएम आवास योजना आदि को सर्वे के तहत लोगों से जानकारी लेंगे और प्रभावितों को योजनाओं का लाभ मिलेगा। जो लोग भी क्वालीफाई करते हैं इन योजनाओं के लिए उनका लाभ मिलेगा। इसका सर्वे 19 मार्च से शुरू हो जाएगा। इससे केंद्र व राज्य सरकार का इन लोगों का कितना ख्याल है पता लग जाएगा।

सुमित हृदयेश विधायक एवं याचिकाकर्ता

उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में रेलवे के विकास के लिए विवादित (रेलवे व राज्य दोनों की) भूमि खाली करी जाएगी, लेकिन उससे पहले सरकार की सहायता व पुनर्वास की योजनाओं के अंतर्गत जिला अधिकारी की देखरेख में प्रभावित क्षेत्र में ही कैम्प लगा कर प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए बाकायदा आवेदन जमा कराए जाएंगे। और उन आवेदनों पर निर्णय लेकर सरकार को न्यायालय के सम्मुख पेश होना होगा। उसके बाद प्रभावितों की ओर से नियुक्त अधिवक्ताओं द्वारा सहमति या आपत्तियों के निस्तारण के बाद न्यायालय द्वारा अपना अंतिम आदेश दिया जाएगा।

शराफत खान, प्रमुख याचिकाकर्ता

यह भूमि राज्य सरकार की है। यह बात राज्य सरकार भी जानती है लेकिन सरकार इस मामले मे कोर्ट को गुमराह कर रही है। बनभूलपूरा की आवाम को राजनीति की भेंट चढ़ाया गया है, अब भी चढ़ाया जा रहा है। हजारों परिवार कहां जाएंगे। जो आजादी से पूर्व के यहां पर रहते है। मुझे देश की सबसे बड़ी अदालत पर पूरा यकीन है की वो जो भी फैसला आएगा, कमजोर के हक में ही होगा।

उवैस रजा, संयोजक बनभूलपुरा संघर्ष समिति

बनभूलपुरा रेलवे प्रकरण में सुप्रीम सुनवाई के बारे में जानकारी मिली। सुप्रीम कोर्ट ने राहत और पुनर्वास की भी बात कही है। यह काफी अच्छी बात है।

नफीस अहमद खान, जिलाध्यक्ष भीम आर्मी

राजकीय मेडिकल कालेज को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

प्राचार्य के पास पहुंचा मेल, पुलिस पहुंची और चप्पा-चप्पा खंगाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड के संवेदनशील संस्थानों को धमकी देने का सिल. सिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले न्यायालय फिर हाईकोर्ट और अब मंगलवार की सुबह सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। यह धमकी भरा ई-मेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. जीएस तितियाल की आधिका. रिक मेल आईडी पर भेजा गया था। जिसमें अस्पताल परिसर में विस्फोटक होने का दावा किया गया है। प्राचार्य की ई-मेल के जरिए साइनाइड पॉयजन वाले बम धमाके की धमकी मिलने से मंगलवार को पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। एहतियातन मेडिकल कालेज के सभी कर्मचारी व छात्र-छात्राएं भवनों से बाहर आ गए और कक्षाएं तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दी गई। धमकी भरे मेल की सूचना मिलते ही पुलिस बल, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे अस्पताल और कॉलेज परिसर की सघन तलाशी ली,

हालांकि देर शाम तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई थी। बता दें कि मंगलवार की सुबह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. जीएस तितियाल की ई-मेल में धमकी भरे ई-मेल में लिखा है कि आपके कालेज में साइनाइड पॉयजन वाले बम रखे गए है जो दोपहर 12.15 बजे ब्लास्ट हो जाएगा।

सुबह यह मेल मिलने के बाद प्रशास. निक अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वायड की टीम सबसे पहले सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंची। यहां अस्पताल परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। पार्किंग स्थल, ऑक्सीजन प्लांट के पास, कैंटीन और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने मेडिकल कालेज के वार्ड, हॉस्टल और अन्य भवनों को भी बारीकी से खंगाला गया लेकिन देर शाम तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई थी। गौरतलब है कि इससे पहले उच्च न्यायालय नैनीताल और प्रदेश की 12 जिला अदालतों को भी इसी तरह के धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। लगातार मिल रही धमकियों के चलते पूरे प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। धमकियों के मद्देनजर प्रदेश में सभी न्यायालय परिसरों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर व्यापक सुरक्षा ऑडिट कर कमियों के त्वरित निराकरण के आदेश दिए गए हैं। बिना पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं मिलेगा। विशेषकर उच्च न्यायालय में प्रवेश केवल वैध आईडी या हाईकोर्ट बार की संस्तुति पर ही संभव होगा। साइबर सेल यह जांच कर रही है कि इन धमकियों के पीछे किसी एक गिरोह का हाथ है या यह किसी की सुनियोजित शरारत है। सीओ अमित कुमार ने बताया कि धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच की जा रही है। मेल किस आईडी से भेजा गया है और उसका स्रोत कहां है, इसका पता लगाने के लिए साइबर सेल को लगाया गया है। मामले की जानकारी एसटीएफ को भी दे दी गई है। पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध वस्तु की सूचना तत्काल पुलिस को दें। परिसर में सुरक्षा व्यवस्था फिलहाल कड़ी कर दी गई है।

पत्नी से विवाद के बाद खनन कारोबारी ने खुद को गोली मारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चोरगलिया कोतवाली क्षेत्र के गजेपुर गांव में बीते सोमवार देर रात एक खनन कारोबारी ने अपनी

लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद को घटना का कारण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार खनन कारोबारी कमलेश बेलवाल का देर रात पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर उन्होंने घर के अंदर ही कनपटी पर गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें गंभीर हालत में तत्काल हल्द्वानी के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सूचना पर चोरग. लिया पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने लाइसेंसी पिस्टल को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए है। शव को पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

विश्व का सबसे बड़ा प्रशिक्षण अभियान चलाएगी भाजपा: महेन्द्र भट्ट

पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान की कार्यशाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत रामपुर रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में मंगलवार को संभागीय वक्ता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुमाऊं संभाग के आठ संगठनात्मक जिलों से लगभग 200 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का उद्घाटन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट ने दीप प्रज्वलन एवं सामूहिक वंदे मातरम् के साथ किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और अब विश्व का सबसे बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करने जा रही है। यह प्रशिक्षण अभियान सात चरणों में संचालित होगा, जिसमें विभिन्न पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति, अनुशासन और कार्य संस्कृति के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि निरंतर नए कार्यकर्ताओं के जुड़ने से संगठन को मजबूत करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण अभियानों की आवश्यकता होती है। वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह अभियान उत्तराखंड भाजपा के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। प्रदेश महामंत्री (संगठन)

अजेय कुमार ने बताया कि 7 मार्च से 14 अप्रैल तक प्रदेश के 19 संगठनात्मक जिलों के 304 मंडलों में मंडल प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसके तहत जिला वक्ताओं को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में वैचारिक अधिष्ठान, भाजपा का इतिहास, संगठन विस्तार, कार्य पद्धति, सरकार की उपलब्धियां, सोशल मीडिया, एआई, नमो व सरल ऐप, बूथ प्रबंधन तथा मन की बात जैसे विषय शामिल हैं। प्रशिक्षण अभियान के प्रदेश संयोजक कुंदन परिहार ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला का संचालन प्रदेश सह-संयोजक प्रदीप बिष्ट एवं प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल ने किया। समापन राष्ट्रगान के साथ प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत ने किया। कार्यशाला में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व विधायक बंशीधर भगत, विधायक बिशन सिंह चुफाल, विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट, विधायक शिव अरोड़ा, विधायक फकीर राम टम्टा, विधायक सुरेश गडिया, विधायक मोहन सिंह मेहरा, विधायक पार्वती दास, विधायक महेश जीना, जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, मेयर गजराज सिंह बिष्ट, मेयर विकास शर्मा, जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट, साकेत अग्रवाल, दर्जा राज्य मंत्री सुरेश भट्ट, शांति मेहरा, कौस्तुभानंद जोशी, विकास भगत, प्रदीप जनौटी, रंजन बर्गली, विनीत अग्रवाल सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निर्माण एजेंसी अपने कार्य में तेजी लाए: नवीन वर्मा

हल्द्वानी। वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष नवीन वर्मा ने यूयूएसडीए को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि उनके अधीन जो 270 किमी सड़कों में सीवर लाइन, पेयजल लाइन डालकर सड़क निर्माण की बहुत अहम जिम्मेदारी है, ऐसे तमाम जगहों पर कार्यदाई संस्था को रात दिन काम करने की आवश्यकता है। इन स्थानों के वरिष्ठ नागरिकों ने शिकायत दर्ज कराई है कि उन्हें आवागमन में बहुत असुविधा हो रही है। सरकार क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए कार्य कर रही है, लेकिन यदि कार्यदायी संस्था की लापरवाही से कोई हादसा होता है तो इसके लिए निर्माण एजेंसी जि मेदार मानी जाएगी। वर्मा ने बताया कि इस संदर्भ में उन्होंने कई बार यूयूएसडीए के महाप्रबंधक को सचेत भी किया। उन्होंने कहा कि अभी नमों भवन का निर्माण भी इन्हीं के माध्यम से होना है। कार्यदाई संस्था की प्रगति पर संशय व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी को अपने कार्य में तेजी लाने जरूरी है। मु य राजमार्ग के सरस मार्केट के सामने निर्माणाधीन लगभग 20 मीटर नाली एक महिने से ऐसे ही छोड़ दी गई है, जिसमें कभी कोई हादसा भी हो सकता है।

एक सटोरिया गिरफ्तार -हल्द्वानी। बीती रात्रि गश्त के दौरान बनभूलपुरा पुलिस ने सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए एक सटोरिये को गिरफ्तार किया। जिसके पास से सट्टे की पर्चियां व 1960 रूपये की नगदी बरामद की है। जानकारी के अनुसार बीते सोमवार की रात्रि बनभूलपुरा पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी तभी गफूरबस्ती क्षेत्र स्थित पिंकी नामक युवक की दुकान में एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया जो टीम को देख भागने लगा। शक होने पर टीम ने घेराबंदी करते हुए युवक को दबोच लिया। उसकी तलाशी के दौरान उसके पास से सट्टे की पर्चियां, पैन, गत्ता व 1960 रूपये की नगदी बरामद हुई। पकड़े गए सटोरिये ने अपना नाम शावेज पुत्र फिदा हुसैन निवासी नईबस्ती बनभूलपुरा बताया। पुलिस ने आरा. पी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

नैनीताल इलेवन ने जीता फाइनल मुकाबला

शाह टाइम्स संवाददाता

बेरीपड़ाव। बेरीपड़ाव के खुर्फिया फार्म खेल मैदान में खेले गए पिच स्मैशर क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-10 के फाइनल मुकाबला नैनीताल इलेवन और खड़कपुर इलेवन के मध्य हुआ। जिसमें नैनीताल इलेवन फाइनल का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में नैनीताल इलेवन ने टॉस जीतकर खड़कपुर को पहले बल्लेबाज़ी करने का आमंत्रण दिया। पहले बल्लेबाजी

करते हुए खड़कपुर इलेवन की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों के केवल 72 बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नैनीताल इलेवन की टीम ने आसानी मैच जीतकर फाइनल ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कमलेश चंदोला, प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा भाजपा दीपेंद्र कोश्यारी व भवाली व्यापार मंडल के अध्यक्ष नरेश पांडेय ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। इस दौरान मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कमलेश चंदोला ने कहा कि इस तरह के आयोजन से युवा नशा संस्कृति से दूर रहता है, और उसका शारीरिक व मानसिक विकास होता है, व उनकी विशिष्ट पहचान बनती है। मैच में अंपायर की भूमिका मनीष राणा व विक्की राणा ने निभाई जबकि संचालन रिम्पी बिष्ट, मानस तिवारी व पंकज गोस्वामी द्वारा किया। इस मौके पर आयोजन कमेटी के अध्यक्ष जुगल राणा, उपाध्यक्ष मानस तिवारी, सचिव कार्तिक गोस्वामी, पवन बोरा, करन राणा, राजेन्द्र सिंह राणा, चंदन सिंह राणा, मदन रौतेला, मनोज सिंह, विक्की पाठक, दिनेश राणा, कमल खोलिया, प्रदीप राणा, दीपक रौतेला, अमन बिष्ट, पंकज जोशी, तरुण भट्ट, हर्षित बिष्ट, प्रशांत राणा, अर्जुन आदि मौजूद रहे।

शराब तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सोमवार बीती रात्रि राजपुरा पुलिस ने एक शराब तस्कर को गौला गेट आई ब्लॉक के पास से 70 पाउच देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बीते सोमवार की रात क्षेत्र में शांति व्यवस्था को लेकर राजपुरा पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी तभी पुलिस को एक युवक संदिग्ध अवस्था में गोला गेट के अंदर आई ब्लॉक के पास एक प्लास्टिक का कट्टा लेकर जाता दिखाई दिया। जब पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए उसे दबोच लिया। उसके पास रखे प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी ली तो उसमें से 35 पाउच देशी माल्टा व 35 पाउच देशी अंगूर मसालेदार शराब बरामद हुई। पकड़े गए शराब तस्कर ने अपना नाम बन्टी निवासी राजपुरा पड़ाव बताया। पुलिस ने शराब तस्कर के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

हरीश पनेरू ने विधायक कैड़ा पर बोला हमला

आरोप: भीमताल विधायक ने दी विशेषज्ञ चिकित्सक को धमकी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पूर्व दर्जा राज्यमंत्री एवं प्रमुख उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारी हरीश पनेरु ने बीजेपी सहित भीमताल विधानसभा के विधायक रामसिंह कैड़ा पर एक अस्थि रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डा. जगदीप सिंह पटपटिया को गलत कार्य करवाने न करने पर देख लेने की धमकी भरे पत्र का उल्लेख करते हुए हल्द्वानी में प्रेस वार्ता करते हुए बड़ा बयान दिया।

हरीश पनेरु ने कहा कि बीजेपी राज में लोगों का उत्पीड़न, शोषण, भ्रष्टाचार सीमा से भी ऊपर चले गया है। भाजपा पार्टी के भीमताल विधानसभा के विधायक रामसिंह कैड़ा ने विशेषज्ञ डाक्टर पर 23 फरवरी को हुए खनस्यूं चिकित्सा शिविर के दौरान अभद्रता की है गलत काम करने को बोला है न करने पर विशेषज्ञ विद्वान डाक्टर को देख लेने की धमकी दी है इसी के साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी नैनीताल को फोन करके भी धमकी दी है जो इस भीमताल विधानसभा के साथ ही राज्य में अराजकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी के विधायक ही देहरादून में राज्य के शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौडियाल की कार्यालय में जाकर को पिटाई कर दे रहे हैं, सरकारी सम्पत्ति का नुकसान कर रहे हैं, मसूरी विधायक और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी देहरादून डीएम को धमकी देते हैं, वन मन्त्री सुबोध उनियाल उच्च न्यायालय तक को अपशब्द कहते हैं कुंवर प्रणव चैम्पियन बन्दूक लहराकर भय का माहौल बनाते हैं, जिला पंचायत अध्यक्ष नैनीताल चुनाव के दौरान खुल्लेआम गुण्डागर्दी करके सदस्यों का अपहरण कर दिया जाता है ये सब भाजपा के विधायक नेता भाजपा राज में करते हैं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मूकदर्शक बने हुए हैं जबकि राज्य के मुख्यमंत्री के साथ ही गृह मंत्रालय भी मुख्यमंत्री के पास है फिर भी पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पनेरु ने बताया कि आज पूरे राज्य में अधिकारी, शिक्षकों, कर्मचारियों में भय का माहौल है और पूरा प्रदेश अराजकता के माहौल में जा चुका है। उन्होंने कहा कि भीमताल विधानसभा में रामसिंह कैड़ा की गुण्डागर्दी नहीं चलने दी जायेगी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

शिक्षा निदेशक से मारपीट के विरोध में कार्य बहिष्कार जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। शिक्षा निदेशालय प्रारम्भिक शिक्षा देहरादून में निद.शक से मारपीट एवं अभद्रता प्रकरण में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करने को लेकर चल रहे प्रदेशव्यापी कार्य बहिष्कार आन्दोलन उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् में दूसरे दिन भी जारी रहा। यह धरना प्रदर्शन विभिन्न संगठनों के प्रान्तीय स्तर पर गठित अधिकारी-शिक्षक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में किया जा रहा है।

उत्तराखंड विद्यालय शिक्षा परिषद रामनगर के परिसर में धरना स्थल पर वक्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के साथ अपना आक्रोश व्यक्त किया। आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थानों में अधिकारियों-शिक्षकों कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भय के माहौल को दूर करने के लिए तत्काल इस विषय पर एसओपी जारी करने की मांग की गई।

इस दौरान उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी, खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर हवलदार प्रसाद, सुनील भण्डारी, नवेन्दु मठपाल, डा. नन्दन सिंह बिष्ट, दरपान सिंह रौतेला, सुशील रावत, सोनम शर्मा, नवीन चन्द्र घिल्डियाल, विजय मासीवाल आदि मौजूद रहे।

भगवान राम-सीता पर अभद्र टिप्पणी पर बिफरे

विधायक ने हिन्दू संगठनों के साथ ट्रांजिट कैम्प कोतवाली में शिकायत दर्ज कराकर की कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। विगत दिनों सोशल मीडिया पर आकाश बाबू नाम के व्यक्ति द्वारा भगवान राम व माता सीता के प्रति उपयोग की अभद्र गंदी भाषा के प्रति हिन्दू समाज में गहरा आक्रोश नजर आया। विधायक शिव अरोरा हिन्दू सगठन व भाजपा कार्यकताओं संग ट्रांजिट कैम्प कोतवाली पहुंचे, जहां उन्होंने कोतवाल मोहन पाण्डेय से मुलाकात कर सख्त कार्रवाई करने की बात कही।

विधायक बोले देवभूमि उत्तराखंड जहां धर्म रक्षित पुष्कर सिंह धामी प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और रुद्रपुर का विधायक शिव अरा.रा हैं ऐसे में हमारे यहां बाहर से आकर सिडकुल कम्पनी में काम करना और हमारे हीं आराध्य प्रभु श्रीराम के प्रति ऐसी घटिया भद्दी भाषा का प्रयोग करना करोड़ हिन्दू सनातनियों को ललकार है। विधायक ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए ओर इस विषय पर महौल खराब ना हो उसको लेकर कोतवाल को स्पष्ट निर्देशित किया उस व्यक्ति के खिलाफ ऐसी कठोर कार्रवाई हो जो उसके सात पुश्ते याद रखें और हमारे आराध्य करोड़ों भारतीयों के दिल में विराजमान प्रभु श्री राम के प्रति इस प्रकार की अमर्यादित भाषा प्रयोग करने से पहले कोई दूसरा भी हजार बार सोचे।

विधायक शिव अरोरा ने जिस कम्पनी में वह कार्यरत था उसके उच्च अधिकारियों से भी वार्ता कर यह सुनिश्चित करने को कहा उस कंपनी में वह दोबारा घुस ना जाए, साथ हीं विधायक ने स्पष्ट संदेश दिया पुलिस यह सुनिश्चित कर ले रुद्रपुर में वह नजर नहीं आना चाहिए और जो भी उसको काम या रहने को जगह देगा वह भी उतना बड़ा दोषी होगा।

इस दौरान गो रक्षा दल जिला महामंत्री राधे सनातनी ने कहा हिन्दू आस्था के साथ खिलवाड़ करने का हक किसी को नहीं है। हमारे भगवान को कोई ऐसी अमर्यादित भाषा का प्रयोग करेगा यह कभी बर्दाश्त नहीं होगा।

इस दौरान बंगाली महासभा प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार शाह, पार्षद एमपी मौर्य, शिवकुमार गंगवार, राजेंद्र राठौड़, राजा भरद्वाज, शंकर विश्वास, पवन राना, विजय डे, आदेश भारद्वाज, मनोज मदान, मयंक कक्कड़, मानव कक्कड़, रो. बिन, गिरीश राठौर, चन्द्रसेन चंदा, बीनू कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

एक नजर

युवक ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर दी जान

शाह टाइम्स संवाददाता

दिनेशपुर। अज्ञात कारणों के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

निकटवर्ती ग्राम शिवपुर निवासी 23 वर्षीय विश्वजीत मंडल पुत्र स्वर्गीय दुलाल मंडल ने गत रात अपने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि घटना के समय उसका भाई और परिवार किसी कार्य से दिनेशपुर गया हुआ था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर आवश्यक कार्यवाही की। परिजनों ने बताया कि विश्वजीत मेहनत-मजदूरी कर परिवार का सहयोग करता था। उसका एक बड़ा भाई और एक बहन है, जिनकी शादी हो चुकी है। युवक अविवाहित था। युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दिनेशपुर थानाध्यक्ष रवींद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

विजिलेंस टीम ने 15 हजार की रिश्वत लेते एएसआई को रंगे हाथ दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। इसी क्रम में बिजली चोरी के मुकदमे को निपटाने के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप में पुलिस विभाग के एक एएसआई को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार दिनेशपुर निवासी शिकायतकर्ता ने सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर हल्द्वानी में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके नाम पर थाना गदरपुर में दर्ज बिजली चोरी के मुकदमे की विवेचना कर रहे एएसआई अनवर अहमद द्वारा केस को खत्म करने के एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत की पुष्टि होने के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और तय योजना के तहत 24 फरवरी को आरोपी एएसआई को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। विजिलेंस सेक्टर हल्द्वानी की टीम ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी वर्तमान में थाना दिनेशपुर, जनपद उधम सिंह नगर में तैनात था और लंबे समय से विवेचना के नाम पर शिकायतकर्ता पर दबाव बना रहा था। इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

प्रताप सिंह संधू का इस्तीफा स्वीकार नहीं संगठन में सब एकजुट: कर्म सिंह पड्डा

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा ने प्रेस वार्ता कर संगठन से जुड़े घटनाक्रम पर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि किसान नेता प्रताप सिंह संधू द्वारा दिया गया इस्तीफा उनके पास पहुंचा है, लेकिन वह उसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि संगठन में किसी प्रकार का मतभेद नहीं है और सभी पदाधिकारी किसानों के हित में मिलकर कार्य कर रहे हैं। कर्म सिंह पड्डा ने कहा कि किसान नेता विजेंद्र सिंह डोगरा एक संघर्षशील किसान हैं, जो समय-समय पर किसानों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर शासन-प्रशासन तक पहुंचाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि डोगरा ने हमेशा किसानों के हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ी है और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रयासरत रहते हैं।

वहीं किसान नेता विजेंद्र सिंह डोगरा ने भी प्रेस वार्ता के दौरान प्रताप सिंह संधू की सराहना की। उन्होंने कहा कि धान तोल के दौरान किसानों को आ रही विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रताप सिंह संधू ने किसानों की आवाज बनकर काम किया और संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल की। प्रेस वार्ता के दौरान नेताओं ने कहा कि संगठन किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी किसानों की हर समस्या को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

होली से पूर्व कर्मचारियों को पालिकाध्यक्ष जोशी ने उपहार बांटे

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी ने रंगों के त्योहार होली से पूर्व नगर पालिका परिवार को प्रेम, सद्भाव और सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किया। जिसका नगर पालिका के कर्मचारियों ने तहे दिल से स्वागत कर आभार जताया। कहा नगर पालिका के इतिहास में यह पहला मौका है। जिसमें उपहार देकर सम्मान बढ़ाया जा रहा है।

नगर पालिका के सभागार में आयोजित एक सादे समारोह में नगर पालि. का अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी एवं अधिशासी अधिकारी प्रियंका आर्य ने उपहार बैठकर सभी कर्मचारियों को उत्साहित किया। पालिका अध्यक्ष जोशी ने कहा कि नगर पालिका प्रशासनिक संस्था नहीं बल्कि एक बड़ा परिवार है। इसमें सभी की बराबर की भागीदारी रहती है। यह एक विकास, सेवा भाव से संबंध है। इस अवसर पर रामपाल, खुशबुदीन, विजय गौरव, सूरज, दीपक जोशी, रविंद्र, सुरेंद्र मौर्य आदि मौजूद थे।

भागवत कथा का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भाजपा नेता इंदर सिंह रावत और पूर्व ब्लॉक प्रमुख रेखा रावत को रामनगर क्षेत्र में आयोजित पावन भागवत कथा में यजमान बनने का सौभाग्य मिला। उन्होंने बताया कि यह उनके लिए बहुत ही भावपूर्ण और आध्यात्मिक अनुभव रहा।

उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण केवल एक कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला दिव्य ग्रंथ है। वेदशास्त्रों में वर्णित है कि यह कथा मनुष्य को सुख और दुःख दोनों परिस्थितियों में संतुलित रहने, धर्म के मार्ग पर चलने और ईश्वर भक्ति में स्थिर रहने का संदेश देती है।भागवत श्रवण से मन, बुद्धि और आत्मा शुद्ध होती है और सभी पापों का क्षय होता है। मान्यता है कि जिस स्थान पर भागवत कथा होती है, वहाँ देवताओं का भी सूक्ष्म रूप से आगमन होता है और वातावरण पूर्णत: भक्तिमय हो जाता है।

ऐसी पावन कथा में यजमान बनना वास्तव में प्रभु कृपा का प्रतीक है। प्रभु से प्रार्थना है कि सभी पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें और हमें सदैव धर्म, सत्य और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

देवस्थली विद्यापीठ में स्पोर्ट्स कार्निवाल का आयोजन

स्पोर्ट्स कार्निवाल में टग ऑफ वार, कबड्डी, क्रिकेट, खो- खो, वॉलीबाल, दौड़, शतरंज, कैरम, बैडमिंटन आदि प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। देवस्थली विद्यापीठ में वार्षिक स्पोर्टस कार्निवाल 2026 का शुभारम्भ उत्साह, उमंग एवं खेल भवाना के साथ हुआ। चार दिवसीय स्पोर्टस कार्निवाल के प्रारम्भ के साथ ही पूरे परिसर में उर्जा एवं प्रतिस्पर्धा का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम में रुद्रपुर के पुलिस अधीक्षक (सिटी) उत्तम सिंह नेगी मुख्य अतिथि के रूप में उपिस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के साथ संस्थान के प्रबन्ध निदेशक मनोन्द्र सिंह कोश्यारी एवं परिसर निदेशक डा. सीएस मेहता एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में विधिवत दीप प्रज्जवलित कर किया गया। दीप प्रज्जवलन के पश्चात् छात्रों के ग्रीन, रेड, येलो एवं ब्लू हाउस के द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया जिसकी सलामी मुख्य अतिथि द्वारा ली गई और मशाल प्रज्वलित की। इस अवसर पर विभिन्न हाउस के गुब्बारों का गुच्छ भी उड़ाया गया। श्री नेगी ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेलों से न सिर्फ शारीरिक विकास होता है, बल्कि हम मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहते है, और खेल-कूद से हमारे अन्दर एकता, अनुशासन एवं टीम भावना मजबूत होती है, यह एक सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इस अवसर पर परिसर निदेशक ने अवगत कराया कि संस्थान के सभी छात्रों को चार हाउस ग्रीन, रेड, यलो एवं ब्लू हाउस में बांटा गया है। विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं को अलग-अलग हाउस में बांटने पर अलग-अलग डिपार्टमेंट के छात्र-छात्राएं एक दूसरे को बेहतर ढंग से जान सकेगे, और उनमें परस्पर समन्वय बढ़ेगा।

इस चार दिवसीय स्पोर्टस कार्निवाल में टग ऑफ वार, कबड्डी, क्रिकेट, खो-खो, बालीवाल, दौड़, शतरंज, कैरम, बैडमिंटन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिन छात्रों की टग ऑफ वार (रस्साकस्सी) के फाइनल में रेड और ग्रीन हाउस के मध्य मुकाबला हुआ इस रोमांचक मुकाबले में ग्रीन हाउस विजयी रहा एवं छात्राओं की टग ऑफ वार के फाइनल में ब्लू हाउस एवं यलो हाउस के मध्य मुकाबला हुआ इस रोमांचक मुकाबले में ब्लू हाउस विजयी रहा। कबड्डी का आयोजन रेड एवं ग्रीन हाउस के मध्य तथा ब्लू एवं यलो हाउस के मध्य खेला गया। बालीवाल का आयोजन रेड एवं ग्रीन हाउस के मध्य तथा ब्लू एवं यलो हाउस के मध्य खेला गया।

इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक आरसी चौधरी, कॉलेज ऑफ फार्मेसी के निदेशक डा हिमांशु जोशी, कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डा सपना दास, बीएड विभाग के प्राचार्य डा अशोक कुमार वशिष्ठ, बीबीए विभाग की प्रमुख डा वन्दना टम्टा, एचआर प्रमुख सारिका श्रीवास्तव, खेल अधिकारी बीसी कुलेठा, अंकुर, निलेश विल्सन, नवीन मेहता, समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

बैठकी होली की धूम

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। क्षेत्र के ग्राम चकरपुर में राधा काण्डपाल के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने ढोलक और मंजीरे की मधुर संगत पर राधा-कृष्ण के प्रेम और भक्ति से सराबोर होली गीत प्रस्तुत किए। "कहां से राधा गोरी, हरि धरै मुकुट खेले होरी", "गिरिजा सुत गणपति", "होली खेलत है कैलाशपति", "गोरस लगी है जमाय", "झानक. रो-झानकारो" और "राम भये अवतार" जैसे पारंपरिक कुमाऊँनी होली गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय और आनंदमय हो उठा। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक वेशभूषा में लोकसंस्कृति की छटा बिखेरी। यहां राधा काण्डपाल, सुधि, शैली सरना, पूनम जोशी, कमला जोशी, किरन जोशी, भगवती चौहान, दीपा शर्मा, गीता बर्गली, भगवती जोशी, ज्योति, जानकी जोशी, माया बिष्ट, जया जोशी आदि मौजूद थीं।

स्मैक के साथ महिला व युवक को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता। चेकिंग के दौरान कोतवाली ने एक महिला सहित दो लोगों को लाखों रुपये कीमत के मादक पदार्थ के साथ तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों का पुलिस में चालान न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

मंगलवार को कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देशन में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में चेकिंग के दौरान पुलिस की टीम ने सोमवार की देर शाम को सिद्धा नवादिया हाईवे के पास से एक मोटरसाइकिल UK06BK0348 पर सवार एक युवक व एक महिला को गिरफ्तार किया। शक होने पर तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 14 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना नाम सोनू सिंह उम्र 20 वर्ष पुत्र बलविन्द्र सिंह व सुनीता कौर पत्नी सुखविंदर सिंह निवासीगण ग्राम पुरनगढ़ ,नौगजा नानकमत्ता बताया है।

पकड़ी गई 14 ग्राम स्मैक की कीमत डेढ़ लाख रुपये आकी गई

तस्करी में प्रयुक्त की जा रही एक मोटरसाइकिल की सीज

पूछताछ में दोनों ने अन्य स्मैक के तस्करों के नाम बताए हैं। पुलिस ने दोनों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी कब्जे में लेते हुए सीज कर दिया है। तथा आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/21/60 के तहत अभियोग पंजीकृत कर दोनों का चालान कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस के अनुसार पकड़ी गई स्मैक की कीमत डेढ़ लाख रुपये अकी जा रही है।

पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रतापपुर चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक राजेंद्र पंत ,अपर उप निरी हरीश चंद्र, सिपाही नवीन जोशी , नीरज नेगी, महिला सिपाही कमला गोस्वामी शामिल है।

नशे के विरुद्ध कोतवाली पुलिस का नगर की अनाज मण्डी के पीछे छापे से मचा हड़कंप

नानकमत्ता । नगर के गली मोहल्लो में सोमवार की दोपहर को नशे के विरुद्ध छापामार कारवाई की। इस दौरान दो नशेड़ियों ने पुलिस को खूब छकाया।

बता दें कि नगर के वार्ड नम्बर 7 अनाज मण्डी के पीछे कोतवाली पुलिस ने अचानक छापामार कारवाई की तो इसी दौरान दो नशेड़ी युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गये, जिन्हें पुलिस ने जब पकड़ने का प्रयास किया तो दोनों पुलिस की पकड़ से छूट भागने का प्रयास करने लगे। दोनों युवकों को पकड़ने को पुलिस को वार्ड में खूब दौड़ लगानी पडी।,बाद में पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया , प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार पुलिस दोनों को अपने साथ पड़कर साथ ले गई।

डीएम ने किया निर्माणाधीन एम्स का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने निर्माणाधीन एम्स किच्छा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यो की धीमी गति पर गहरी नारा. जगी व्यक्त करते हुए श्रमिकों की संख्या व उपकरण बढ़ाते हुए कार्यो में गति लाकर आगामी माह मई तक चिकित्सालय कार्य पूर्ण करने के निर्देश महाप्रबंधक नागार्जुन कन्सट्रेशन कम्पनी (एनसीसी) शंकर बालू को दिए।

उन्होंने कहा प्राथमिकता से चिकित्सालय के प्रशासनिक भवन व ओपीडी भवनों को कार्ययोजना बनाते हुए प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिये ताकि शीघ्रता से ओपीडी प्रारम्भ की जा सकें साथ ही उन्होंने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अभियंता को मेडिकल उपकरणों व फर्नीचर खरीद हेतु फर्मो को आर्डर करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय निर्माण कार्यो के साथ ही इलैक्ट्रीकल व मैकेनिकल कार्यो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी को प्रत्येक पाक्षिक कार्य प्रगति की मॉनिटरिंग करते हुए कार्य प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश मौके पर दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन मेडिकल व नर्सिग स्टाफ आवासों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यो की गुणवत्ता व सयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा. केके अग्रवाल, उप जिलाधिकारी गौरव पाण्डेय, अधिशासी अभियंता सिंचाई बीएस डांगी, एजीएम एनसीसी अजौय, प्रबंधक हरिशंकर, अरूण सिंह, सहायक अभियंता सीपीडब्लूडी राकेश पटेल, तहसीलदार गिरीश त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

एडीएम उपाध्याय ने तहसील का किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं को दुरस्त और बेहतर करने के दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उधम सिंह नगर जिले के एडीएम पंकज उपाध्याय ने खटीमा पहुंचकर तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, न्यायालय कक्ष, रजिस्ट्रार कानूनगो कक्ष, ई-डिस्ट्रिक कक्ष, आरके कार्यालय, रिकॉर्ड रूम, पूर्ति अधिकारी कार्यालय सहित तहसील के सार्वजनिक शौचालयों व पेयजल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मीडिया से रुबरु होते हुए एडीएम उपाध्याय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उन्हें तहसील के विभिन्न कक्षों में जो भी कमियां मिली उन्हें बेहतर करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही तहसील रिकॉर्ड रूम में खराब पड़े डिजिटल मशीन को अतिशीघ्र सही कराने हेतु निर्देशित किया ताकि अभिलेखों की सुरक्षा एवं कक्ष आवागमन व्यवस्था पारदर्शी रह सके। एडीएम उपाध्याय ने तहसील भवन के विभिन्न कार्यालयों के दस्तावेजों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम उपाध्याय के साथ उपजिलाधिकारी तुषार सैनी, रजिस्ट्रार कानूनगो जगमोहन त्रिपाठी, प्रशासनिक अधिकारी गीता गौतम, पूर्ति अधिकारी हयात सिंह बुंगला, एसडीएम पेशकार संतराम, एसडीएम स्टेनो मनीष पंत, नायब नाजिर साक्षी चंद, शेखर चंद्र आदि मौजूद थे।

लेबर इंस्पेक्टर ने दुकानों पर मारे छापे

बिना सूचना के कार्रवाई से व्यापार मंडल अध्यक्ष नाराज

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर । लेबर इंस्पेक्टर ने दुकानों पर छापा मारा अभियान चलाया। व्यापारियों द्वारा छापा मार अभियान का जबर्दस्त विरोध किया गया। जिसके दौरान हंगामा हो गया । हंगामा होने पर छापा मार दल को वापस जाना पड़ा ।

प्राप्त जानकारी अनुसार जसपुर में 24 फरवरी 2026 को लेबर इंस्पेक्टर ने दुकानों पर कम उम्र के नाबालिग बच्चों से काम कराए जाने के मामले को लेकर अपनी टीम के साथ दुक.नों पर छापेमारी की गई, जिससे पूरे बाजार में व्यापारियों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके व्यापारियों की भीड़ जमा हो गई। इस पर व्यापारी छापा मार अभियान के खिलाफ लामबंद हो गए । लामबंद हुए व्यापारियों ने व्यापार मंडल के अध्यक्ष हरिओम सिंह व अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में छापेमारी की इस कार्यवाही को अव्यवहारिक बताया और इसका जबर्दस्त विरोध किया । जिसके दौरान हंगामा हो गया । व्यापार मंडल के अध्यक्ष हरिओम सिंह छापेमारी की कार्यवाही को लेकर लेबर इंस्पेक्टर से तर्क वितर्क किया और उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि किसी भी दशा में व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने छापा मारने से पहले व्यापार मंडल को सूचित करना और उन्हें साथ लेकर कार्यवाही करने की बात कही।

यूकेडी की कुमाऊं क्रांति संवाद यात्रा पहुंची खटीमा, भव्य स्वागत

पार्टी सभी 70 विधानसभाओं में मजबूती से चुनाव लड़ेगी: नेगी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उत्तराखंड क्रांति दल युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष फायर ब्रांड नेता आशीष नेगी के नेतृत्व में निकाली जा रही कुमाऊं क्रांति संवाद यात्रा 2026 के अपने अंतिम पड़ाव पर खटीमा पहुंची, जहां इस यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। इस मौके पर राज्य आंदोलन के शहीदों को नमन करने के उपरांत यूकेडी नेताओं ने स्थानीय लोगो से एक निजी सभागार में संवाद किया।

यूकेडी नेता आशीष नेगी ने उत्तराखंड के मूल निवास, सख्त भू कानून तथा गैरसैंण को स्थाई राजधानी बनाने हेतु यूकेडी को 2027 में सत्ता में लाने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि जिस तरह से आम जनता का प्यार और समर्थन मिल रहा है इससे स्पष्ट है कि आने वाले चुनाव में पार्टी को आमजन का भारी आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी सभी 70 विधानसभाओं में मजबूती से चुनाव लड़ने जा रही है क्योंकि राष्ट्रीय पार्टियों से जनता का मोह भंग हो चुका है।

क्षेत्रीय दल की ओर इस बार उत्तराखंड की जनता उम्मीदों के साथ देख रही है। उन्होंने कहा कि यूकेडी के बड़े नेताओं का कुमाऊं कार्यस्थली रहीं है इसलिए यूकेडी की पूरे कुमाऊं में स्वीकार्यता है। उन्होंने कहा कि 3600 बूथों में पार्टी संगठन

खड़ा कर चुकी है। वहीं ग्यारह हजार पांच सौ बूथों में पार्टी बूथ अध्यक्ष व बूथ प्रभारी नियुक्त कर रही है।

गंगा एवं पर्यावरण स्वच्छता का दिया सन्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर में 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. एस. एस मौर्य ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर से एक विशेष रैली निकाली गई, जिसे प्रो. मौर्य ने हरी झंडी दिखाकर गार्जिया मंदिर के लिए रवाना किया। रैली का उद्देश्य आम जनमानस में गंगा नदी,उसकी सहायक नदियों एवं जल स्रोतो की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था।कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को 'नमामि गंगेश' टी-शर्ट और कैप वितरित की गईं। साथ ही सभी उपस्थित लोगों को गंगा नदी एवं जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ नीमा राणा ने छात्र-छात्राओं को श्नमामि गंगेश कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों से अवगत कराया और बताया कि किस प्रकार यह योजना गंगा संरक्षण के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है।

इस आयोजन में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मुरली धर कापड़ी ने विशेष योगदान दिया।

खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास को लेकर डीएम सख्त

- जिला निज फाउण्डेशन न्यास समिति की ली बैठक
- खनन क्षेत्रों में पेयजल, स्वास्थ्य व अवसंरचना कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगाई की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2025-26 तक स्वीकृत योजनाओं, धनराशि की स्थिति, द्वितीय किस्तों के अवमुक्ति प्रकरणों तथा खनन प्रभावित क्षेत्रों में संचालित विकास एवं कल्याणकारी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में अवगत कराया गया कि "उत्तराखण्ड जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास नियमावली-2025 के अंतर्गत 'प्रभावित क्षेत्र' से आशय ऐसे क्षेत्र से है जहां खनन गतिविधियां संचालित हैं या रही हैं तथा 'प्रभावित व्यक्ति' से अभिप्राय ऐसे व्यक्ति से है जिसे खनन गति. विधियों से व्यक्तिगत अथवा संपत्ति संबंधी क्षति हुई हो। न्यास के माध्यम से प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना एवं राज्य/केन्द्र सरकार की अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन खनन प्रभावित क्षेत्रों में किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यालयों में शौचालय निर्माण, महिला एवं बाल कल्याण, वयोवृद्ध एवं दिव्यांगजन कल्याण, कौशल विकास, स्वच्छता, आवास, भौतिक अवसंरचना, सिंचाई, ऊर्जा तथा पर्यावरणीय गुणवत्ता में सुधार से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यास का उद्देश्य खनन के प्रतिकूल प्रभावों को न्यून करना तथा प्रभावित व्यक्तियों के लिए दीर्घकालिक एवं सतत आजीविका सुनिश्चित करना है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2025-26 तक स्वीकृत कुल योजनाओं एवं धनराशि की समीक्षा करते हुए बताया गया कि विभिन्न वर्षों में उच्च प्राथमिकता एवं अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में नियमानुसार धनराशि आवंटित की गई है।

साथ ही प्रशासनिक व्यय हेतु नियमानुसार धनराशि संरक्षित रखी गई है। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि स्वीकृत योजनाओं को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करते हुए खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी सदर जितेंद्र वर्मा, डिप्टी सीएमओ प्रशान्त कौशिक, मुख्य शिक्षाधिकारी तरुण पंत व संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिक रैली का आयोजन 27 मार्च को

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। उप कमान अधिकारी, 12 कुमाऊं द्वारा अवगत कराया गया है कि राष्ट्र की सुरक्षा में पूर्व सैनिकों के अमूल्य योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान हेतु 27 मार्च 2026 को प्रातः 09:30 बजे से सायं 04:00 बजे तक पिथौरागढ़ सैन्य क्षेत्र स्थित कुमाऊं परिसर में पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया जा रहा है।

इस रैली का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी विभिन्न समस्याओं का निराकरण करना, उन्हें प्रचलित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करना है। रैली के दौरान विभिन्न रिकॉर्ड कार्यालयों द्वारा स्टॉल स्थापित किए जाएंगे, जिनमें असम राइफल्स रिकॉर्ड कार्यालय तथा पीसीडीए (पेंशन), प्रयागराज के स्टॉल भी शामिल रहेंगे। इन स्टॉलों पर पेंशन संबंधी प्रकरण, सेवा अभिलेख, पारिवा. रिक पेंशन, पेंशन संशोधन, लंबित प्रकरणों एवं अन्य संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा भी इस अवसर पर विभिन्न विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें जिला सैनिक पुनर्वास एवं कल्याण कार्यालय तथा जिला पुलिस के स्टॉल प्रमुख रूप से शामिल होंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से पूर्व सैनिकों को पुनर्वास, स्वरोजगार, कल्याणकारी योजनाओं एवं प्रशासनिक सहयोग से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

वहीं निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयों की सुविधा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान जिले के विशिष्ट भूतपूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों को सम्मानित भी किया जाएगा, जिससे उनके अद्वितीय योगदान एवं बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जा सके।

एक नजर

पशुपालन विभाग का वाहन आईटीबीपी को हस्तांतरित

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून एवं आईटीबीपी के मध्य हुए समझौता ज्ञापन के अनुपालन में पशुपालन विभाग का एक वाहन (टाटा योद्धा, पंजीकरण संख्या UK07GA 4556) आईटीबीपी को विधिवत रूप से हस्तांतरित किया गया।

जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

कलेक्टरेट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगाई द्वारा वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त कार्यवाही पशुपालन विभाग, देहरादून एवं आईटीबीपी के मध्य हुए समझौते के अनुरूप संपादित की गई, जिससे विभागीय समन्वय एवं क्षेत्रीय सेवाओं को सुदृढ़ करने में सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश कुमार शर्मा एवं उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लाल सिंह सामन्त सहित आईटीबीपी के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

पेंटिंग प्रतियोगिता में दयानन्द इंटर कॉलेज के छात्र मोहम्मद अली ने पाया प्रथम स्थान

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। आयोजित सरस मेला-2026 के अंतर्गत प्राथमिक वर्ग की पेंटिंग प्रतियोगिता में दयानन्द इंटर कॉलेज के छात्र मोहम्मद अली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, लेकिन मोहम्मद अली की कलात्मक प्रस्तुति और रचनात्मकता ने निर्णायकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

इस उपलब्धि पर मुख्य शिक्षा अधिकारी चम्पावत मेहरबान सिंह बिष्ट ने छात्र को सम्मानित करते हुए उसकी प्रतिभा की सराहना की और भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार में इस उपलब्धि से हर्ष का माहौल है। मार्गदर्शक शिक्षिका ने छात्र की मेहनत, लगन और सृजनात्मक क्षमता की प्रशंसा करते हुए इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने छात्र को हार्दिक बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बनबसा से लापता युवक का अब तक नहीं लगा सुराग

शाह टाइम्स संवाददाता

ऑपरेशन स्माइल के तहत पुलिस ने तेज की खोज

टनकपुर। पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन स्माइल-2026 के तहत जनपद चम्पावत पुलिस ने कोतवाली बनबसा क्षेत्र से गुमशुदा युवक की तलाश तेज कर दी है। इस संबंध में कोतवाली बनबसा में FIR संख्या 90/2024, धारा 365 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार अनिल चन्द्र (38 वर्ष) पुत्र हरीश चन्द्र, निवासी चन्दनी, बनबसा, जनपद चम्पावत, दिनांक 11 अगस्त 2024 से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हैं। युवक का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। जनपद की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा गुमशुदा की फोटो और विवरण का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को गुमशुदा के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

बंतोली की बेटी कुसुम ने रचा इतिहास

शाह टाइम्स संवाददाता

जेआरएफ में चयनित होकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

लोहाघाट। नियति का शाश्वत नियम है कि अच्छे कर्मों का प्रतिफल अवश्य मिलता है और पुण्य कार्यों का फल पीढ़ियां भोगती हैं। बंतोली के सामाजिक सरोकारों से जुड़े भवान सिंह फर्त्याल और बापरु क्षेत्र के नारायण सिंह फर्त्याल ने वर्षों से बंद पड़े दोनों गांव के बीच 'हुक्का-पानी' को फिर से शुरू कर दोनों गांवों के बीच 75 साल पुरानी दूरी को खत्म किया था, जिसमें गांव में स्वस्थ सामाजिक माहौल पैदा हो गया। दोनों गांव की इष्ट मां भगवती के मंदिर को साक्षी बनाकर समाज में जो नई चेतना जागृत हुई उसके बाद सभी ने मिलकर गांव के इस मंदिर को दिव्य व भव्य रुप दे दिया। आज उसी परिवार पीएलवी भवान सिंह फर्त्याल की बेटी कुमारी कुसुम ने राष्ट्रीय स्तर पर जेआरएफ में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पांच चयनित अभ्यर्थियों में स्थान बनाकर कुसुम ने यह साबित कर दिया कि यदि आगे बढ़ने का जज्बा हो तो सरकारी विद्यालय भी सफलता के द्वार खोल सकते हैं। कुसुम की इस उपलब्धि पर शिक्षक प्रकाश चन्द्र उपाध्याय, राजेन्द्र गड़कोटी, प्रमुख शिक्षाविदों एवं जनप्रति. निधियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

विराट हिंदू सम्मेलन ऐतिहासिक रूप से संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। शुगर फैक्ट्री में स्थित चीनी मिल मैदान में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ। हजारों की संख्या में माताओं, बहनों एवं भाइयों की उपस्थिति से पूरा मैदान भगवामय नजर आया। जनसैलाब ने राष्ट्रभावना, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूज्य श्री 108 महामंडलेश्वर प्रकाश महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने ओजस्वी संबोधन में उन्होंने राष्ट्रसेवा, सांस्कृतिक संरक्षण और नैतिक मूल्यों के संवर्धन का आह्वान किया। वक्ताओं ने समाज को संगठित होकर राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक चेतना और एकजुटता को मजबूत करते हैं। वहीं सम्मेलन के शुभारंभ से पूर्व हिंदू जनजागरण समिति के तत्वावधान में नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा श्री रामभवन धर्मशाला से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए चीनी मिल मैदान पहुंची। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर बढ़-चढ़कर भागीदारी की। पूरे नगर में 'जय श्री राम' के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। सम्मेलन में नगर संयोजक कौश, क्षेत्र प्रचारक महेंद्र, कौशल अग्रवाल, मीरा बिश्नोई , विकास परमार, सांसद अजय भट्ट , गदरपुर विधायक अरविंद पांडे , पूर्व सांसद बालास पासी, दर्जा गन्ना राज्य मंत्री मनजीत सिंह राजू, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री राजेश कुमार, राजेश कुमार, मनोज पाल, यशपाल राजहंस, मूल शंकर शास्त्री,नरेश गर्ग, राजेंद्र कुमार शर्मा, भगवंत म्यान, विशाल ठाकुर,आशीष ठाकुर, मनोज जैन, रिंकू शर्मा, विकास गुप्ता, गोविंद,ममता जैन, स्तुति गुप्ता, कुसुम सेनी, लता गोयल, पूजा जिंदल, तानिया भटनागर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तित्व, संत एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने किया चम्पावत में होली महोत्सव का शुभारंभ

- दो दिवसीय महोत्सव में खड़ी-बैठकी होली की गूंज

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। काली कुमाऊं की समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से कलश कला समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय होली महोत्सव का भव्य शुभारंभ मंगलवार को जनपद मुख्यालय स्थित दीवान सिंह लड़वाल स्टेडियम में हुआ। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से किया।

दीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुए इस सांस्कृतिक महोत्सव में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक खड़ी होली और बैठकी होली की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को लोक संस्कृति के रंग में रंग दिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि खड़ी होली उत्तराखंड की लोक-सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है और यह महोत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामा. जिक समरसता और लोक परंपराओं को सशक्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कुमाऊँ की होली को अनूठी बताते हुए कहा कि खड़ी और बैठकी होली की परंपरा उन्हें अपने बचपन की याद दिलाती है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार , मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर जीएस खाती, हिमेश कलखुड़िया, धर्मराज पुरी महाराज, गोविन्द सामंत, श्याम नारायण पांडेय, प्रेमा पाण्डेय, अंचला बोहरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नाट्य प्रतियोगिता में होली ट्रिनिटी पब्लिक स्कूल रहा प्रथम

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। सरस महोत्सव में आयोजित नाट्य प्रतियोगिता ने दर्शकों को भावुक भी किया और सोचने पर भी मजबूर कर दिया। प्रतियोगिता का विषय था "आज के समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव"। इस सामयिक विषय पर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं।

नन्हे कलाकारों ने मंच के माध्यम से दिखाया कि कैसे सोशल मीडिया जहां एक ओर लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है, वहीं दूसरी ओर युवाओं को आभासी दुनिया में उलझाकर परिवार और समाज से दूर भी कर रहा है। बच्चों ने मोबाइल की लत, फेक न्यूज, साइबर बुलिंग और रिश्तों में बढ़ती दूरियों जैसे मुद्दों को मार्मिक अभिनय के जरिए प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में होली ट्रिनिटी पब्लिक स्कूल ने उत्कृष्ट अभिनय, सशक्त संवाद और प्रभावशाली प्रस्तुति के बल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के बच्चों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं को संतुलित ढंग से मंचित कर निर्णायकों का दिल जीत लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज सिंह ने सभी प्रतिभागी छात्रों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में सामाजिक जागरूकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं। प्रतियोगिता में नगर के कई विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। बच्चों की प्रस्तुति ने यह संद. `श दिया कि सोशल मीडिया का उपयोग सोच-समझकर और सकारात्मक दिशा में किया जाए तो यह समाज के विकास का सशक्त माध्यम बन सकता है। सरस महोत्सव में आयोजित इस नाट्य प्रतियोगिता ने न केवल मनोरंजन किया बल्कि समाज को एक सार्थक संदेश भी दिया।

सरस कॉर्बेट महोत्सव का भव्य शुभारंभ विकास व जनसंवाद का संदेश: उनियाल

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर (चम्पावत)। टनकपुर नगर पालिका क्षेत्र में आयोजित सरस कॉर्बेट महोत्सव 2026 का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल एवं सेवा संकल्प फाउंडेशन की फाउंडर ट्रस्टी गीता धामी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में गीता धामी ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार "जनता के द्वार" कार्यक्रम के माध्यम से सीधे लोगों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान उन्होंने चम्पावत के जिलाधिकारी मनीष कुमार की कार्यशैली की खुलकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अपने क्विक एक्शन और क्विक डिसीजन के लिए पहचाने जाते हैं। 'सरस कॉर्बेट महोत्सव 2026' ने विकास, संस्कृति और सुशासन का सशक्त संदेश देते हुए क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार किया।

जनगणना को लेकर हुई कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में जिला सभागार में आयोजित तीन दिवसीय जनगणना-2027 कार्यशाला प्रारम्भ हुई। कार्यशाला में जनगणना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला में जनगणना अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों, सहायक चार्ज अधिकारियों एवं तकनीकी सहायकों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना एक संवैधानिक गतिविधि है, जो भारतीय संविधान की संघ सूची के अंतर्गत तथा जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अनुसार संचालित की जाती है। उन्होंने कहा कि जनगणना लोकतंत्र की आधारशिला है, क्योंकि इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के न्यायसंगत वितरण तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उपयोगी सिद्ध होते हैं, इसलिए जनगणना कार्य को गम्भीरता से लेते हुए सावधानी से त्रुटिहीन किया जाए।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना-2027 वर्ष 1872 से अब तक की 16वीं तथा स्वतंत्रता के पश्चात 8वीं जनगणना होगी। यह जनगणना दो चरणों में संपन्न की जाएगी। प्रथम चरण में वर्ष 2026 में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी तथा द्वितीय चरण में वर्ष 2027 में जनसंख्या की गणना की जाएगी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का विवरण एक निर्धारित संदर्भ तिथि एवं समय के अनुसार दर्ज किया जाएगा। उपनिदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय प्रवीन कुमार ने बताया कि जनगणना-2027 भारत की पहली ऐसी जनगणना होगी जिसमें आंकड़ों का संकलन पूर्णतः डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। प्रगणकों द्वारा मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से परिवारों से जानकारी संकलित की जाएगी, जिसके लिए वे अपने स्मार्ट फोन का उपयोग करेंगे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें तथा प्रत्येक प्रावधान, प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं को भली-भांति समझें, ताकि जनगणना कार्य शत-प्रतिशत शुद्धता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न हो सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा ,नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, जिला समन्वयक सांख्यिकी अधिकारी दिनेश बिष्ट, विमल प्रजापति सहित समस्त तहसीलदार, ईओ नगर पालिका/नगर पंचायत आदि उपस्थित थे।

हरित क्रांति की ओर बढ़ते कदम

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। एकल ग्रामोत्थन फाउंडेशन उत्तराखंड के अंतर्गत संचालित आई वी डी सेंटर के तत्वाधान में ग्राम नकुलिया में एक बहुउद्देशीय किसान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें जैविक खेती के महत्व पर जोर दिया गया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ जैविक उत्पादन किसान सुरेश राणा ने कहा कि जैविक खाद के प्रयोग से की गई खेती न केवल स्वास्थ्यवर्धक है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी लाभदायक है।

जैविक खेती एक ऐसी टिकाऊ कृषि प्रणाली है जो रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और हानिक. ारक रसायनों के बिना, मुख्य रूप से प्राकृतिक खाद, कंपोस्ट, हरी खाद और फसल चक्र पर आधारित है। यह मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखती है और जैव विविधता को बढ़ावा देती है। कार्यक्रम के संयोजक महेश मित्तल ने कहा कि जैविक खेती से किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन मिलता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। साथ ही, यह खेती पर्यावरण को भी बचाती है और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देती है।

कार्यक्रम में एकल के बच्चों द्वारा देशभक्ति के सांस्कृतिक कार्यक्रम मंच के द्वारा सुंदर प्रस्तुति की गई। एकल द्वारा उत्कृष्ट किसानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संभाग संगठन मंत्री अरविंद कन्नौजिया, प्रभाग पी-5 दिनेश भारद्वाज, संभाग सचिव लाल सिंह दायमा, आई वी डी अध्यक्ष महेश मित्तल, संच खटीमा अध्यक्ष उमेश अग्रवाल, संतोष मिश्रा, उदय राणा, सुरेश राणा, जगदीश पांडे, मधु शर्मा, शांति पांडे, शैली बंसल, गीता गड़कोटी, संगीता जोशी, अंकुर पाल, सत्येंद्र राणा, मदन मोहन मिश्रा आदि उपस्थित थे।

जनसमस्याओं का मौके पर निस्तारण

विकासखण्ड धारी के ग्राम पंचायत जंतवाल में खुली बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। भीमताल विकास खंड के ब्लाक प्रमुख डा. हरीश सिंह बिष्ट ने मंगलवार को ग्राम पंचायत जंतवाल गांव में आयोजित खुली बैठक में प्रतिभाग किया,इससे पूर्व उन्होंने गांव में ही निर्माणाधीन विकास योजनाओं का निरीक्षण भी किया। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान हेमा जंतवाल ने की।

बैठक में ब्लाक प्रमुख डा. बिष्ट ने कहा कि अधिक से अधिक जन समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण हो जाए यह उनकी पहले से ही प्राथमिकता रही है जो आगे भी रहेगी। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की पेयजल, सड़क समेत राशन तथा स्वयं सहायता समूह के आउटलेट उद्यान की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया। ग्रामीणों ने कटखने बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की, मामले में प्रमुख ने संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। प्रमुख ने कहा अधिकारियों का भी प्रयास होना चाहिए कि ग्राम पंचायत की खुली बैठक में प्रतिभाग करें ताकि अधिक. ांश ग्रामीणों की समस्या का निराकरण मौके पर ही हो और बैठकों में जाने से वहां की समस्या का बेहतर रूप से पता चलता है। बैठक में समाज कल्याण से संबंधित वृद्धावस्था तथा विकलांग से संचालित योजनाओं के प्रस्ताव पारित हुए साथ ही अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों के चयन और आवेदन प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया। बैठक में महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए जोर दिया। जलागम विभाग के अधिकारी ने बताया कि जंतवाल गांव में कृषि उद्यान कार्य तथा उद्यान कार्य, भूमि संरक्षण के कार्य किए जाएंगे जबकि खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड से संबंधित राशन कार्ड का निरीक्षण किया। विद्युत विभाग की लो वोल्टेज की समस्या प्रमुखता से उठी। बैठक के पश्चात निर्माणाधीन मशरूम यूनिट का निरीक्षण किया जिसके निर्माण से ग्रामीणों को स्वरोजगार मिलेगा शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सदस्य विपिन जंतवाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राम सिंह जंतवाल, बीडीसी अजय जंतवाल, प्रधान प्रकाश आर्य, शेखर भट्ट, कुंदन जीना, कमल जंतवाल, प्रताप सिंह, दिवान सिंह, आन सिंह, ईश्वर जंतवाल, पूर्व प्रधान रमेश राम, बिशन राम समेत बीडीओ हर्षित गर्ग, भूपाल बिष्ट, जल संस्थान हर्षित कुमार, समाज कल्याण दिनेश बिष्ट, लोनिवि के प्रवीण कुमार, संजय कुमार, सीमा रावत, लता सुयाल, जलागम से अशोक कुमार सहित अन्य ग्रामीण व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण आज से

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जनपद में जनगणना 2027 का प्रशिक्षण 25 फरवरी यानि आज बुधवार से 27 फरवरी के मध्य सर्किट हाउस काठगोदाम में दिया जायेगा। डीएम ललित मोहन रयाल ने बताया कि सर्किट हाउस काठगोदाम में जनगणना 2027 डिजिटल डेटा संकलन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण 25 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक सर्किट हाउस काठगोदाम में दिया जायेगा। जनगणना-2027 के सफल संचालन के लिए जनपद के अधिकारी, कर्मचारी, तहसील, नगर पंचायत, नगर पालिका, परिषद कैंटोमेंट, तकनीकी सहायकों, सेन्सस क्लर्क के साथ ही नगर आयुक्त, प्रमुख जनगणना अधिकारी तीन दिवसीय प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करेंगे। डीएम ने जनगणना के सफल संचालन के लिए जनपद में पर्यवेक्षण के लिए जनगणना अधिकारियों के साथ ही सहायक चार्ज जनगणना अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। उन्होंने जनगणना में नियुक्त सभी अधिकारियों को सभी कार्य जिम्मेदारी के साथ स पादित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कार्य है, सभी संबंधित अधिकारी गंभीरता से ले। जो भी डाटा तैयार किया जाना है उसका अपने स्तर से भलीभांति परीक्षण करें।

स्टाफ हाउस में सीसी मार्ग निर्माण की मांग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के स्टाफ हाउस वार्ड में सीसी मार्ग निर्माण को लेकर क्षेत्रवासियों की समस्या को उठाते हुए सभासद रमेश प्रसाद ने स्थानीय विधायक सरिता आर्या को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि वार्ड में जसपाल राम के आवास से लेकर पूर्व सभासद सागर आर्या के घर के आगे तक सड़क की स्थिति बेहद खराब है जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में पहले भी पत्राचार किया जा चुका है लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने विधायक सरिता आर्या से जल्द से जल्द संबंधित विभाग को निर्देश जारी कर सीसी मार्ग निर्माण कराने की मांग की है ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

एक नजर

छत पर गए युवक को लगा करंट

नैनीताल। नैनीताल के तल्लीताल क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक किसी काम से अपने घर की छत पर गया था जहां पर उसे बिजली के पोल से करंट का झटका लगने से वह गिर गया और चोटिल हो गया। जिसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल की इमरजेंसी में तैनात डा. मोनिका कांडपाल ने बताया कि तल्लीताल निवासी 42 वर्षीय कमल पांडे अपने घर की छत पर कुछ काम करने के दौरान करंट का झटका लगने से गिरकर चोटिल हो गया था। जिसे अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। मरीज से सिर पर चोट आई थी और टांके लगाए गए हैं। करंट लगने के चलते मरीज को 24 घंटे के लिए अस्पताल में आबजर्वेशन के लिए भर्ती होने की सलाह दी गई थी लेकिन वह स्वेच्छा से घर चले गए हैं।

हाईकोर्ट ने दी सरकार को 4 हफ्ते की मोहलत

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने अल्मोड़ा जिले के देघाट क्षेत्र में रुचियाखाल से बनसारी गांव तक सड़क बनाने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से चार हफ्ते के भीतर जबाव दाखिल करने को कहा है। याचिका की सुनवाई मुखय न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ में हुई। याचिकाकर्ता राजेन्द्र नेगी जो कि टोरंटो (कनाडा) में कार्यरत है ने याचिका में कहा है कि उनका गांव सड़क मार्ग से काफी दूर है। ग्रामीणों ने पूर्व में रुचियाखाल (घाटी) से बनसारी तक जेसीबी लगाकर सड़क बनाई लेकिन वह बारिश में बह गई इसलिये इस सड़क का निर्माण कराने के निर्देश सरकार को दिए जाएं।

हाईकोर्ट परिसर में पुलिस व बीडीएस की चेकिंग

नैनीताल। बीते दिनों हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद से पुलिस चौकन्नी है। मंगलवार को भी पुलिस और बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) की टीम ने हाईकोर्ट परिसर में चेकिंग की। बीते बीरवार को हाईकोर्ट को ईमेल में बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने हाईकोर्ट ने एटीएस तैनात कर परिसर की चेकिंग की। लेकिन चें. कंग में कोई बम या संवेदनशील वस्तु नहीं मिली। लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से तब से हाईकोर्ट में पुलिस बल तैनात किया गया है। मंगलवार को भी एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी के निर्देश पर हाईकोर्ट परिसर में पुलिस व बीडीएस की टीम ने चेकिंग की। एसएसपी ने बताया कि परिसर में आवागमन करने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर पैनी नजर रखी जा रही है।

जेल प्रबंधन ने कराया रोज़ा इफ्तार

नैनीताल। नैनीताल जिला कारागार में रमजान के मौके पर 27 कैदियों ने रोजे रखे हैं। जेल प्रबंधन की ओर से कैदियों के लिए इफ्तारी की व्यवस्था भी की गई है। इन दिनों नैनीताल व आसपास के क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की ओर से रोजे रखे जा रहे हैं। रमजान के चलते जिला कारागार में भी कैद कैदियों ने रोजे रखे हैं। जेलर एसएस ह्यांकी ने बताया कि जेल में इन दिनों 139 कैदी हैं जिसमें से मुस्लिम समुदाय के 27 कैदियों ने रोजे रखे हैं। बताया कि रोजेदारों की इफ्तारी की व्यवस्था जेल प्रबंधन की ओर से की गई है। रमजान के नियमों के अनुसार रोजेदार रोजे खोल रहे हैं। रोजे खोलने के लिए उनको दूध, केले तथा खजूर व अन्य खाद्य सामग्री मुहैया कराई जा रही है। बताया कि रोजे रखने वालों के स्वास्थ्य का भी ध्यान दिया जा रहा है।

रक्तदान शिविर का आयोजन आज

नैनीताल। अधिवक्ता परिषद उच्च न्यायालय इकाई द्वारा बुधवार (आज) प्रात: 11 बजे से हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के हाल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में अधिवक्ता परिषद के समस्त सदस्यों समेत हाईकोर्ट के समस्त अधिवक्ता तथा हाई कोर्ट में कार्यरत स्टाफ व अन्य व्यक्ति भी आमंत्रित किए गए हैं कि वह स्वेच्छा से अपना रक्तदान कर जरूरतमंद लोगों की मदद में सहयोग कर सकते हैं।

गैरीखेत गांव में सड़क निर्माण की मांग

नैनीताल। नैनीताल के अयारपाटा वार्ड के सभासद मनोज साह जगाती ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन भेजकर ग्राम गैरीखेत में वाहन योग्य सड़क निर्माण की मांग की है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि उत्तराखण्ड के नैनीताल विधानसभा क्षेत्र के इस गांव में आजादी के बाद से अब तक मोटर मार्ग नहीं बन पाया है जिससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बीमार व्यक्तियों को डोली या पीठ पर लाना पड़ता है और खराब पैदल मार्ग के कारण छात्र-छात्राएं भी चोटिल हो चुके हैं।

अरविंद पडियार ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद एवं विश्वविद्यालय सभा के सदस्य अरविन्द सिंह पडियार ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक तथा शैक्षणिक एवं अन्य कार्यों से जुड़े पांच मांगों की लेकर कुलपति प्रो.दीवान सिंह रावत को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दस वर्ष की संविदा सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों व कर्मचारियों के नियमितीकरण, प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर के रिक्त पदों पर शीघ्र चयन प्रक्रिया शुरू करने तथा सहायक प्रोफेसर व तकनीकी व प्रशासनिक रिकत पदों की तत्काल विज्ञप्ति जारी करने की मांग की गई है। इसके साथ ही पडियार ने महिला स्व सहायता समूहों को मेस व कैंटीन संचालन में अवसर देने तथा विश्वविद्यालय की स्वायत्ता से जुड़े मुद्दों पर कार्यपरिषद व विश्व. विद्यालय सभा की बैठक बुलाने की अपेक्षा जताई गई है।

उपनल के संविदा कर्मचारियों के मामले में हाईकोर्ट गंभीर

सचिव वित्त व सचिव कार्मिक को पक्षकार बनाते नोटिस जारी कर जवाब पेश करने को कहा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उत्तराखंड उपनल संविदा कर्मचारी संघ हल्द्वानी की अवमानना याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद संघ द्वारा पेश किये गए प्रार्थना पत्र के आधार पर न्यायमूर्ती अलोक कुमार वर्मा की एकलपीठ ने सचिव वित्त व सचिव कार्मिक को पक्षकार बनाते हुए उन्हें नोटिस जारी कर उनसे पूर्व मे दिए गए निर्णय का अनुपालन न करने के आधार पर अपना जवाब पेश करने को कहा है साथ में कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 मार्च की तिथि नियत की है। बता दें नवंबर 2025 को हुई सुनवाई पर संघ की तरफ से कोर्ट के सामने कहा गया कि नंवबर 2025 मे कोर्ट ने कहा था कि खंडपीठ के द्वारा पारित आदेश का अनुपालन अभी तक राज्य सरकार ने नहीं किया और राज्य का प्रशासन उस आदेश का अनुपालन करने में अपनी अभी भी असमार्थता जता रहा है।

कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि उपनल कर्मचारियों को पहले समान कार्य समान वेतन दिया जाए, उनके वेतन पर लगने वाले जीएसटी को न वसूला जाय और उन्हें नियमित. ीकरण की प्रक्रिया अपनाई जाए लेकिन कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने के बाद भी सरकार ने जो हलफ़नामा पेश किया वह उच्च न्यायालय के आदेश के विपरीत है। प्रार्थना पत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से प्रार्थना की गयी है कि उच्च न्यायलय के आदेशों का अनुपालन करवाया जाए, आदेश होने के बाद यदि संबंधित अधिकारी 2025 की नियमावली का अनुपालन नहीं करते हैं तो पूरा उपनल कर्मचारी संघ इस नीति के खिलाफ है।

इस प्रकरण पर मुख्य मंत्री का संज्ञान लेना अति आवश्यक है। मामले के अनुसार मंगलवार को संविदा कर्मचारी संघ के अधिवक्ताओं ने कोर्ट के समक्ष वाद को मेंशन करते हुए कहा कि पूर्व मे कोर्ट की खंडपीठ ने उपनल कर्मचारियों के नियमित. ीकरण के सबंध में एक आदेश जारी किया था लेकिन इस आदेश पर अब तक राज्य सरकार की तरफ से कोई निर्णय नहीं लिया गया, न ही इसे उच्च न्यायालय के रिकार्ड में लाया गया है। पूर्व में संघ की ओर से पेश हुए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता ने इस अवमानना याचिका पर (उत्तराखंड उपनल कर्मचारी संघ बनाम आनन्द बर्धन मुख्य सचिव उत्तराखंड) की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की मांग की गयी थी।

उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन में हुई गड़बड़ियों पर सुनवाई

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन में हुई गड़बड़ियों को लेकर एकलपीठ के आदेश को चुनौती देती विशेष अपील पर सुनवाई कीस फिलहाल कोर्ट ने अपील कर्ता को कोई राहत न देते हुए मामले की अगली सुनवाई हेतु 17 मार्च तिथि नियत की है। बता दें मंगलवार को मामले की सुनवाई मुखय न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ में हुई। पूर्व में कोर्ट ने उच्च न्यायलय की रजिस्ट्री विभाग से कहा है कि इससे संबन्धित अन्य याचिकाओं को भी एक साथ सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए जो एक साथ सुनवाई हेतु मंगलवार को सूचीबद्ध हुई। इससे पूर्व एकलपीठ ने दायर याचिकाओं को मेंटेनेबल सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए खारिज कर दिया था साथ ही याचिकाकर्ताओं को सिविल कोर्ट जाने के निर्देश दिए थे। जिसके खिलाफ पीड़ित पक्षकार ने इस आदेश को खण्डपीठ में चुनोती दी है। पूर्व में हुई गड़बड़ियों के इस मामले को डा. बुद्धि चन्द रमोला, धीरज भंडारी व संजय गुसाई की ओर से चुनौती दी गई थी। मंगलवार को इस आदेश को धीरज भंडारी ने विशेष अपील दायर कर खण्डपीठ में चुनोती दी गयी। याचिका में एसोसिएशन में वित्तीय गड़बड़ी तथा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्धबीसीसीआईऋ की ओर से जारी धन में अनियमितता के साथ ही एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष धीरज भंडारी को लोकपाल के द्वारा हटाये जाने के आदेश को भी चुनौती दी गयी है। एसोसिएशन और बीसीसीआई की ओर से कहा गया कि याचिकाएं मेंटेनेबल नहीं हैं इसलिए उन्होंने खारिज की जाए याचिकाओं में लगायें गये आरोप गलत हैं। यह भी कहा गया कि लोकपाल के आदेश पर उपाध्यक्ष को हटाया गया है, वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि स्वतंत्र आडिट में वित्तीय गड़बड़ी की पुष्टि हुई है। बीसीसीआई की ओर से करोड़ों की धनराशि जारी की गई है और उसका लेखा जोखा वेबसाइट में दर्ज तक नहीं है।

नैनीताल जिले की बदहाल सड़कें: जिला प्रशासन व पालिका बैठक कर करें कार्रवाई

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट में नैनीताल जिले की बदहाल सड़कों और पर्यावरण के साथ हो रहे खिलवाड़ को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट की खंडपीठ ने नगर पालिका और जिला प्रशासन को इस संबंध में मीटिंग कर रोड सेफ्टी और कूड़े के निस्तारण करने को कहा है, साथ में कोर्ट ने निर्णय लेने के बाद उसकी प्रगति रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत कराने से अवगत कराने के निर्देश जिला प्रशासन व नगर पालिका को दिये हैं। बता दें मंगलवार को मामले की सुनवाई मुखय न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ में हुई। मामले के अनुसार अनिल यादव द्वारा उच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका में जिले के पर्वतीय मार्गों पर सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर अवैध डंपिंग होने और कचरा प्रबंधन की विफलताओं को उजागर किया है जिसे न्यायालय ने गंभीरता से लिया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डीसीएस रावत और जय कृष्ण पांडे ने कोर्ट को बताया कि हल्द्वानी-नैनीताल, कालाढूंगी और भवाली-कैंची धाम जैसे व्यस्ततम मार्गों पर निर्माण कार्यों का मलबा जानबूझकर तीखे मोड़ों और बलाइंड टर्न्स पर फेंका जा रहा है। यह मलबा न केवल यातायात को बाधित कर रहा है बल्कि मानसून के दौरान फिसलन पैदा कर वाहनों के लिये खतरा बन रहा है। सड़कों पर सुरक्षा दीवारें और क्रैश बैरियर गायब हैं जिससे स्थानीय निवासियों, स्कूली बच्चों और पर्यटकों की जान हर समय जोखिम में रहती है।

यौन शोषण के आरोपी ठेकेदार के मामले में फैसला रखा सुरक्षित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने नैनीताल में नाबालिग के साथ यौन शोषण के आरोपी ठेकेदार उस्मान खान के जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

बता दें मंगलवार को हुई सुनवाई पर उस्मान की तरफ से कहा गया कि पीड़िता के बयान हो चुके हैं लेकिन उसके बयानों में विरोधभास है, जिस समय घटना हुई उस वक्त लाइट थी या नहीं। वह भी साबित नहीं हो पाया। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि मामले में ट्रायल चल रहा है। कई गवाहों के बयान हो चुके हैं इसलिए ट्रायल को शीघ्र निस्तारित करने के आदेश दिए जाएं। कोर्ट ने दोनों पक्षो को सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

मंगलवार को मामले की सुनवाई न्यायमूर्ती आलोक कुमार महरा की खंडपीठ में हुई। मामले के अनुसार आरोपी उस्मान के खिलाफ आरोप दर्ज है कि उसने एक 12 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया है। जब इसकी शिकायत परि. जनों ने नैनीताल के मल्लीताल थाने में दर्ज की गई थी। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, आक्रोशित भीड़ ने तोड़फोड़ भी की। उसके बाद पुलिस ने भीड़ को शांत करने के लिए आश्वासन दिया था कि जांच के उपरांत उस्मान को हिरासत में लिया जाएगा, आगे यह भी कहा कि आरोपी को जांच के उपरांत सजा मिलेगी, तभी से आरोपी मो.उस्मान जेल में बंद है।

मस्जिद सील करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण द्वारा देहरादून की एक मस्जिद सील करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि बिना अनुमति के निर्माण करने वाले व्यक्ति या संस्था को अनुच्छेद 226 के तहत राहत नहीं दी जा सकती। याचिकाकर्ता जामा मस्जिद सोसायटी ने 13 फरवरी 2026 के नोटिस को निरस्त करने की मांग की थी, जिसमें मस्जिद को सील करने के लिए पुलिस सहायता देने का निर्देश था। याचिका में यह भी कहा गया था कि जब तक सोसायटी को कंपाउंडिंग मानचित्र प्रस्तुत करने का अवसर न दिया जाए, तब तक कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। सुनवाई के दौरान यह स्वीकार किया गया कि याचिकाकर्ता ने मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण से कोई अनुमति प्राप्त नहीं की थी। कोर्ट ने कहा कि अवैध निर्माण करने वाले व्यक्ति को राहत नहीं दी जा सकती। हालांकि, यदि याचिकाकर्ता चार सप्ताह के भीतर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करता है, तो प्राधिकरण उसे विचार करेगा।

हत्यारोपी दोषी करार, सज़ा कल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नैनीताल प्रशांत जोशी की अदालत ने अपनी धार्मिक पहचान छुपाकर हिन्दू लड़की से शादी करने व लड़की को जन्मदिन पार्टी के बहाने नैनीताल घुमाने लाकर एक होटल में हत्या करने के आरोपी को हत्या का दोषी ठहराया है जिसे 26 फरवरी को सजा सुनाई जाएगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार गाजियाबाद निवासी युवक इमरान उर्फ ऋषभ ने अपनी पहचान छुपाकर छिपाकर दीक्षा के साथ जान पहचान बनाई और उसके साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ शादी की। लेकिन बाद में असलियत पता चलने पर उसने दीक्षा के साथ जबरन निकाह भी किया। 15 अगस्त 2021 को इमरान उर्फ ऋषभ अपनी पत्नी दीक्षा व अपने दोस्त अल्मास व उसकी पत्नी श्वेता शर्मा के साथ नैनीताल आए। 15 अगस्त को दीक्षा का जन्मदिन था। उसी रात माल रोड

के एक होटल में इमरान उर्फ ऋषभ ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और वह पत्नी का मोबाइल सहित नैनीताल से फरार हो गया। इमरान के साथ आये श्वेता व अल्मास जो कि उसी होटल के दूसरे कमरे में रुके थे ने अगले दिन सुबह कमरे में दीक्षा को मृत देखा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। श्वेता शर्मा की रिपोर्ट के आधार पर इमरान के खिलाफ मल्लीताल कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ था और बाद में आरोपी इमरान गिरफ्तार हुआ था। उक्त मामले में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील कुमार शर्मा द्वारा कुल 17 गवाहों के बयान दर्ज कराये तथा अभियोजन द्वारा केन्द्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला चण्डीगढ़ के डाक्टरों को भी घटनास्थल से लिये डीवीआर को साबित करने हेतु न्यायालय में पेश किये। न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश नैनीताल प्रशान्त जोशी द्वारा अभियुक्त ऋषभ तिवारी उर्फ इमरान को दोषी करार कर न्यायिक हिरासत में जेल भिजवाया है।

85 आवासीय भवन मानचित्र स्वीकृत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण नैनीताल द्वारा विकास भवन सभागार भीमताल में नैनीताल, भीमताल तथा भवाली एवं मुक्तेश्वर क्षेत्रान्तर्गत प्राप्त होने वाले भवन मानचित्रों के निस्तारण हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नैनीताल, भीमताल, भवाली एवं मुक्तेश्वर क्षेत्र के 85 आवासीय भवन मानचित्रों की स्वीकृति निर्गत की गयी है जिसमें से 04 व्यवसायिक भवन मानचित्र हैं, इसके अतिरिक्त 21 भवन मानचित्रों में डिजिटल सिग्नेचर जारी करते हुए मानचित्र निर्गत किये गये। उक्त के अतिरिक्त क्षेत्रीय कार्यालय हल्द्वानी में 23 भवन मानचित्रों की स्वीकृति निर्गत की गयी तथा 14 भवन मानचित्रों में डिजिटल सिग्नेचर जारी करते हुए मानचित्र निर्गत किये गये। शिविर में सचिव जिला विकास प्राधिकरण विजय नाथ शुक्ल सहित विभिन्न विभागों के अफसर मौजूद रहे।

नैनीताल में 250 छात्र-छात्राओं ने दी प्री-पीएचडी की परीक्षा

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र डीएसबी परिसर में मंगलवार को प्री-पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षाएं आयोजित की गयी जिसमें 250 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी। परीक्षा प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि परिसर में 11 बजे से 2 बजे तक प्री पीएचडी वर्क परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें पंजीकृत सभी 250 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी इसके तहत भौतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, हिंदी, भूगोल आदि की परीक्षा आयोजित की गयी।

महिला होल्यारों ने मचाई धूम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर की प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था श्री राम सेवक सभा द्वारा दस दिवसीय 30वें फागोत्सव के तहत मंगलवार को सभी महिला होलियारो की टीमों द्वारा अपनी-अपनी होली का मंचन किया गया। इस दौरान सभा परिवार की ओर से प्रत्येक टीम को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। बता दें मंगलवार को 15 महिला टीमों ने मंचन में प्रतिभाग किया। फागोत्सव के कार्यक्रम का संचालन हेमंत बिष्ट (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त) समेत मीनाक्षी कीर्ति व सभा के पूर्व अध्यक्ष मुकेश जोशी मंटू द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम में नगर पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल, श्री राम सेवक सभा के अध्यक्ष मनोज साह, महासचिव जगदीश चंद्र बवाड़ी, प्रबंधक विमल चौधरी, उपाध्यक्ष अशोक शाह, पूर्व महासचिव राजेंद्र लाल साह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश जोशी मंटू, राम सेवक सभा के सदस्य मोहित लाल साह, देवेंद्र लाल साह, प्रो. ललित तिवारी, भीम सिंह कार्की, कैलाश बोरा, राजेंद्र सिंह बजेठा, गिरीश भट्ट, मिथिलेश पांडे, ललित मोहन साह, गिरीश जोशी, हीरा सिंह रावत, गोधन सिंह बिष्ट तथा आनंद सिंह बिष्ट समेत कई लोगों ने भाग लिया। दूसरी ओर अब फागोत्सव में बुधवार (आज) को महिला बैठकी होली का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

औद्योगिक पलायन की आशंका बढ़ी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। केजीसीसीआई अध्यक्ष पवन अग्रवाल द्वारा अवगत कराया गया कि 23 फरवरी, 2026 को यूईआरसी द्वारा यूपीसीएल द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु प्रस्तावित विद्युत टैरिफ वृद्धि के संबंध में विद्युत उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया एवं सुझाव आमन्त्रित किए जाने के उद्देश्य से विकास भवन, रूद्रपुर के सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें यूईआरसी के चेयरमैन एमएल प्रसाद, मेम्बर टैक्निकल प्रभात किशोर डिमरी, मेम्बर (लॉ) अनुराग शर्मा, डायरेक्टर फाइनेंस दीपक पाण्डेय, राचिव, नीरज सती एवं यूईआरसी व यूपीसीएल के विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान केजीसीसीआई की पावर सब-कमेटी के चेयरमैन शकील अहमद सिद्दीकी ने कहा कि यूपीसीएल द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु लगभग 16 प्रतिशत से अधिक की प्रस्तावित विद्युत दर वृद्धि उद्योगों पर गंभीर आर्थिक प्रभाव डालेगी। उद्योग पहले से ही कच्चे माल, परिवहन एवं अन्य परिचालन लागतो के बढ़ते दबाव से जूझ रहे है, ऐसे में विद्युत दरो की वृद्धि से उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ेगी और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित होगी। उत्तराखण्ड में निरन्तर बढती बिजली की दरो से औद्योगिक पलायन की आशंका बढ़ रही है। चैम्बर के निवर्तमान अध्यक्ष अशोक बसल ने कहा कि यूपीसीएल द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं से कहा गया था कि स्मार्ट मीटर लगने से विद्युत बिलों में कमी आएगी, स्मार्ट मीटरों को प्री-पेड मीटर में कन्वर्ट कर दिया जाएगा तथा एप्प पर स्मार्ट मीटरो के बिल की पूरी डिटेल उपलब्ध कराई जाएगी। यूपीसीएल द्वारा इनमें से कोई भी वादा अभी तक पूरा नही किया गया है। जब से स्मार्ट मीटर लगे हैं, तब से उद्योगों के बिल बहुत ज्यादा बढे हुए आ रहे हैं। उन्होंने चेयरमैन यूईआरसी से आग्रह किया कि राज्य में रोजगार, सरकारी एव यूपीसीएल के राजस्व तथा औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए यूपीसीएल को वित्तीय वर्ष 2026-27 में विद्युत दरें बढ़ाने के लिये अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

सूपाकोट में अष्टमी के दिन देवी के नाम से बंधी चीर, खड़ी होली

शाह टाइम्स संवाद्दाता

सोमेश्वर। कुमाऊं मंडल के कई स्थानों में देवी के नाम से होली की अष्टमी के दिन चीर बंधन की परंपरा है। इसी परम्परा के तहत विकासखण्ड ताकुला के सूपाकोट गांव में मंगलवार की सुबह विधि विधान के पूजा अर्चना के बाद चीर बांधी गई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सूपाकोट एवं सिमखोला गांव के लोग मंगलवार की सुबह अपने अपने घरों से रंग बिरंगी कपड़े के लंबे टुकडो और पूजा सामग्री के साथ मंगल पाण्डे के आवास में एकत्र हुए जहां दाडिम की एक मजबूत और लम्बी लकड़ी के ऊपर रिंगाल और रंगीन रंगीन धागे से बने छल्ले में लोगों ने रंग बिरंगी कपड़े के टुकड़े

बांधने के बाद सामूहिक रुप से खडी होली गाई। रंग भरें, खेलें होली....गाते हुए लोग कालिका मंदिर (देवी थान) तक गए। इस दौरान सूपाकोट गांववासी रमेश चन्द्र पाण्डे ने बताया कि कुमाऊं में प्राचीन समय से ही देवी के नाम से गंगोलीहाट, पाट्या, ताकुला सूपाकोट सहित कई स्थानों में अष्टमी के दिन चीर बांधी जाती है। एकादशी के दिन से शाम को हर घर में चीर ले जाकर खडी होली गाई जाती हैं और रात में बैठकी होली होती हैं। होलिका दहन के अवसर पर चीर को दहन वाले स्थान पर लाया जाता है, जहां विधि-विधान के साथ इन चीर के धड़ों को उतारा जाता है, और टीके के दिन गुड की डली के साथ लोगों में इन धड़ों को वितरित किया जाता है। माना जाता है कि इससे नकारात्मक शक्तियों का हरण होता है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। चीर बंधन में देवेन्द्र पाण्डे, देवकीनन्दन उप्रेती, गणेश पाण्डे, दिनेश जोशी, मोहित पाठक, हरीश पन्त, वरुण पाण्डे, दीप पाण्डे, नारायण पाण्डे, राजेश गिरी, मोहन गिरी, रमेश गिरी, पान गिरी, योगेश गिरी, नारायण गिरी, ललित गिरी, दीपक गिरी, पंकज गिरी समेत दर्जनों लोग थे।

विधिक साक्षरता शिविर में छात्रों को दीं जानकारियां

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के दिशा निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल/ जिला न्यायाधीश प्रशांत जोशी के निर्देशन में सिविल जज (सी.डि)/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल पारुल थपलियाल के द्वारा व उपजिलाधिक. ारी व पुलिस विभाग के साथ नालसा और वेलनेस नेविगेशन योजना 2025 पर डा. राजेंद्र प्रसाद लॉ इंस्टीट्यूट कुमाऊं विश्वविद्यालय विधिक साक्षरता व जगरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम उपजिलाधिकारी नवाजिश खलीक द्वारा शिविर मे छात्रों को नशा उन्मूलन संबन्धित जानकारी दी गई तथा अपने अनुभव साझा किए। शिविर में सचिव द्वारा बताया गया इस योजना का उद्देश्य नशा पीड़ितों को कानूनी सहायता और पुनर्वास प्रदान करना हैए जिससे उन्हें नशामुक्त जीवन जीने में मदद मिल सके। यह योजना नशा छुड़ाने के लिए परामर्श, कानूनी सेवाएं, सरकारी योजनाओं तक पहुंच और सामाजिक समर्थन सुनिश्चित करती हैए साथ ही नशा उन्मूलन के लिए समाज में जागरूकता फैलाती है। नालसा डॉन योजना के मुखय बिंदु नशा पीड़ितों की पहचान करना तथा उन्हें नशा मुक्ति केंद्रों से जोड़ना और कानूनी सहायता देना।नशा मुक्ति के दौरान पीड़ितों को निशुल्क वकीलए कोर्ट फीस और कानूनी सलाह प्रदान करना।नशा छोडने के बाद पीड़ितों को समाज में मुख्यधारा से जोड़ने में मदद करना है। शिविर में छात्र छात्राओं को एनडीपीएस एक्ट के बारे बताया गया। शिविर में एचओडी सुरेश चन्द पांडे समेत डा. कविता, डा. सागर सिंह, एएसआई अंजुला जॉन तथा यशवंत कुमार मौजूद रहे।

सादगी:बस में सवार होकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया बदरीनाथ हाईवे का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली। चारधाम यात्रा 2026 की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बस में सवार होकर कमेड़ा से बदरीनाथ धाम तक हाईवे का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बदरीनाथ हाईवे के साथ ही यात्रा मार्गों पर पेयजल, शौचालय, पंजीकरण, स्वास्थ्य, पार्किंग, स्ट्रीट लाइट आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को यात्रा से पूर्व सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंध करने के निर्देश दिए।

चमोली जनपद में स्थित श्री बदरीनाथ धाम की यात्रा इस वर्ष 23 अप्रैल 2026 से शुरु होगी। जिसे लेकर चमोली जिला प्रशासन की ओर से तीर्थयात्री सुविधाओं को जुटाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरु कर दिया गया है। जिसके तहत

मंगलवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने जनपद में पड़ने वाले बदरीनाथ हाईवे के 160 किलोमीटर हिस्से का कमेड़ा से बदरीनाथ धाम तक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों को यात्रा मार्ग के खतरनाक स्थानों पर फ्लड लाइट लगवानेष् भूस्खलन क्षेत्रों से पूर्व साइन बोर्ड स्थापित करने और हाईवे पर सुरक्षा को लेकर सभी इंतजाम पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्थलीय निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हाईवे संचालित निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को हाईवे पर पड़े मलवे का भी शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाईवे के संवेदनशील क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर शीघ्र सुधारीकरण और सुरक्षा कार्य करवाने के भी आदेश दिए।

जिलाधिकारी ने यात्रा मार्ग पर पेयजल व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जल संस्थान और पेयजल निगम के अधिकारियों को हैंडपंप के साथ ही यात्रा मार्ग पर स्थापित वाटर एटीएम की सफाई करते हुए यात्रा से पूर्व सभी संचालन शुरु करने के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने यात्रा पड़ावों के साथ ही हाईवे पर बने शौचालयों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत और सुलभ इंटरनेशनल के अधिकारियों को कार्य में तेजी लाते हुए सभी शौचालयों में पानी व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। स्वास्थ्य विभाग को यात्रा मार्ग पर जांच केंद्र स्थापित करने के साथ ही सभी चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करते हुए दवाइयों का भंडार यात्रा शुरू होने से पूर्व करने और सभी चिकित्सालयों और स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सक व अन्य मेडिकल स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए।

इस मौके पर उप जिलाधिकारी कर्णप्रयाग सोहन सिंह रांगड, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता, परियोजना प्रबंधक एनएचआईडीसीएल अंकित राणा, जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़, आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी, जिला पूर्ति अधिकारी अंकित पांडेय एनएचआई,बीआरओ के अधिकारी, सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

वैज्ञानिक प्रो. आरसी रमोला को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। परमाणु ऊर्जा अनुसंधान केंद्र मुंबई के तत्वावधान में आयोजित एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्तराखंड और विशेषकर टिहरी जिले का नाम एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है।

नेशनल कांफ्रेंस आन एनवायरनमेंटल रेडान एंड इट्स एप्लिकेशंस नामक इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर बादशाहीथौल के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो आरसी रमोला को उनके अद्वितीय और सुदीर्घ योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में दशकों तक समर्पित रहने वाले प्रो आरसी रमोला को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड फार एक्सीलेंस इन रेडान रिसर्च के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। यह पुरस्कार उनके द्वारा किए गए निरंतर और उत्कृष्ट शोध कार्यों का एक बड़ा और राष्ट्रीय प्रमाण है।बीती इक्कीस फरवरी को मुंबई में आयोजित इस भव्य वैज्ञानिक समागम में प्रो आरसी रमोला ने रेडान और थोरान अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी गहरी विशेषज्ञता का शानदार प्रदर्शन किया।

सम्मेलन के दौरान उन्हें एक विशेष और आमंत्रित वक्ता के रूप में अपना शोध पत्र और विचार प्रस्तुत करने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने भारत में रेडान और थोरान मानिटरिंग का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विषय पर एक अत्यंत सारगर्भित और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया जिसमें देशभर से आए शीर्ष वैज्ञानिकों ने गहरी रुचि दिखाई। अपने इस महत्वपूर्ण संबोधन में उन्होंने पर्यावरण की निरंतर बदलती स्थिति की बारीकी से निगरानी करने तकनीकी क्षेत्र में आने वाली विभिन्न जटिल चुनौतियों और इन सभी का आम जनमानस के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सीधे प्रभावों के अहम पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने सम्मेलन के दौरान एक प्रमुख तकनीकी सत्र की सफलतापूर्वक अध्यक्षता भी की जो उनके व्यापक वैज्ञानिक अनुभव को दर्शाता है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो आरसी रमोला का संपूर्ण शोध कार्य मुख्य रूप से हिमालयी क्षेत्रों की कठिन और विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों में रेडान गैस की सटीक माप और उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के वैज्ञानिक आंकलन पर केंद्रित रहा है। उनके द्वारा किए गए इन गहन अध्ययनों से न केवल पर्यावरण विज्ञान को नई दिशा मिली है बल्कि पर्वतीय और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े जुटाए गए हैं। लंबे समय से गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बादशाहीथौल टिहरी परिसर में अपनी सेवाएं दे रहे प्रो आरसी रमोला की इस असाधारण और ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे उत्तराखंड राज्य में खुशी की लहर है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने किया होटलों का औचक निरीक्षण

■ 25 नमूने किए एकत्र, दो दुकानदारों को नोटिस जारी किया

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। रंगों के पर्व होली को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावट खोरी पर अंकुश लगाने के लिए मंगलवार को श्रीनगर में विशेष अभियान चलाया। त्योहार के मद्देनजर शहर के विभिन्न मिठाई की दुकानों, होटलों पर निरीक्षण कर जांच के लिए सैंपल एकत्र किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी के सिविल जज नाजिश कलीम के देखरेख में खाद्य सुरक्षा विभाग एवं औषीधय विभाग की टीम ने बाजार क्षेत्र में पहुंचकर मिठाई, खोया, गुजिया, चिप्स आदि की गुणवत्ता के नमने लेकर उन्हें प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजा गया। साथ ही उन्होने औषधीय विभाग की टीम ने भी मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप मिश्रा ने बताया कि होली के पर्व को देखते हुए श्रीनगर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की टीम ने छापेमारी की। बताया कि निरीक्षण के दौरान एक दर्जन से अधिक दुकानों से रबड़ी, मावा, नमकीन, कुरकुरा मसाला, गुजिया, चिप्स, मिलक कैक के 25 सैंपल लिए गये। बताया कि सभी सैंपलों को प्रयोगशाला में भेजा जायेगा। बताया कि दुकानों और होटलों पर गंदगी मिलने पर दो को सुधार सूचाना नोटिस जारी किया गया है। इस मौके पर सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी पीसी जोशी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रचना, उपेंद्र कुमार, ड्रग इंस्पेक्टर सीमा बिष्ट, उप जिला संयुक्त चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. विमल गुसांई, विजय कैंतुरा सहित आदि मौजूद थे।

राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण को लेकर डीएम की बैठक

■ तीन नए नामों को मिली संस्तुति एसडीएम और पुलिस रिपोर्ट के आधार पर समिति ने दी मंजूरी, कई अन्य प्रकरणों पर भी बनी सहमति

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में बीते सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में चिन्हीकरण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राज्य आंदोलनकारियों के लंबित आवेदनों पर गहनता से विचार-विमर्श किया गया और प्रशासन व पुलिस की रिपोर्ट के

आधार पर कई पात्र लोगों के नामों पर मुहर लगाई गई।

बैठक के दौरान समिति के समक्ष प्रस्तुत कुल आवेदनों में से तीन नए आवेदनों पर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और पुलिस विभाग की स्पष्ट संस्तुति के क्रम में चयन हेतु संस्तुति प्रदान की गई। इन तीनों नामों पर जिलाधिकारी एवं समिति के सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। इसके अतिरिक्त, जिन प्रकरणों में समिति द्वारा पूर्व में पुलिस सत्यापन की संस्तुति की गई थी, उन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून से जांच के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर भी जिलाधिकारी और समिति के सदस्यों द्वारा सहमति जताते हुए अपनी संस्तुति प्रदान कर दी गई।बैठक में प्राप्त अन्य आवेदनों पर भी विस्तार से चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। समिति द्वारा तहसील नैनबाग के ग्राम कसोन, पट्टी छैज्यूला निवासी सुरेंद्र सिंह के प्रकरण में यह निर्णय लिया गया कि अगली बैठक में संबंधित व्यक्ति द्वारा विधिवत शपथ पत्र (एफिडेविट) प्रस्तुत करने के उपरांत ही उनके नाम पर अंतिम संस्तुति प्रदान की जाएगी।

इस अहम बैठक में मतेंद्र दत्त बहुगुणा, संजय सजवान, हरिकृष्ण कांसवाल, मुकुल देव, नीतीश कुड़ियाल, शाकम्बरी देवी, कांति कपरान, विजय लक्ष्मी, मनोरमा उनियाल, पूर्णिमा पंवार, नत्थी लाल नौटियाल, सावित्री नौटियाल और सुखदेव बडोनी आदि के प्रकरणों पर भी विचार किया गया जिस पर समिति के सभी सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की। इस अवसर पर समिति के सदस्य देवी सिंह पंवार, लोकेंद्र दत्त जोशी, मुरारी लाल, सतेंद्र भट्ट, पुरुषोत्तम बिष्ट, कुंवर सिंह चौहान, धीरज सिंह राणा सहित स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एक नजर ....

पारंपरिक बैठकी होली में खूब जमाए रंग

श्रीनगर। शहर में पारंपरिक बैठकी होली की धूम के साथ रंगोत्सव का शुभारंभ हो गया। संगीत और सुरों की मधुर संगत के बीच होल्यारों ने शास्त्रीय रागों पर आधारित होली गीत प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय और रंगमय बना दिया। नगर निगम क्षेत्र के घसियामहादेव स्थित टीचर्स कालॉनी में हुए होली मिलन कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री दर्जाधारी व नगर पालिका श्रीनगर के पूर्व अध्यक्ष कृष्णानंद मैठाणी ने पारम्परिक होली गीतों का गायन कर बैठकी होली को जीवंत कर दिया। वरिष्ठ रंगकर्मी विमल प्रसाद बहुगुणा ने होली गायन प्रस्तुत कर दर्शको को मंत्रमुग्ध किया। गढ़वाल विवि के लोक कला निष्पादन केंद्र के उपनिदेशक डॉ. सुभाष पाण्डेय और लता पाण्डेय ने श्रेष्ठतम होली गीतो का गायन कर होली के उत्साह को चरमोत्कर्ष पर पहुंचा दिया। मौके पर गीतकार वीरेन्द्र रतूड़ी, मदन लाल डंगवाल, जय कृष्ण पैन्यूली, अजय प्रकाश चौधरी आदि ने एक से बढ़कर एक गायन प्रस्तुत कर महफिल को रंगीन बना दिया। इस अवसर पर आयोजक कवि नीरज नैथानी, डॉ. आरपी थपलियाल, कटकेश्वर महादेव के महंत महेश गिरि, आरपी कपरुवाण, हीरामणि काला, मीनाक्षी चमोली, हेम चन्द्र ममगाईं, माधुरी नैथानी, अनीता नौडियाल, कौशल्या नैथानी, पूनम थपलियाल, देवेन्द्र उनियाल सहित आदि मौजूद थे।

सर्वाजनिक स्थानों पर गंदगी फैलने पर की चालानी कार्रवाई

श्रीनगर। नगर निगम श्रीनगर क्षेत्रांर्गत खुले में कूडे फेकने और होटल के गंदा पानी को सार्वजनिक रास्तों पर छोडे जाने पर निगम प्रशासन ने दो होटल संचालकों के खिलाफ कार्यवाही की है। सर्वाजनिक स्थानों पर कूडा फेंकने पर नगर निगम प्रशासन सख्त रूख अपना रहा है। बताते चले कि नगर निगम श्रीनगर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाये जाने को लेकर प्रयास कर रहा है। साथ ही लगातार कूडे को कूडे वाहन में डालने की अपील कर रहा है, लेकिन अधिकांश जगहों पर लोग सर्वाजनिक स्थानो पर कूड़ा डालते हुए दिख रहें है। नगर निगम के सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि कूडे को राष्ट्रीय राजमार्ग पर सर्वजनिक स्थानों पर फेंके जाने पर एक होटल संचालक के खिलाफ एंटी लिंटरिंग एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही कर दस हजार रूपये का अर्थदंड वसूला गया है। जबकि एक हटोल संचालक द्वारा होटल का गंदा पानी सार्वजनिक रास्तों पर छोडे जाने कि शिकायत मिल रही थी। जिसका संज्ञान लेते हुए निगम प्रशासन ने होटल संचालक के खिलाफ फिकल स्लज मैनेजमेंट एक्ट के तहत कार्यवाही कर दस हजार रूपये का अर्थदंड वसूला गया है।

अकरी-बारजुला पट्टी में सीएचसी खुलवाने की मांग

श्रीनगर। डागर पट्टी संघर्ष समिति ने राजकीय इंटर कॉलेज पिपलीधार डागर सहित अन्य राजकीय इंटर कॉलेजों में गणित एवं वाणिज्य विषय पर शिक्षकों को नियुक्त किए जाने की मांग की है। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मिले डागर पट्टी संघर्ष समिति के संयोजक गौरव राणा ने राइंका पिपलीधार सहित अन्य विद्यालयों में गणित एवं वाणिज्य विषय पर शिक्षकों के पद खाली पडे हुए है। शिक्षक न होने के चलते छात्र-छात्राओं को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होन जल्द से विद्यालयों में गणित एवं वाणिज्य विषय में शिक्षकों की भर्ती किए जाने की मांग की है। साथ ही विकासखंड कीर्तिनगर के डागर पट्टी एवं अकरी-बारजुला पट्टियों में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुलवाने की मांग भी की। गौरव राणा ने बताया कि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत मामले में ने मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी टिहरी को प्रस्ताव भेजने के लिए निर्देश दिए है।

एसएसपी ने किया पुलिस कार्यालय की महत्वपूर्ण शाखाओं का सघन वार्षिक निरीक्षण

■ एलआईयू आरटीआई और महिला हेल्पलाइन के अभिलेखों की गहन जांच कर दिए नियमित अपडेट के निर्देश,महिला शिकायतों के त्वरित निस्तारण और अदालती आदेशों के सख्ती से पालन पर एसएसपी का विशेष जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने पुलिस कार्यालय की कई महत्वपूर्ण शाखाओं का सघन वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य रूप से स्थानीय अभिसूचना इकाई एलआइयू सूचना का अधिकार आरटीआइ रिट सेल और महिला हेल्पलाइन शाखा के कामकाज का बारीकी से जायजा लिया। एसएसपी ने इन सभी

शाखाओं में मौजूद रजिस्टरों और महत्वपूर्ण सरकारी अभिलेखों का गहनता के साथ परीक्षण करते हुए कर्मचारियों को विभागीय दस्तावेजों को नियमित रूप से अद्यतन रखने के सख्त निर्देश दिए ताकि पुलिस कार्यप्रणाली में पूरी तरह से पारदर्शिता और तेजी बनी रहे।

कार्यालय के सुचारू संचालन को लेकर एसएसपी ने पुलिस मुख्यालय और संबंधित आयोगों द्वारा समय-समय पर जारी होने वाले आदेशों के संकलन हेतु अलग से रजिस्टर तैयार करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों का विभागीय स्तर पर अक्षरशः पालन हर हाल में सुनिश्चित होना चाहिए। इसके साथ ही आरटीआइ और रिट सेल की जांच करते हुए उन्होंने न्यायिक प्रक्रियाओं की अहमियत पर विशेष जोर दिया। संबंधित अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया गया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय की ओर से जारी सभी प्रकार के आदेशों व विधिक दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता के साथ अनुपालन किया जाए।

निरीक्षण के महत्वपूर्ण चरण में एसएसपी ने महिला हेल्पलाइन शाखा के कामकाज की अत्यंत गंभीरता से समीक्षा की। उन्होंने महिला अपराध रजिस्टर अपराध पीड़ित प्रतिकार रजिस्टर राष्ट्रीय व राज्य महिला आयोग रजिस्टर सहित महिला शिकायत काउंसलिंग रजिस्टर का विस्तार से अवलोकन किया।

समाज में महिला सुरक्षा को पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़िताओं की शिकायतों का बिना किसी विलंब के त्वरित निस्तारण किया जाए।

साथ ही पुलिस कर्मियों को सख्त हिदायत दी गई कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की शिकार महिलाओं के प्रति हमेशा संवेदनशील व्यवहार अपनाया जाए और उन्हें उचित न्याय दिलाने के लिए प्रभावी काउंसलिंग की व्यवस्था हो। अंत में सभी शाखाओं के कर्मचारियों को अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण और सूचनाओं के समयबद्ध संकलन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सौरभ फाउंडेशन ने आयोजित किया प्रथम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: सौरभ फाउंडेशन द्वारा स्वर्गीय सौरभ भट्ट की पुण्य स्मृति में आयोजित प्रथम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के आठवें दिवस पर दो रोमांचक मुकाबले खेले गए।पहला मुकाबला ज्ञानशू 11 बनाम चिड़ावीर सालंग 11 के मध्य खेला गया, जिसमें ज्ञानसू 11 ने निर्धारित 15 ओवरों में 102 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए चिड़ावीर सालंग की टीम 15 ओवरों में मात्र 85 रन ही बना सकी, परिणामस्वरूप ज्ञानशू 11 ने 17 रनों से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच के मैन ऑफ द मैच प्रिंस कुमार रहे।दिन का दूसरा मुकाबला हरि महाराज बाड़ागड्डी 11 बनाम नर्सिंग 11 पाव सिंगोट के मध्य खेला गया। इसमें नर्सिंग 11 पाव सिंगोट ने 108 रनों का लक्ष्य दिया, जिसका पीछा करते हुए हरि महाराज बाड़ागड्डी 11 ने 111 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच कैलाश रमोला रहे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बड़े भाई, पूर्व प्रधान रैथल मनोज राणा क्षेत्र पंचायत सदस्य बगसारी धनारी पृथ्वीपाल मटूडा, क्षेत्र पंचायत सदस्य बोंगा सुमित गुसाईं ने खिलाड़ियों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर खेलों के प्रति आकर्षित होना चाहिए, क्योंकि खेल ही स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।कार्यक्रम में सौरभ फाउंडेशन के संरक्षक जसपाल चौहान, सूरज रावत, जयवीर नेगी, अध्यक्ष आक. ाश भट्ट, सदस्य रोहित, श्रीशम बलूनी, सुबोध, हरीश पयाल, दीपक भट्ट, मनीष बिष्ट, विश्व. विद्यालय प्रतिनिधि आयुष बिष्ट, छात्रसंघ अध्यक्ष विनय मोहन चौहान, महासचिव शुभम चमोली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक मालचंद ने विपक्ष के भी कराए हजारों विकास कार्य

दीपेन्द्र सिंह कलूडा

■ पुरोला में आज सिर्फ रिबन काटने और श्रेय लेने की होड़: माल चंद, जनप्रतिनिधियों को शादी-विवाह में अपमानित होना शर्मनाक

पुरोला (उत्तरकाशी)। उत्तराखंड राज्य की पहली विधानसभा पुरोला से दो बार विधायक रह चुके वरिष्ठ नेता मालचंद ने अपने कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों को जनता के सामने रखते हुए वर्तमान राजनी. तिक हालात पर भी तीखा तंज कसा।

पूर्व विधायक मालचंद ने कहा कि वर्ष 2002 में जब उत्तराखंड राज्य का पहला विधानसभा चुनाव हुआ था, उस दौर की परिस्थितियां आज से बिल्कुल अलग थी। उस समय न तो सड़क, संचार व्यवस्था, और मीडिया और सोशल मीडिया की आज के जैसे पहुंच नहीं थी । उन्होंने कहा कि आज तो लोग छोटी-सी बात भी एक मोबाइल के माध्यम से तुरंत साझा कर लेते हैं, लेकिन उस समय कई क्षेत्रों में बिजली तक की व्यवस्था नहीं थी।

उन्होंने बताया कि वे उस समय विपक्ष के विधायक थे और राज्य नया-नया बना था, इसलिए चुनौतियां भी बेहद जटील थीं। उस समय प्रदेश के मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी थे और एक विधायक को मात्र 25 लाख रुपये की विधायक निधि मिलती थी।

पुरोला क्षेत्र के पूर्व मालचंद ने कहा कि उस समय की पुरोला विधानसभा क्षेत्रफल की दृष्टि से अत्यंत विशाल थी। विधानसभा का विस्तार मौंडा-बलावट (आराकोट क्षेत्र) से लेकर सरनौल (ठकराल पट्टी, वर्तमान यमुनोत्री विधानसभा क्षेत्र) तथा ध्याड़ी-सीतवाड़ी (डामटा क्षेत्र) तक फैला हुआ था। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि एक-एक गांव को मात्र पांच हजार रुपये भी विधायक निधि से दिए जाते, तो पूरे पांच वर्षों की निधि में भी सभी गांवों तक पहुंच संभव नहीं थी।इसके बावजूद, उन्होंने अपने कार्यकाल में शिक्षा, सड़क और आधारभूत ढांचे को प्राथमिकता देने का भरपूर प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मेरे प्रयासों से अनेक विद्यालयों का उच्चीकरण किया गया, नए विद्यालय भवनों का निर्माण हुआ, सैकड़ों गांवों को सड़क मार्ग से जोड़ा गया तथा दर्जनों स्थानों पर पुलों का निर्माण कराया गया।उन्होंने बताया कि जल संस्थान का कार्यालय पुरोला मेने लाया नहीं तो प्रताप नगर जा रहा था। दोबारा डिवीजन शुरू करवाया गया है।वहीं कीमी-रस्ताड़ी रोड, भाटिया रोड, दुणी स्कूल, संकरी स्कूल, कंडारी स्कूल, कपनोल, गंगटाटी , स्कूल सैकड़ों कालेजों को उच्चीकृत किया है।

- बणाल की लाइफ लाइन पौंती पुल के लिए 7 दिन तक अनशन करके स्वीकृति कराई गई। बड़कोट पौंटी पुल के लिए आंदोलन करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि पुरोला विधायक के नहरे, बाढ़ सुरक्षा कार्य समेत तमाम कार्य मेरे कार्यकाल में हुए है।उन्होंने कहा कि यदि आज का कोई भी युवा या नागरिक उस समय हुए विकास कार्यों की जानकारी लेना चाहता है, तो यह उसका अधिकार है। लोग चाहें तो सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से भी पूरे तथ्यों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।इसी दौरान मालचंद ने मौजूदा विधायक पर चुटकी लेते हुए कहा कि आज पुरोला विधानसभा में सरकार का विधायक है, लेकिन वे अपने प्रयासों से हुए कार्यों की बजाय केंद्र सरकार और टिहरी गढ़वाल सांसद के प्रयासों से स्वीकृत एवं संचालित सड़कों के कार्यों का श्रेय लेने में लगे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कार्यों में केवल रिबन काटने तक सीमित रहना, वास्तविक विकास की राजनीति नहीं कही जा सकती।पूर्व विधायक ने व्यंग्यात्मक लहजे में यह भी कहा कि वर्तमान जनप्रतिनिधि शादी-विवाह जैसे निजी कार्यक्रमों में अपमानजनक परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, जो पूरी पुरोला विधानसभा के लिए शर्मनाक है।उन्होंने कहा कि राजनी. ति का उद्देश्य केवल प्रचार और फोटो खिंचवाना नहीं, बल्कि जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होना चाहिए। जनता अब जागरूक है और वह यह भली-भांति समझती है कि वास्तविक विकास किसने किया और कौन केवल श्रेय लेने की होड़ में लगा हुआ है। वहीं भाजपा कार्यकर्ता सोबेंद्र सिंह पंवार निवासी चंदेली का कहना है की, पूर्व विधायक मालचंद के कार्यकाल में चंदेली नेत्री सड़क का कटिंग एवं डामरीकरण खलाड़ी नेत्री सड़क कटिंग एवं डामरीकरण ,लिफ्ट चंद. ेली, स्वील में लगी है। उन्होंने बताया कि पूर्व विधायक एक मिलन सार और जनता के सुख दुख का साथी है।

केदारनाथ यात्रा: घोड़ा-खच्चरों का बीमा, फिटनेस व पंजीकरण 6 फरवरी से

शाह टाइम्स संवाददाता

रूद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की आगामी यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ पशुपालन विभाग ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। यात्रा में संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों के बीमा, फिटनेस परीक्षण और पंजीकरण की प्रक्रिया 26 फरवरी से शुरू की जाएगी।

पशुपालन विभाग के अनुसार, विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी यात्रा प्रारंभ होने से लगभग डेढ़ माह पूर्व यह प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। होली तक तीन से चार विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। होली अवकाश के बाद पुन: शिविर लगाए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक पशुपालक समय पर अपने घोड़े-खच्चरों का पंजीकरण करा सकें।

पशुपालकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन दो कैंप लगाए जाएंगे। इन शिविरों में पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण (फिटनेस), बीमा और पंजीकरण की समस्त औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्रा में संचालित होने वाले सभी घोड़े-खच्चरों का बीमा अनिवार्य रहेगा।

बिना बीमा और फिटनेस प्रमाणपत्र के किसी भी पशु को यात्रा मार्ग पर संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव गोयल ने बताया कि केदारनाथ यात्रा में घोड़े-खच्चरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हजारों श्रद्धालु गौरीकुंड से केदारनाथ तक की कठिन पैदल यात्रा इन्हीं पशुओं के माध्यम से पूरी करते हैं। ऐसे में उनका स्वस्थ, सुरक्षित और पंजीकृत होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पशुपालकों से वे निर्धारित तिथियों पर कैंप में पहुंचकर समय से सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने की अपील की, जिससे यात्रा संचालन सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

मेक-इन-इंडिया पहल के तहत आईआईटी रुड़की ने

इंडोबेल इंसुलेशन्स को हस्तांतरित की थर्मल रैप्स प्रौद्योगिकी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) ने एरोजेल थर्मल रैप्स प्रौद्योगिकी का तकनीकी ज्ञान (नो-हाउ) सफलतापूर्वक इंडोबेल इंसुलेशन्स लिमिटेड को हस्तांतरित किया है, जिससे उन्नत सामग्रियों के वास्तविक अनुप्रयोग हेतु उद्योगख्शैक्षणिक सहयोग को और सुदृढ़ किया गया है।

प्रो. कौशिक पाल और सुश्री गुंजन शर्मा, आईआईटी रुड़की, ने इस नवाचार का विकास और क्रियान्वयन किया है। यह प्रौद्योगिकी एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा प्रणालियों, पर्यावरणीय समाधान तथा निर्माण क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में संभावित अनुप्रयोग प्रदान करती है। यह नवाचार उन निर्माताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होने की अपेक्षा है जो कुशल और स्केलेबल थर्मल इंसुलेशन समाधान की तलाश में हैं। इस विकास पर बोलते हुए, प्रमुख आविष्कारक प्रो. कौशिक पाल ने कहा यह प्रौद्योगिकी व्यावहारिक, हल्के इंसुलेशन समाधान विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अत्यधिक परिस्थितियों में भी विश्वसनीय प्रदर्शन कर सके। इसकी बहुउपयोगिता इसे विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग के लिए उपयुक्त बनाती है। इंडोबेल इंसुलेशन्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विजय बर्मन ने इस नवाचार को व्यापक स्तर पर लागू करने की कंपनी की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा, "हम इस प्रौद्योगिकी को बड़े पैमाने पर लागू करने और उन्नत इंसुलेशन समाधान बाजार तक पहुंचाने के लिए आईआईटी रुड़की के साथ निकट सहयोग की आशा करते हैं। यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभावशाली अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करने तथा सतत प्रौद्योगिकियों को अपनाने में समर्थन देने के आईआईटी रुड़की के प्रयासों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

परिवहन कर विभाग ने एक स्कूली बस की सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र में परिवहन कर अधिकारी मुकेश भारती व उनकी टीम के द्वारा लक्सर तहसील क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया है जिसमें उन्होंने कई चालान किये है और एक स्कूली वाहन को पड़कर सीज कर दिया है। परिवहन कर अधिकारी एआरटीओ मुकेश भारती ने बताया कि आरटीओ के निर्देशों के अनुपालन में स्कूली बसों व अन्य वाहनों के खिलाफ चेकिंग की जा रही है उन्होंने बताया आज 10 वाहनों के चालान कर किए गए हैं और एक स्कूली वाहन को बिना वैध पर पत्रों के संचालित पाया गया जिसको पुलिस चौकी में बंद किया गया है। उन्होंने कहा नाबालिक बच्चे जो वहांन चला रहे हैं उनके खिलाफ भी हमारे द्वारा कार्यवाही की जा रही है उन्होंने यह भी कहा कि सभी आमजन अपने नाबालिक बच्चों से वहांन न चलवाए क्योंकि नाबालिक बच्चे वहांन को तेज गति से चलाते हैं और किसी घटना को भी अंजाम दे देते हैं इसीलिए नाबालिक बच्चे वहांन ना चलाएं उन्होंने यह भी कहा कि बगैर पर पत्रों के जो गाड़ी वहांन मिलेगा उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी और बिना पर पत्रों के जो भी वहांन चलाएगा उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

मंगलौर पुलिस ने साइबर ठगों से पीड़ित को 50 हजार वापस दिलाए

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर पुलिस ने एक व्यक्ति की खोई हुई जमापूंजी वापस दिलाकर सराहनीय कार्य किया है। साइबर ठगों का शिकार हुए एक फैक्ट्री कर्मी को पुलिस की तत्परता के कारण पीड़ित के 50 हजार रुपए वापस मिल गए हैं। जिसके बाद पीड़ित ने मंगलौर पुलिस का तहे दिल से आभार व्यक्त किया।

पुलिस के मुताबिक पंकज कुमार पुत्र मेघराज निवासी सहारनपुर जो मंगलौर कोतवाली क्षेत्र की एक फैक्ट्री में कार्यरत हैं, पंकज कुमार के साथ गत माह जनवरी मे पीएफ,चालान प्रेषित करने के नाम पर 50 हजार रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई थी। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित द्वारा तुरंत मंगलौर पुलिस को सूचना दी गई थी। कोतवाली प्रभारी के आदेश पर कार्यालय में नियुक्त कास्टेबल जफर हुसैन ने बिना समय गंवाए कुशल तकनीकी सहायता ली और संबंधित एजेंसी से पत्राचार कर ठगों के खाते को तत्काल फ्रीज करवा दिया गया। लगातार फॉलोअप और तकनीकी जांच के परिणाम स्वरूप, 24 फरवरी को पंकज कुमार की 50 हजार रुपए की धन राशि उसके खाते में वापस आ गई। जिसके बाद पंकज कुमार ने मंगलौर पुलिस का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने साइबर ठगों से सावधान रहने तथा सतर्क रहने की अपील की है।

अशासकीय विद्यालय प्रबंधक एसो. की बीएसएम कॉलेज में बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अशासकीय विद्यालय प्रबंधक एसोसिएशन जनपद हरिद्वार की मंगलवार को बी एस एम लॉ कॉलेज रुड़की में आहूत बैठक में नियुक्तियों के लिए सरकार के आयोग गठन के विरोध में प्रबंधको ने कहा कि यदि सरकार अपना निर्णय वापस नहीं लेती है तो उन्हें सामूहिक रूप से विद्यालयों का वेतन अनुदान वापस करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बीएसएम इंटर कॉलेज रुड़की के प्रबंधक ममतेश शर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता तथा मीडिया प्रभारी डॉक्टर घनश्याम गुप्ता प्रबंधक खानपुर के संचालन में आयोजित अशासकीय विद्यालय प्रबंधक एसोसिएशन की बैठक को संबोधित करते हुए प्रांतीय संरक्षक चंद्र मोहन सिंह पयाल ने कहा कि सरकार को प्रबंध तंत्र से नियुक्ति का अधिकार छीनकर आयोग गठित करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ब्रह्म समाज शिक्षा समिति बनाम पश्चिम बंगाल सरकार मामले में स्पष्ट किया जा चुका है कि सरकार को नियुक्ति प्रक्रिया संबंधी नियम बनाने का अधिकार है लेकिन प्रबंध तंत्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं छीना जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार के आयोग गठन किए जाने के विरोध में प्रदेश के अशासकीय विद्यालयों के प्रबंध तंत्र सामूहिक रूप से विद्यालयों का वेतन अनुदान वापस करने के लिए बाध्य होंगे।

सभा अध्यक्ष बीएसएम शिक्षण संस्थान समूह के चेयरमैन ममतेश शर्मा एडवोकेट ने कहा कि यदि सरकार नियुक्ति का अधिकार अपने हाथ में लेना चाहती है तो विद्यालयों

में भवन निर्माण, फर्नीचर व्यवस्था, मेंटेनेंस,ऑफिस व्यवस्था सहित अन्य प्रकार की समस्त व्यवस्था की जिम्मेदारी भी कर्तव्य के रूप में सरकार को लेनी पड़ेगी। देहरादून के जिलाध्यक्ष एडवोकेट संजीव विरमानी तथा पौड़ी के जिला मंत्री उत्तम सिंह नेगी ने कहा कि सरकार अशासकीय विद्यालयों का प्रबंध संचालकों को नियुक्त कर शोषण कर रही है जिसका हर मोर्चे पर विरोध होगा तथा आयोग गठन के विरोध में सभी जनपदों से विरोध पत्र सरकार को प्रेषित किए जाएंगे। संगठन के जनपदीय संरक्षक राजकुमार चौहान एडवोकेट वरिष्ठ अधिवक्ता ने स्पष्ट किया कि वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया में आवेदन पत्र विक्रय, संग्रहित करने,मेरिट लिस्ट बनाने का समस्त कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है स साक्षात्कार में भी तीन विषय विशेषज्ञ तथा पर्यवेक्षक विभाग द्वारा ही नामित किए जाते हैंस पांच अंक के साक्षात्कार में दो से कम व चार से अधिक अंक देने पर उसका कारण अंकित किए जाने का प्रावधान है। विभाग का संपूर्ण नियंत्रण होने के बावजूद भी बार-बार प्रबंध तंत्रो पर नियुक्तियों में गड़बड़ी करने के अनर्गल आरोप लगाए जाते रहते हैं जिसमें आज तक कोई भी प्रबंधक दोषी नहीं पाया गया है यह किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएंगा। जिला मंत्री एवं जिला पंचायत सदस्य अरविंद राठी तथा जिला पंचायत सदस्य व रोहलकी के प्रबंधक जयंत चौहान ने कहा कि सरकार ने अशासकीय विद्यालयों के स्थाई व नॉन प्लान के पदों को तीन माह तक खाली रहने पर पुनर्जीवित करने का नया शिगुफा छोड़ दिया है जबकि अधिनियम में स्थाई पदों के मृत न होने का स्पष्टीकरण दिया गया है स इस प्रकार से तो शिक्षा निदेशक का पद भी लंबे समय से प्रभार में चल रहा है वह भी मृत माना जाना चाहिए।

बी एस एम डिग्री कॉलेज के डायरेक्टर रजनीश शर्मा एडवोकेट ने बैठक में कार्य भार ग्रहण की तिथि को अर्ह वरिष्ठतम शिक्षक को 6600 ग्रेड पे देकर डाउनग्रेड प्रधानाचार्य बनाने तथा ढाई वर्ष की अवधि में 7600 ग्रेड पे वाले प्रधानाचार्य बनाए जाने और डाउन ग्रेड मिलते ही उनके पद को रिक्त घोषित करने की मांग उठाई।

ऊर्जा विभाग ने कलियर में चलाया चेकिंग अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। ऊर्जा निगम की टीम ने अवर अभियंता गोपाल सैनी के नेतृत्व में कलियर नगर पंचायत क्षेत्र में बिजली बकायादारों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान बकाया जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के करीब 15 बिजली कनेक्शन काटे गए जबकि करीब साढ़े तीन लाख रुपये की बकाया राशि वसूल की गई।

मंगलवार को चलाए गए इस अभियान के तहत ऊर्जा निगम ने बकाया वसूली के लिए मुकरर्बपुर में कैंप भी लगाया जहां उपभोक्ताओं से बकाया जमा कराया गया। अवर अभियंता गोपाल सैनी ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने निर्धारित समय पर बकाया जमा नही किया उनके कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है। बकायादारों के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वह समय पर बिजली बिल जमा करें ताकि किसी भी तरह की कार्रवाई से बचा जा सके।अभियान के दौरान ऊर्जा निगम की टीम में गुड़ा थोकी , यूनुस मोहसिन,उस्मान सहित अन्य ऊर्जा निगम के कर्मचारी मौजूद रहे।

बेहतर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हज हाउस सभागार में

शहरी जल आपूर्ति प्रणाली सुधार परियोजना के तहत महत्वपूर्ण बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी पिरान कलियर में बेहतर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हज हाउस सभागार में 'शहरी जल आपूर्ति प्रणाली सुधार परियोजना' के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था के कायाकल्प का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया गया।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी के सहयोग से नगर पंचायत पिरान कलियर में दो अत्याधुनिक पानी के टैंक तथा नई पेयजल पंपिंग योजना का निर्माण कराया जाएगा। करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस परियोजना से क्षेत्र के लगभग 4600 परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। योजना के तहत प्रतिदिन 22 घंटे निर्बाध और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी जिससे दूषित पानी से फैलने वाली बीमारियों से लोगों को राहत मिलेगी। बैठक में विधायक हाजी फुरकान अहमद, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सलीम अहमद,सभासदों तथा जल निगम के अधिकारियों की मौजूद रहें। सहायक अभियंता आजाद सिंह ने परियोजना की तकनीकी विशेषताओं और इसके लाभों की विस्तार से जानकारी दी।विधायक हाजी फुरकान अहमद ने परियोजना को क्षेत्र के लिए मील का पत्थर

बताते हुए कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासी स्वच्छ पेयजल की मांग कर रहे थे। इस योजना से न केवल पानी की बर्बादी रुकेगी बल्कि हर घर तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति संभव हो सकेगी। बैठक में सहायक अभियंता सलमान गौड़, अपर सहायक अभियंता प्रसून गुप्ता, मुकेश भट्ट, चेयरमैन प्रतिनिधि सलीम अहमद, सभासद नाजिम त्यागी, अमजद मलिक, राशिद अली, डॉ. शहजाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

पुलिस ने 24 घंटे में किया ट्रक चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोतवाली गंगनहर पुलिस ने ट्रक चोरी की घटना का महज 24 घंटे में खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया ट्रक बरामद कर लिया है। पुलिस की सक्रियता और तत्परता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। 23 फरवरी 2026 को वादी सतीश कुमार निवासी सलेमपुर (मूल निवासी हबीबपुर निवादा, थाना भगवानपुर, जनपद हरिद्वार) ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि अज्ञात चोर द्वारा रात्रि में उनका 06 टायरा ट्रक चोरी कर लिया गया है। मामले में तत्काल अभियोग पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व पुलिस उपाधीक्षक रुड़की के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। 24 फरवरी 2026 को पुलिस टीम ने सालियर अंडरपास क्षेत्र से एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसकी पहचान विजय कुमार (20 वर्ष) पुत्र विपिन कुमार निवासी कुमराड़ी मस्जिद के पास, कोतवाली मंगलौर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई। आरोपी के कब्जे से चोरी गया ट्रक बरामद कर लिया गया। आरोपी कोन्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस टीमप्रभारी निरीक्षक, कोतवाली गंगनहर मणि भूषण श्रीवास्तव, उ0नि0 पंकज कुमार, हेड कांस्टेबल इसरार अली, कांस्टेबल नितिन, शामिल रहे।

बत्रा ने मयूर विहार में सड़क निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मयूर विहार क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का आज विधायक प्रदीप बत्रा ने स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की गहन समीक्षा की तथा मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नरीक्षण के दौरान विधायक बत्रा ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें रखीं। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा, "जन-समस्याओं का शीघ्र निस्तारण और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में और तय मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए।

लेखपाल व अधिवक्ताओं के बीच विवाद अभी शांत, कार्य बहिष्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर तहसील में पिछले कुछ दिनों से लेखपालों और अधिवक्ताओं के बीच चल रहा गतिरोध फिलहाल समाप्त हो गया है। दोनों पक्षों के बीच हुई मामूली कहासुनी के बाद शुरू हुआ धरना और कार्य बहिष्कार वापस ले लिया गया है, जिससे तहसील में कामकाज फिर से पटरी पर लौट आया है।विवाद की मुख्य वजह

जानकारी के अनुसार लक्सर तहसील में पिछले कुछ दिनों से लेखपालों और अधिवक्ताओं के बीच चल रहा गतिरोध फिलहाल समाप्त हो गया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय पाल पंवार के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब एक अधिवक्ता अपने कार्य के सिलसिले में लेखपाल राणा के पास गए थे। आरोप है कि लेखपाल ने न केवल उनके साथ अभद्रता की, बल्कि कमरे से बाहर जाने को कहा। साथ ही, अधिवक्ता के साथ मौजूद अन्य व्यक्ति के खिलाफ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं।गंभीर आरोपों के घेरे में लेखपालअध्यक्ष उदय पाल पंवार ने लेखपालों पर कई तीखे प्रहार किए हैं:हथियार का प्रदर्शन: आरोप है कि लेखपाल तहसील परिसर में पिस्तौल लेकर आते हैं, जिससे आम जनता और अधिवक्ताओं में भय का माहौल रहता है।संपत्ति की जांच की मांग: बार एसोसिएशन ने संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर लेखपालों की संपत्ति की जांच करने की मांग की है। उनका तर्क है कि वेतन के अनुपात में लेखपालों के पास अत्यधिक संपत्ति है।भ्रष्टाचार के आरोप: सूत्रों और एसोसिएशन का दावा है कि लेखपाल आम जनता की जायज पैमाइश के लिए समय नहीं निकालते, लेकिन शनिजी हितोंश के साधने पर अवैध पैमाइश को भी अंजाम दे देते हैं। प्रशासनिक हस्तक्षेप से सुलझा मामला-विवाद बढ़ने पर लेखपालों ने अधिवक्ताओं के खिलाफ पुलिस में तहरीर दी थी, जिसके जवाब में एडवोकेट संगठन ने भी मोर्चा खोल दिया। एसपी देहात के हस्तक्षेप और आश्वासन के बाद अधिवक्ताओं ने फिलहाल अपना विरोध वापस लिया है।अभी कार्य बहिष्कार केवल स्थगित किया गया है। यदि अगले 15-20 दिनों के भीतर इस मामले का पूर्ण रूप से सम्मानजनक समाधान नहीं हुआ, तो अधिवक्ता संगठन आगे की रणनीति तैयार कर बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा-उदय पाल पंवार, अध्यक्ष, बार एसोसिएशन।

बदमाशों का युवक पर जानलेवा हमला, गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। झबरेड़ा थाना क्षेत्र में देर शाम बेखौफ बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे मरणासन्न हालत में छोड़ दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, झबरेड़ा के कोटवाल आलमपुर गांव के पास तीन युवक एक ही बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। बताया जा रहा है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे दर्जनों अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन्हें चारों ओर से घेर लिया। हमलावरों के हाथों में धारदार हथियार थे, जिन्हें देखकर बाइक सवार युवकों के होश उड़ गए। हमले की अचानकता का फायदा उठाते हुए दो युवक किसी तरह मौके से जान बचाकर भागने में सफल रहे, लेकिन राहुल नामक युवक बदमाशों के चंगुल में फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावरों ने राहुल पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार किए। वार इतने बेरहमी से किए गए कि युवक लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। भीड़ को अपनी ओर आता देख हमलावर युवक को मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए घायल राहुल को रुड़की के सिविल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। घटना की सूचना मिलते ही झबरेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है।

खानपुर पुलिस ने छात्राओं को सुरक्षा, साइबर जागरूकता व आत्मरक्षा के प्रति किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर/खानपुर। थाना खानपुर क्षेत्र में पुलिस द्वारा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसमें आमजन को विभिन्न विषयों पर जागरूक करने, उनकी समस्याएं सुनने तथा सुझाव प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में दिनांक 24-02-2026 को थाना खानपुर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के एक कन्या इंटर कॉलेज में 'गौरा शक्ति मिशन' के अंतर्गत विशेष बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षकगणों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को उत्तराखंड पुलिस ऐप के उपयोग की प्रक्रिया, यातायात नियमों का पालन, साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार एवं उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध, मानव तस्करी, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, बढ़ती नशे की प्रवृत्ति एवं उसके दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला गया। छात्राओं को आपातकालीन सेवा डायल- 112 एवं साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी देते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया। एटीएम/बैंक फ्रॉड से बचाव तथा सोशल

मीडिया पर सावधानी बरतने के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए गए। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं की समस्याएं सुनीं और उनके सुझाव प्राप्त कर उन्हें भरोसा दिलाया कि पुलिस हर समय उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है। थाना खानपुर पुलिस द्वारा 'गौरा शक्ति मिशन' सहित अन्य जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे समाज में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण सुदृढ़ हो सके।

पुलिस ने दरगाह क्षेत्र में चलाया चेकिंग अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। दरगाह साबिर पाक परिसर में रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को पुलिस ने दरगाह परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाकर रील बनाने वालों को कड़ी चेतावनी दी।

पिरान कलियर निवासी मोईन साबरी ने दरगाह परिसर में कुछ लोग रील बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने की शिकायत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की से की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुछ असामाजिक तत्व धार्मिक स्थल की मर्यादा का उल्लंघन कर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।शिकायत के बाद प्रशासन की ओर से दरगाह परिसर में चेतावनी बोर्ड लगवाए गए थे जिनमें रील और वीडियो बनाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद कुछ लोग लगातार वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर रहे थे।मंगलवार को एसआई उपेंद्र कुमार ने पुलिस टीम के साथ दरगाह परिसर में अभियान चलाया। इस दौरान रील बना रहे लोगों को सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में ऐसा करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि ज्वाइंट

मजिस्ट्रेट के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि दरगाह की पवित्रता और जायरीनों की भावनाओं से किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। यदि कोई भी व्यक्ति धार्मिक स्थल की मर्यादा भंग करता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 25 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

तीसरी वार्ता पर नजर

एक तरफ जहां गुरुवार से अमेरिका और ईरान के बीच जिन. `वा में तीसरे दौर की बातचीत होने जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ जिस तरह के हालात बन रहे हैं, वह बिल्कुल भी आश्वस्त करते दिखाई नहीं दे रहे हैं। अमेरिका-ईरान की ही बात करें, एक तरफ वे वार्ता के माध्यम से किसी हल पर पहुं. चने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ युद्ध की तैयारी में भी लगे हुए हैं। अमेरिका जहां ईरान को घेरने के लिए अपने सबसे बड़े बेड़े व आधुनिक युद्ध पोतों से ईरान को घेरे हुए है, तो वहीं ईरान भी किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार होने की बात कह रहा है। अब कोई भी समझ सकता है कि इस तरह के वातावरण में किसी भी वार्ता का क्या हल निकल सकता है। इसलिए लोग गुरुवार को होने वाली वार्ता के विषय में भी ज्यादा शांति की उम्मीद नहीं लगा रहे हैं। पश्चिम देश तो पहले से ही अपने नागरिकों को ईरान छोड़ने की नसीहत दे रहे हैं और अब भारत भी उन देशों में शामिल हो गया है, जिसको अपने नागरिकों की सुरक्षा की चिंता है। भारत ने भी कह दिया है कि जहां भी ईरान में भारतीय नागरिक हों, वे सुरक्षित स्थानों पर जमे रहें और संभव हो तो ईरान को तुरंत छोड़ दें। जाहिर है इस तरह की चेतावनियां तभी दी जाती हैं, जब हालातों के बिगड़ने का अंदेशा होता है। यूं तो अमनपसंद लोग यह चाहते हैं कि ईरान व अमेरिका के बीच परमाणु बेलेस्टिक मिसाइल को लेकर बढ़ता तनाव शांतिपूर्वक तरीके से कम हो जाए, अगर ऐसा नहीं होता, तो इसके बहुत विनाशकारी परिणाम सामने आ सकते हैं। अगर अमेरिका-ईरान के बीच टकराव होता है तो यह केवल दो देशों के बीच का टकराव नहीं होगा। अमेरिका के साथ जहां इजरायल व पश्चिमी देश खड़े दिखाई दे रहे हैं, तो वहीं ईरान के साथ रूस, चीन, उ. कोरिया जैसे देश ईरान को सहयोग देते दिखाई दे रहे हैं। रूस ने तो कह भी दिया है कि वह ईरान के साथ खड़ा है, तो वहीं चीन ने भी ईरान पर हमले की सूरत में गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ऐसा नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति आज के समय की गंभीरता को नहीं समझते, अगर वह ऐसा न करते तो अब तक कभी का हमला कर चुके होते, लेकिन यहां दूसरी दिक्कत यह भी है कि दोनों ही पक्ष इतनी दूर तक आगे बढ़ चुके हैं जहां से पीछे लौटना इतना आसान भी नहीं है। हालांकि ईरान की इस बात के लिए प्रशंसा करनी होगी कि उसने तनाव कम करने के लिए परमाणु मुद्दों पर बात करने पर अपनी रजामंदी जाहिर की है और कहा है कि अगर उस पर से अमेरिका प्रतिबंध हटाता है तो वह यूरेनियम संवर्धन पर विचार कर सकता है। जबकि अमेरिका बेलेस्टिक मिसा. इल कार्यक्रम को बंद करने के लिए दबाव डाल रहा है। ईरान ने इससे साफ इन्कार कर दिया है, ऐसे में गेंद अब अमेरिका के पाले में है। वह शांति का रास्ता चुनता है या दुनिया को विनाश के रास्ते पर डालता है।

कांग्रेस डरने वाली नहीं है

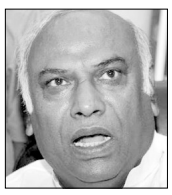

कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता नहीं, बल्कि श्री मोदी खुद डरपोक हैं जो संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने से भी डरते हैं, उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर किसानों का नुकसान किया है और उसके खिलाफ जब युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें डराने के लिए गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है, युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल खराब हो चुका है, जिसके कारण मोदी जी के प्रति लोगों में भारी रोष है, श्री ट्रम्प के सामने उन्होंने घुटने टेक दिए, नाक रगड़कर उनकी सारी शर्तों को मान लिया, जिससे पूरा देश शर्मिंदा हो गया। जो काम हमारे किसानों की भलाई और मदद के लिए किया जाना चाहिए था, उसकी बजाय किसानों का नुकसान करने की बात. चीत की गई।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

कानूनी ब्लैक होल्स की धारणा

30 अप्रैल 2020 के दिन नासा ने तीन निजी कंपनियों को 2024 का चंद्र अभियान पूरा करने के लिए 96.7 करोड़ डॉलर का एक संयुक्त ठेका दिया था। नासा के प्रशासक जिम ब्राइडेनस्टोन ने दावा किया था कि यह वह अंतिम मोहरा है जिसकी जरूरत अमेरिका को चंद्रमा तक पहुंचने के लिए थी। इस बात को मीडिया में तो खूब प्रसा. रित किया गया था, लेकिन इस बात पर बहुत कम चर्चा हुई थी कि अंतरिक्ष अभियानों को लेकर जो मौजूदा कानून संधियां हैं वे निजी कंपनियों के उपक्रमों पर किस हद तक लागू होते हैं। दरअसल, कॉर्पोरेट जगत द्वारा धरती से बाहर कदम जमाने के चलते आशाओं और चिंताओं दोनों को हवा मिली है। चिंताएं और आशाएं अंतरिक्ष में बढ़ते पूंजीगत निवेश के संभावित लाभों को लेकर हैं।

1967 में राष्ट्र संघ बाह्य अंतरिक्ष संधि OST मंजूर की गई थी। यह यूएस के तथाकथित नव-अंतरिक्ष किरदारों के उदय के संदर्भ में विश्लेषण का एक ढांचा माना गया था। इस लेख का तर्क है कि बाह्य अंतरिक्ष में निजी कंपनियों की मौजूदगी को लेकर कई महत्वपूर्ण कानूनी अस्पष्टताएं हैं। इन खामियों की वजह से ही यूएस सरकार को यह गुंजाइश मिली है कि वह OST के अंतर्गत अपने दायित्वों को दरकिनार कर सके और साथ ही संरचना को परिवर्तित करके अंतरिक्ष की वैश्विक साझा संसाधन की धारणा को ठेस पहुंचा सके। OST के अंदर अंतरिक्ष के संसाधनों को लेकर निजी संपदा अधिकारों को लेकर विशिष्ट प्रावधान न होने के कारण यह जोखिम पैदा हो रहा है कि धरती के संसाधनों में जो गैर-बराबरी है वह, और अंतरिक्ष में यूएस का दबदबा दोनों अंतरिक्ष के संसाधनों पर भी लागू हो जाएंगे। इस तरह से, अंतरिक्ष के लाभ एक व्यापक विश्व समुदाय की बजाय मुट्ठीभर धनवान अमेरिकी निवेशकों के हाथों में सिमट जाएंगे।

इसके अलावा, OST में अंतरिक्ष निरीक्षण के नियमन को लेकर जो कमजोर प्रावधान हैं, उनके चलते यूएस उपग्रहों के नेटवर्क global panopticon को बढ़ावा मिलेगा। दोहरे उपयोग वाली टेक्नॉलॉजी के उभार की वजह से सैन्य और नागरिक अवलोकनों के बीच का अंतर धुंधला पड़ रहा है। इसके चलते यूएस द्वारा अंतरिक्ष-आधारित डैटा संग्रह की प्रकृति को लेकर गंभीर नैतिक चिंताएं पैदा हुई हैं और अंतिम बात कि निजी उपग्रहों की बढ़ती संख्या इस बात की संभावना बढ़ा रही है कि अंतरिक्ष में फैले मलबे के बीच भयानक टक्करें होंगी और भू-राजनैतिक तनाव बढ़ेंगे। इस तरह के विकास की वजह से अंतरिक्ष में ऐसे अपमिश्रण की आशंका भी कई गुना बढ़ गई है, जिसकी कल्पना OST में नहीं की गई थी।

राष्ट्र संघ बाह्य अंतरिक्ष संधि और नव-अंतरिक्ष किरदार

हालांकि OST 1967 में अस्तित्व में आई थी, लेकिन संभवत: आज भी यही एक प्रासंगिक उपकरण है जिसके तहत बाह्य अंतरिक्ष में राज्य तथा गैर-राज्य गतिविधियों का विश्लेषण किया जा सके। शीत युद्ध के चरमोत्कर्ष पर अंतरिक्ष के सैन्यकरण तथा राष्ट्रों द्वारा आकाशीय पिंडों पर कब्जे, दोनों की रोकथाम के संदर्भ में OST का प्रमुख स्थान है। 100 से ज्यादा राष्ट्रों ने इसका अनुमोदन किया है, जिनमें यूएस, रूस व चीन जैसे प्रमुख अंतरिक्ष यात्री राष्ट्र शामिल हैं और इस प्रकार से यह संधि एक अधिकारिक दस्तावेज के तौर पर व्यापक रूप से मान्य है और यही बाद में बनने वाली अन्य अंतरिक्ष संधियों का आधार रही है। यह संधि बाद के दस्तावेजों से इस मायने में भिन्न है कि कई देश इन पर हस्ताक्षर करने से कतराते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 1972 की चंद्रमा संधि जिसका उद्देश्य चंद्र अभियानों और विकास में सहयोग को बढ़ावा देना है। बाह्य अंतरिक्ष के क्षेत्र में शामिल हो रहे अमेरिकी किरदारों में बहुत विविधता आई है। हालांकि ए 1950 के दशक से ही नासा के साथ काम करते रहे हैं, लेकिन तब व्यावसायिक उद्यम मूलत: रॉकेटों तथा अंतरिक्ष गतिविधियों से सम्बंधित अन्य पुर्जों का उत्पादन किया करते थे, लेकिन अपोलो 11 के चांद पर उतरने के बाद से नासा के बजट में कुल मिलाकर तेज गिरावट देखी गई और इसके साथ ही सरकारी कार्यों के निजीकरण की प्रवृत्ति भी बढ़ी। इसकी वजह से निजी अंतरिक्ष कंपनियों की क्षमताएं और नजरिया दोनों बदले हैं। एक ओर अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में विश्व स्तर पर विस्तार हो रहा है, वहीं 2012 से 2013 के दरम्यान सरकारों का खर्च 1.3 प्रतिशत कम हुआ है और व्यावसायिक क्षेत्र में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में विस्तार का प्रमुख जोर तथाकथित 'नव-अंतरिक्ष' किरदारों से आया है। यह मूलत: यूएस स्थित उद्यमी हैं जो 30 से अधिक वर्षों से अंतरिक्ष को व्यावसायिक क्षेत्र बनाने का प्रयास करते आए हैं। अर्थव्यवस्था के उदारवादी नजरिए से चालित और अंतरिक्ष खोजबीन में नासा की ऐतिहासिक पकड़ के आलोचक यह किरदार स्वयं को 'अंतिम मोर्चे' के अग्रणि किरदार कहते आए हैं जो निजी वित्तपोषित अंतरिक्ष अभियानों के जरिए मानवता को विलुप्ति से बचाएंगे।

पृथ्वी के नजदीकी पिंड और संसाधन का खनन, अंतरिक्ष में यूएस की निजी संपत्ति

अपोलो अभियानों की मदद से प्राप्त चंद्रमा की चट्टानों के नमूनों में हीलियम-3 जैसे दुर्लभ तत्व हैं जो पृथ्वी पर पारंपरिक नाभिकीय परमाणु बिजली घरों की अपेक्षा ज़्यादा बिजली पैदा कर सकते हैं और इनमें कचरा भी कम पैदा होगा। ऐसे ही संसाधनों ने धरती से परे

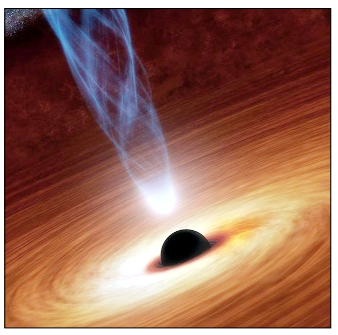

संसाधनों के खनन के लिए प्रलोभन-प्रोत्साहन प्रदान किया है। इस विचार को और बल मिला जब यह पता चला कि पृथ्वी के नजदीकी पिंडों (जैसे तथाकथित एंटेरॉस क्षुद्र ग्रह) में शायद पांच खरब डॉलर मूल्य का मैग्नीशियम सिलिकेट और एल्युमिनियम मौजूद है।

अंतरिक्ष-यात्री राष्ट्रों द्वारा अंतरिक्ष के संसाधनों पर कब्जा करने के ऐसे संभावित प्रयासों के मद्देनजर राष्ट्र संघ OST के अनुच्छेद II में घोषित किया गया था कि बाह्य अंतरिक्ष पर राष्ट्रीय संप्रभुता के आधार पर, कब्जा करके, उसका उपयोग करके या अन्य किसी तरीके से, अधिग्रहित करने की अनुमति नहीं है। राष्ट्रीय संप्रभुता के दावों पर जोर देने का मुख्य सरोकार उस समय जारी शीत युद्ध के माहौल से था, जब अंतरिक्ष गतिविधियां पूरी तरह सरकारी संस्थाओं का एकाधिकार थीं और इन्हें सैन्य वर्चस्व या राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के उद्देश्य से शुरू किया जाता था। अलबत्ता, 1980 के दशक से अंतरिक्ष उद्योग के निजीकरण का अर्थ हुआ है कि उक्त कानून में अंतरिक्ष में संसाधनों के निजी दोहन के नियमन को लेकर कई कानूनी अस्पष्टताएं हैं और व्याख्या की गुंजाइश है। जैसा कि एम. शेयर ने दर्शाया है, अनुच्छेद आईआई इस समस्या को संबोधित करने में असफल रहता है कि अंतरिक्ष का दोहन वित्तीय लाभ के लिए करने पर या निजी उद्योग द्वारा उस पर अपना अधिकार जताने पर क्या किया जाएगा। बहरहाल, राष्ट्र संघ संधि का अनुच्छेद VI कहता है राष्ट्रीय अंतरिक्ष गतिविधियों के लिए राज्य जिम्मेदार होगा, चाहे वे गतिविधियां सरकारी एजेंसी द्वारा की जाएं या गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह अनुच्छेद निजी अंतरिक्ष कॉर्पोरेशन्स की गतिविधियों पर काफी अंकुश लगा सकता है, क्योंकि इसके अंतर्गत निजी एजेंसियों की गतिविधियों का दायित्व भी राज्य पर होगा। अलबत्ता, यूएस सरकार ने हाल ही में एक कानून लागू किया है जिसमें इस अनुच्छेद का फायदा उठाया गया है ताकि अपने प्रतिबंधों को बायपास कर सके और अंतरिक्ष में यूएस के आर्थिक दबदबे को मजबूत कर सके। 2015 के यूएस अंतरिक्ष कानून के पारित होने से यूएस के नागरिकों को अंतरिक्ष से प्राप्त हुए संसाधनों को अपने पास रखने, उनके स्वामित्व, परिवहन और बिक्री का अधिकार मिल गया है अर्थात इसमें सावधानीपूर्वक राष्ट्रीय संप्रभुता के दावे को छोड़ दिया गया है। तो, चाहे वह कोई अमेरिकी निजी कंपनी हो या सार्वजनिक उद्यम हो, यूएस अपने भू-राजनैतिक हितों की पूर्ति कर रहा है जिसके लिए वह अमेरिकी लाभ के लिए अंतरिक्ष के संसाधनों को समेट रहा है। इस तरह से राष्ट्र की सॉफ्ट शक्ति में चीन जैसे अंतरिक्ष-यात्री देशों की कीमत पर इजाफा हो रहा है। दरअसल, नव-अंतरिक्ष किरदारों ने विधेयक के पारित होने से पहले इन सामरिक सरोकारों को चतुराई से उछाला था। जैसे अरबपति अंतरिक्ष उद्यमी रॉबर्ट बिजलो ने दावा किया था कि सबसे बड़ा खतरा चांद पर निजी उद्यमियों से नहीं है बल्कि इस बात से है कि अमेरिका सोता रहे, कुछ न करे जबकि चीन आगे आए। सर्वेक्षण करे और ख्वांद पर, दावा ठोंक दे।

यूएस सरकार द्वारा निजी कंपनियों को समर्थन से संभावना है कि संपदा में पृथ्वी-आधारित गैर-बराबरी को अंतरिक्ष में मजबूत किया जाएगा। कई नव-अंतरिक्ष किरदार अंतरिक्ष में अपनी दीर्घावधि महत्वाकांक्षाओं को मानवीय सुर में ढालते हैं। जैसे, वे यह वादा करेंगे कि वे मानव जाति को आसन्न विलुप्ति के खतरे से बचाने के लिए अंतरिक्ष में बस्तियां बनाएंगे। अलबत्ता, इस तरह का विमर्श शायद ही उनकी खालिस निजी प्रकृति को छुपा सके। वे यह कहते नजर आते हैं कि पूरे मामले में आम नागरिकों का हित जुड़ा है लेकिन हकीकत यह है कि ए अंतरिक्ष अग्रदूत वास्तव में एक छोटे से ब्रह्मांडीय आभिजात्य समूह के सदस्य हैं, Amazon.com, Microsoft, Pay Pal के संस्थापक और तरह-तरह के गेम डिजाइनर तथा होटल व्यवसाई। वास्तव में, निजी अंतरिक्ष उद्यमियों ने स्वयं सुझाव दिया है कि उन पर कोई दायित्व नहीं होना चाहिए कि वे अंतरिक्ष से प्राप्त खनिज संसाधनों को विश्व समुदाय के साथ साझा करें। यह बात नाथन इंग्राहम (टेकसाइट Engad.steroid mining के वरिष्ठ संपादक) के भाषण में साफ प्रतिबिंबित हुई थी। उन्होंने कहा था कि क्षुद्रग्रह खनन कैसा होगा यह इस बात पर निर्भर है कि हअमेरिका अंतरिक्ष में कैसे आगे बढ़ता है और अगली वेगास स्ट्रिप कैसे विकसित करता है। ऐसी टिप्पणियां उस चीज को रेखांकित करती हैं जिसे बीयरी 'स्केलर पोलिटिक्स' कहते हैं।

...साभार एस.एस.

कैसे बचना है एड्स से, बस यही जरूरी है

एड्स से बचाव

एड्स से बचाव के लिए सामान्य व्यक्ति को एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के वीर्य, योनि स्राव अथवा रक्त के संपर्क में आने से बचना चाहिए। साथ ही साथ एड्स से बचाव के लिए निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए। पीड़ित साथी या व्यक्ति के साथ योनि सम्बन्ध स्थापित नहीं करना चाहिए, अगर कर रहे हों तो सावधानीपूर्वक कंडोम का प्रयोग करना चाहिए, लेकिन कंडोम इस्तेमाल करने में भी कंडोम के फटने का खतरा रहता है और अपने जीवनसाथी के प्रति वफादार रहें, एक से अधिक व्यक्ति से यौन संबंध ना रखें। खून को अच्छी तरह जांचकर ही उसे चढ़ाना चाहिए। कई बार बिना जांच के खून मरीज को चढ़ा दिया जाता है जो कि गलत है। इसलिए डॉक्टर को खून चढ़ाने से पहले पता करना चाहिए कि कहीं खून एचआईवी दूषित तो नहीं है।

एड्स का मतलब है उपार्जित प्रतिरक्षा अपूर्णता सहलक्षण एड्स मानव प्रतिरक्षा अपूर्णता विषाणु से होता है। जो कि मानव की प्राकृतिक प्रतिरोधी क्षमता को कमजोर करता है। एचआईवी शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता पर आक्रमण करता है, जिसका काम शरीर को संक्रामक बीमारियों, जो कि जीवाणु और विषाणु से होती हैं से बचाना होता है। एचआईवी रक्त में उपस्थित प्रतिरोधी पदार्थ लसीका-कोशो पर हमला करता है। यह पदार्थ मानव को जीवाणु और विषाणु जनित बीमारियों से बचाते हैं और शरीर की रक्षा करते हैं। जब एचआईवी द्वारा आक्रमण करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षय होने लगती है, तो इस सुरक्षा कवच के बिना एड्स पीड़ित लोग भयानक बीमारियों क्षय रोग और कैंसर आदि से पीड़ित हो जाते हैं और शरीर को कई अवसरवादी संक्रमण यानि आम सर्दी जुकाम, फुफ्फुस प्रदाह इत्यादि घेर लेते हैं। जब क्षय और कर्क रोग शरीर को घेर लेते हैं, तो उनका इलाज करना कठिन हो जाता है और मरीज की मृत्यु भी हो सकती है।

एड्स कैसे फैलता है

अगर एक सामान्य व्यक्ति एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के वीर्य, योनि स्राव अथवा रक्त के संपर्क में आता है, तो उसे एड्स हो सकता है। आमतौर पर लोग एचआईवी पॉजिटिव होने को एड्स समझ लेते हैं, जो कि गलत है, बल्कि एचआईवी पॉजिटिव होने के 8-10 साल के अंदर जब संक्रमित व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। तब उसे घातक रोग घेर लेते हैं और इस स्थिति को एड्स कहते हैं। एड्स ज्यादातर चार माध्यमों से होता है।

पीड़ित व्यक्ति के साथ असुरक्षित योनि सम्बन्ध स्थापित करने से। दूषित रक्त से, संक्रमित सुई के उपयोग से, एड्स संक्रमित मां से उसके होने वाली संतान को।

एड्स के लक्षण

एचआईवी से संक्रमित लोगों में लम्बे समय तक एड्स के कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। लंबे समय तक (3, 6 महीने या अधिक) एचआईवी का भी औषधिक परीक्षण से पता नहीं लग पाता। अधिकतर एड्स के मरीजों को सर्दी, जुकाम या विषाणु बुखार हो जाता है पर इससे एड्स होने का पता नहीं लगाया जा सकता। एचआईवी वायरस का संक्रमण होने के बाद उसका शरीर में धीरे-धीरे फैलना शुरू होता है। जब वायरस का संक्रमण शरीर में अधिक हो जाता है, उस समय बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं। एड्स के लक्षण दिखने में आठ से दस साल का समय भी लग सकता है। ऐसे व्यक्ति को, जिसके शरीर में एचआईवी वायरस हों पर एड्स के लक्षण प्रकट न हुए हों, एचआईवी पॉजिटिव कहा जाता है।

एड्स के कुछ प्रारंभिक लक्षण

वजन का काफी हद तक काम हो जाना, लगातार खांसी बने रहना, बार-बार जुकाम का होना, बुखार, सिरदर्द, थकान, शरीर पर निशान बनना, हैजा, भोजन से अरूचि, लसीकाओं में सूजन, ध्यान रहे कि ऊपर दिए गए लक्षण अन्य सामान्य रोगों के भी हो सकते हैं। अत: एड्स की निश्चित रूप से पहचान केवल और केवल, औषधीय परीक्षण से ही की जा सकती है व की जानी चाहिए। एचआईवी की उपस्थिति का पता लगाने हेतु मुख्यत:

एंजाइम लिंक्ड इम्यूनोएब्जॉर्बेंट एसेस यानि एलिसा टेस्ट किया जाता है।

एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांतियां

बहुत सारे लोग समझते हैं कि एड्स पीड़ित व्यक्ति के साथ खाने, पीने, उठने, बैठने से हो जाता है जो कि गलत है। यह समाज में एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांतियां हैं। सच तो यह है कि रोजमर्रा के सामाजिक संपर्कों से एचआईवी नहीं फैलता जैसे कि पीड़ित के साथ खाने-पीने से, बर्तनों की साझीदारी से, हाथ मिलाने या गले मिलने से, एक ही टॉयलेट का प्रयोग करने से, मच्छर या अन्य कीड़ों के काटने से, पशुओं के काटने से, खांसी या छींकों से, एड्स का उपचार, एड्स के उपचार में एंटी रेट्रोवाइ. रल थेरपी दवाइयों का उपयोग किया जाता है। इन दवाइयों का मुख्य उद्देश्य एचआईवी के प्रभाव को काम करना, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना और अवसरवादी रोगों को ठीक करना होता है। समय के साथ-साथ वैज्ञानिक एड्स की नई-नई दवाइयों की खोज कर रहे हैं, लेकिन सच कहा जाए तो एड्स से बचाव ही एड्स का बेहतर इलाज है।

मानव पहले से इतना हिंसक था!

मानवविज्ञानियों के बीच यह बहस का विषय रहा है कि क्या मनुष्य सदा से इतना ही क्रूर और हिंसक था, या पहले कम हिंसक था और अब अधिक हो गया है और इस मामले में दो मत रहे हैं-पहला, खेती की शुरुआत होने के पहले तक मानव सभ्यताएं शांत-स्वभावी थीं और मैत्रीपूर्ण माहौल थाय दूसरा, कृषि के पहले मानव बस्तियां क्रूर थीं और लड़ने को तत्पर थीं, और जब उन्होंने मिल-जुल कर खेती करना शुरू किया तो शांतिपूर्ण हो गईं, लेकिन इनमें से किसी भी मत के पक्ष में ठोस सबूत नहीं मिले थे और दोनों ही मतों पर संदेह बना रहा। हालिया अध्ययन इसी सवाल पर कोई मत बनाने का प्रयास है और निष्कर्ष है कि इतिहास में मनुष्य की प्रवृत्ति को किसी एक खांचे, अधिक शांत या अधिक हिंसक, में नहीं रखा जा सकता। कोई मानव समाज कब-कितना हिंसक रहा इसे एक सीधी ऊपर जाती या सीधी नीचे उतरती रेखा से नहीं दर्शाया जा सकता है। बार्सिलोना विश्वविद्यालय के आर्थिक इतिहासकार जियोकोमो बेनाटी और उनके साथियों द्वारा नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकाशित नतीजों के अनुसार, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग कारणों से कई बार हिंसा भड़की और शांति बनी। इन निष्कर्षों तक पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने वर्तमान तुर्की, ईरान, इराक, सीरिया, लेबनान, इस्राइल और जॉर्डन में खुदाई में पाए गए कंकालों का विश्लेषण किया। अध्ययन में इन स्थानों पर 12,000 ईसा पूर्व से 400 ईसा पूर्व काल तक के 3500 से अधिक मानव कंकालों को देखा गया। उन्होंने पाया कि मानव समाज में सामाजिक-आर्थिक उथल-पुथल और बदलती जलवायु के दौर में पारस्परिक हिंसा अधिक दिखती है-मुख्य रूप से सिर पर आघात के मामले काफी मिलते हैं। फिर शोधकर्ताओं ने उन खोपड़ियों को ध्यान से देखा जो टोपी-किनारे की रेखा के ऊपर क्षतिग्रस्त हुई थीं। टोपी-किनारे की रेखा कपाल पर एक ऐसी काल्पनिक रेखा है जिसके आधार पर मानवविज्ञानी बताते हैं कि चोट किसी दुर्घटना के कारण लगी है या इरादतन प्रहार किया गया था। मसलन गिरने के कारण लगने वाली चोटें आंख, नाक और भौंह के आसपास लगती हैं, जबकि खोपड़ी के ऊपरी हिस्से पर चोट किसी प्रहार के कारण लगती है। इसके अलावा उन्होंने हथियार से संबंधी चोटों की पुष्टि के लिए कंकाल के अन्य हिस्सों की भी जांच की, जैसे कि घोंपने के निशान या बचाव करते समय हड्डी में आया फ्रैक्चर वगैरह। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चोट के इन

निशानों पर कम भरोसा किया, क्योंकि इनमें यह पहचानना मुश्किल है कि यह निशान प्रहार के नतीजे हैं या दुर्घटना के। फिर भी विश्लेषण से यह पता चलता है कि प्राचीन मध्य पूर्व में हिंसा 6500 से 5300 साल पहले तक ताम्रपाषाण युग के दौरान चरम पर थी। इसके बाद प्रारंभिक और मध्य कांस्य युग के दौरान यह बहुत कम हो गई क्योंकि समूहों ने आक्रामक व्यवहार को नियंत्रित करने की अपनी क्षमता को मजबूत कर लिया था। लौह युग की शुरुआत में, करीब 3000 साल पहले, फिर से बढ़ गई थी।

मध्य पूर्वी क्षेत्र में ताम्रपाषाण काल एक संक्रमणकाल था। बस्तियां फैल रही थीं, राज्य बनने लगे थे, और लकड़ी व पत्थर के औजारों की जगह धातु के औजार लेते जा रहे थे। बढ़ती आबादी, अधिक हकदारी तथा बेहतर हथियारों के चलते हिंसा बढ़ने लगी। इसी तरह, लौह युग में हथियारों की गुणवत्ता कांस्य युग से बेहतर हो गई थी और असीरियन साम्राज्य के सत्ता में आने के साथ ही राजनैतिक पुनर्गठन भी हुआ था। और तो और, राजनैतिक और तकनीकी उथल-पुथल के अलावा यह क्षेत्र एक बड़े जलवायु परिवर्तन से भी गुजरा . करीब 300 साल लंबा सूखा पड़ा, जिसने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया और भीषण अकाल पड़ा। यह निष्कर्ष वर्तमान जलवायु परिवर्तन सम्बंधी चुनौती के लिए एक कड़ी चेतावनी देते हैं। कई विशेषज्ञों की चिंता है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे मनुष्यों में हिंसक संघर्ष भी बढ़ेगा, लेकिन साथ ही शोधकर्ता अपने नतीजों के बारे मे आगाह भी करते हैं कि ए नतीजे समूह के व्यवहार को दर्शाते हैं, ए एक व्यक्ति के दूसरे व्यक्ति से बर्ताव के बारे में नहीं हैं। अलबत्ता, इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि चरम जलवायु घटनाओं से संघर्ष उपज सकता है। लेकिन इस बात के भी प्रमाण हैं कि जब ऐसी संस्थाएं मौजूद होती हैं जो हिंसा को कम कर सकती हैं तो संघर्ष को कम किया जा सकता है। बहरहाल, इतिहास से सबक लेकर ऐहतियात बरतने और संघर्षों को टालने की योजना बनाने में कोई बुराई नहीं है।

आक्रामक नर मेंढक से बचाव

प्रजनन के लिए मेंढक प्रजातियों में नर दो में से किसी एक रणनीति उपयोग करते हैं - या तो वे किसी जगह बैठकर मादा को पुकारते हैं और उनके आने का इंतजार करते हैं, या वे लगातार मादा की तलाश करते हैं और कम समय में अधिक से अधिक मादाओं के साथ संभोग करने की कोशिश करते हैं। अधिक से अधिक मैथुन करने के प्रयास में अक्सर, एक ही मादा पर कई नर चढ़ जाते हैं जिससे मेंढकों का गुत्थमगुत्था सा ढेर बन जाता है, जो मादा को गंभीर रूप से घायल कर सकता है और उसकी जान तक जा सकती है। यूरोपीय मेंढक Rana temporaria संभोग के लिए यही दूसरी रणनीति अपनाते हैं। सर्दियों की लंबी शीतनिद्रा से जागने के बाद युरोपीय नर मेंढक संभोग के लिए मादाओं के पीछे भागते हैं, उन्हें डराते हैं और उन्हें संभोग के लिए मजबूर करते हैं। चूंकि नर मेंढकों की संख्या मादाओं से काफी अधिक होती है इसलिए हालात मादाओं के लिए और भी बुरे हो जाते हैं। वैज्ञानिकों को अब तक लगता था कि नर के इस संभोग हमले से बचने में मादा असहाय होती है, लेकिन रॉयल सोसायटी बी में प्रकाशित नतीजों से पता चलता है कि ए मादाएं इतनी भी असहाय नहीं होती और अवांछित संभोग से बचने के लिए वे कई युक्तियां अपनाती हैं-जैसे वे शरीर को घुमाकर नर के चंगुल से निकल भागती हैं, नर होने का स्वांग रचती हैं, यहां तक कि मरने का नाटक भी करती हैं। इस बात का पता वैकासिक और व्यवहार जीवविज्ञानी कैरोलिन डीट्रिच को तब लगा जब वे युरोपीय मेंढकों में एक अन्य बात की जांच कर रही थी . चूंकि बड़ी साइज की मादाएं अधिक अंडे दे सकती हैं तो क्या नर मेंढक संभोग के लिए शरीर की साइज के आधार पर मादा साथी चुनते हैं? शोधकर्ताओं को नर का किसी विशिष्ट डील-डौल वाली मादा के प्रति झुकाव तो नहीं दिखा, लेकिन उन्होंने पाया कि मादाएं अवांछित नर से बचने के लिए मुख्यत: तीन रणनीति अपना रही थीं। अधिकतर मामलों में वे पानी में नर के नीचे अपने शरीर को घुमाकर उसकी बाहों से निकलने का प्रयास कर रही थीं। मादाएं नर को मूर्ख भी बना रही थीं। वे इस बात का भी फायदा उठाती हैं कि नर संभोग-साथी के मामले में ज़्यादा नखरैल नहीं होते। अधिक से अधिक संभोग के चक्कर में युरोपीय नर मेंढकों का जिससे भी सामना होता है वे उसके साथ संभोग कर लेते हैं। यहां तक कि वे अन्य नरों के साथ, युरो. पीय मादा मेंढक की तरह दिखने वाले युरोपीय भेक यानी टोड के साथ, और यहां तक कि सर्वथा अलग प्रकार के उभयचरों के साथ भी संभोग कर लेते हैं। अब कोई नर मेंढक दूसरे नर पर चढ़ने की कोशिश करता है तो दूसरा मेंढक घुरघुराने की आवाज निकाल कर गलती का एहसास कराता है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में सैन्य हेलीकॉप्टर हादसे में चार लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के इस्फहान प्रांत में मंगलवार सुबह सेना का एक हेलीकॉप्टर फल और सब्जी मंडी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। अर्ध-सरकारी संवाद समिति फार्स ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह 9:09 बजे विमान बाजार के स्टाल से टकराया, जिससे पायलट, सह-पायलट और दो विक्रेताओं की मौत हो गई। प्रांतीय आपातकालीन चिकित्सा सेवा संगठन के प्रमुख अली नसीरी के हवाले से फार्स ने बताया कि घटना के तुरंत बाद चार एम्बुलेंस मौके पर भेजी गईं।

जापान में बस और कार की टक्कर, नौ बच्चों सहित 14 घायल

टोक्यो। जापान के फुकुओका प्रान्त में मंगलवार सुबह एक स्कूली बच्चों की बस और कार के बीच हुई भिड़ंत में 14 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा ओन्गा शहर के एक चौराहे पर स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9 बजे हुआ। इस दुर्घटना में घायल होने वालों में शुरूआती कक्षाओं में पढ़ रहे नौ बच्चे, स्कूल के 4 कर्मचारी और कार का चालक शामिल है। सभी घायलों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच 'वज्र प्रहार' अभ्यास कल से

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की सैनिक टुकड़ियों के बीच बुधवार से हिमाचल प्रदेश के बकलोह स्थित स्पेशल फोर्स ट्रेनिंग स्कूल में शुरू होने वाले अभ्यास 'वज्र प्रहार' में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी दल भारत पहुंच गया है। तीन सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में भारतीय सेना की ओर से स्पेशल फोर्स इकाई के 45 सैनिक हिस्सा ले रहे हैं जबकि अमेरिका की ओर से वहां की स्पेशल फोर्स ग्रीन बेरेट्स के 12 सैनिक शामिल होंगे।

गर्लफ्रेंड का पीछा कर ड्रग माफिया तक पहुंची सेना

एल मेंचो की मौत से मेक्सिको के 20 राज्यों में भड़की हिंसा, अब तक 25 सैनिक समेत 25 की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी।

कई जगह रोडब्लॉक लगाए गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई

एल मेंचो की मौत के बाद भी हिंसक प्रदर्शन हुए। बीबीसी के मुताबिक मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लाक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई। जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुई हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल है। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और राकेट लान्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। सेना के ऑपरेशन के दौरान एल मेंचो घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए। ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत ऑपरेशन शुरू कर दिया और एक दिन बाद पूरे इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सेना की घेराबंदी के दौरान मेंचो के वफादार बंदूकधारियों ने सेना पर फायरिंग शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें मेंचो घायल हो गया। उसके साथी उसे लेकर पास के जंगल में भाग गए। काफी मशक्कत के बाद सैनिकों ने उसे खोज निकाला। घायल माफिया को हेलिकाप्टर से मेडिकल सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने और उसके दो बाडीगार्ड ने दम तोड़ दिया। न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जालिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) का प्रमुख था। जालिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपये का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आयोजित 'खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026' में महिलाओं की स्की पर्वतारोहण वर्टिकल सपर्धा के दौरान प्रतिभागी।

कंबोडिया ने 3541 वर्ग किलोमीटर जमीन से दबीं बारूदी सुरंगें हटाई

नाम पेन्ह। कंबोडिया ने बीते 33 वर्षों में बारूदी सुरंगों और युद्ध के विस्फोटक अवशेषों (ईआरडब्ल्यू) से भरी लगभग 3,541 वर्ग किलोमीटर भूमि को साफ करने में सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री हुन मानेट ने मंगलवार को यह जानकारी राष्ट्रीय बारूदी सुरंग जागरूकता दिवस के अवसर पर दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अवधि के दौरान 12 लाख से अधिक बारूदी सुरंगों, 26700 टैंक रोधी सुरंगे और 32.4 लाख से अधिक ईआरडब्ल्यू खोजकर नष्ट किए गए हैं। उन्होंने बताया कि साफ की गई भूमि में से 78 प्रतिशत का उपयोग खेती के कामों के लिए, पांच प्रतिशत बुनियादी ढांचे और 17 प्रतिशत आवास, गांवों, स्कूलों और स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया है।

ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली आज से बंद

समझौते से पीछे हटने वाले देशों को ट्रम्प की धमकी, कहा: गेम मत खेलो, ऊंचे टैरिफ लगाऊंगा

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार आज से राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से लगाए गए इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद कर देगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टैरिफ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 3 दिन पहले इन टैरिफ को गैरकानूनी बताया गया था।

ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे: ट्रम्प

अमेरिकी यूएस कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीपीबी) ने एक बयान में कहा कि1977 के कानून इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ की वसूली मंगलवार रात 12 बजकर 1 मिनट (भारतीय समयानुसार सुबह 10.30 बजे) से बंद कर दी जाएगी। एजेंसी ने इम्पोर्ट्स को निर्देश दिया है कि इन टैरिफ से जुड़े सभी कोड उसके पेन व्हार्टन बजट माडल के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक कोर्ट से इस फैसले से अमेरिकी सरकार को 175 अरब डालर (15.75 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा की कमाई वापस करनी पड़ सकती है। रायटर्स के मुताबिक, आईईईपीए के तहत लगाए गए टैरिफ से अमेरिका की हर दिन 50 करोड़ डालर (4,500 करोड़ रुपये) से ज्यादा की कमाई हो रही थी। अब इन्हें रद्द किए जाने के बाद कंपनियां रिफंड की मांग कर सकती हैं। ट्रूथ सोशल पर ट्रम्प ने कहा कि कई देशों ने अमेरिका को व्यापार में बरसों तक नुकसान पहुंचाया है। ट्रम्प का बयान ऐसे समय पर आया है, जब मंगलवार से भारत समेत सभी देशों पर 15 प्रतिशत टैरिफ शुरू हो जाएगा। दरअसल, कुछ देश 15 प्रतिशत टैरिफ का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प ने ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों से ट्रेड डील कर 10 प्रतिशत अमेरिकी बेस लाइन टैरिफ चुकाने पर सहमति जताई थी। अब 15 प्रतिशत टैरिफ चुकाना पड़ेगा। इन देशों का कहना है कि ट्रेड डील में जब 10 प्रतिशत टैरिफ पर करार हुआ है तो वे ज्यादा टैरिफ नहीं चुकाएंगे। इस पर ट्रम्प प्रशासन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद कहा कि इस फैसले से उल्टा उनकी ताकत और बढ़ गई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने अनजाने में उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए हैं। ट्रम्प ने कहा कि मैं कुछ समय तक 'सुप्रीम कोर्ट' स्माल लेटर में लिखूंगा, क्योंकि मुझे इस फैसले का सम्मान नहीं रहा। उन्होंने फैसले को मूर्खतापूर्ण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बांटने वाला बताया। इसके बावजूद ट्रम्प का कहना है कि इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि वह दूसरे कानूनों के तहत टैरिफ लगाने की अपनी ताकत का और ज्यादा इस्तेमाल कर सकते हैं। कोर्ट ने बाकी बचे टैरिफ को कानूनीतौर पर मजबूत कर दिया है और अब वह उन्हें और ज्यादा सख्त तरीके से लागू कर सकते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि वह लाइसेंस जैसे तरीकों का इस्तेमाल करके देशों के खिलाफ कड़े कदम उठा सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि कोर्ट ने बाकी सभी टैरिफ को मंजूरी दे दी है और ऐसे टैरिफ की संख्या काफी ज्यादा है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के तीन दिन से ज्यादा समय बाद लागू किया जा रहा है। एजेंसी ने यह नहीं बताया कि इन तीन दिनों में टैरिफ क्यों वसूले जाते रहे। यह भी साफ नहीं किया गया है कि जिन लोगों से पैसा लिया गया है, उन्हें वह वापस मिलेगा या नहीं। यह आदेश सिर्फ आईईईपीए कानून के तहत लगाए गए टैरिफ पर लागू होगा। जबकि नेशनल सिक्टोरिटी के नाम पर 'सेक्शन 232' के तहत और अनफेयर ट्रेड केस के 'सेक्शन 301' के तहत लगाए गए टैरिफ जारी रहेंगे और उन पर इस फैसले का कोई असर नहीं पड़ेगा। सीपीबी ने कहा है कि वह व्यापार से जुड़े लोगों को आगे की जानकारी आधिकारिक संदेशों के जरिए देती रहेगी।

मुझे नहीं पता, कब तक जिंदा रहूंगा: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि मैं कब तक जिंदा रहूंगा, यह मुझे नहीं पता। मैं बहुत लोगों की गोली के निशाने पर हूं। ट्रम्प ने वाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। ट्रम्प के इस बयान को दो दिन पहले उनके रिजार्ट में हुई घुसपैठ से जोड़ा जा रहा है।

दरअसल, रविवार को एक शख्स डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजार्ट में घुसने की कोशिश कर रहा था। सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार रात 1.30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शाटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नार्थ कैरोलीना का रहने वाला था।

बहुत लोगों के निशाने पर, दो दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के रिजार्ट में घुसा था शख्स

फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वाशिंगटन डीसी में वाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। अधिका. रियों ने युवक से बरामद हुई शाटगन की एक तस्वीर जारी की है। इसमें एक लाल फ्यूल केन भी दिख रही है। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजार्ट के नार्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शाटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन गिराने को कहा गया।

पलाऊ ने प्रशांत क्षेत्र में पहली बार ओपन आरएएन किया तैनात

वाशिंगटन। पलाऊ ने प्रशांत क्षेत्र में पहली बार ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क (ओपन आरएएन) तकनीक की राष्ट्रव्यापी तैनाती की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पलाऊ नेशनल कम्युनिकेशंस कॉरपोरेशन (पीएनसीसी) ने इस परियोजना के लिए तीन अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं के चयन की घोषणा की है, जिससे यह प्रशांत क्षेत्र में इस तरह की पहली पहल बन गई है। यह उपलब्धि पलाऊ को प्रशांत द्वीप देशों में दूरसंचार नवाचार के अगुआ के तौर पर स्थापित करती है और सुरक्षित, विश्वसनीय तथा लचीले डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए एक क्षेत्रीय मानक तय करती है। प्रशांत क्षेत्र के पहले ओपन आरएएन नेटवर्क के रूप में यह पहल भौगोलिक रूप से बिखरे द्वीप राष्ट्रों में अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाने में पलाऊ की नेतृत्व भूमिका को दर्शाती है। नई नेटवर्क व्यवस्था से सुरक्षित 4जी और 5जी सेवाएं मजबूत होंगी, डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला की लचीलापन बढ़ेगा और अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए व्यावसायिक अवसरों का विस्तार होगा। ओपन आरएएन के जरिए विक्रेताओं में विविधता और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी संभव होगी।

भेड़ियों से मवेशियों की रक्षा के लिए किसान चला सकेंगे गोली

पेरिस। फ्रांस में भेड़ियों की बढ़ती आबादी और पालतू मवेशियों पर उनके बढ़ते हमलों को देखते हुए सरकार ने कहा है कि किसान अब हमलावर भेड़ियों को अपनी बंदूक का निशाना बना सकेंगे। कृषि मंत्री एनी जेनेवर्ड ने बताया कि सरकार ने इस मसले पर बना कानून अब बदल दिया है।

किसान अपने मवेशियों की हिफाजत के लिए भेड़ियों को गोली मार सकेंगे। किसान को तभी गोली दागने का अधिकार होगा, जब उसके पशु बाड़े में सुरक्षित हों या उसने दूसरे सुरक्षा उपाय अपना रखे हों। रेडियो फ्रांस इंटरनेशनल ने खबर दी है कि अब तक के नियमों के अनुसार, किसानों को भेड़ियों पर गोली चलाने की अनुमति तभी मिलती थी, जब उन्होंने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हों। अब सरकार ने इसे 'हकीकत के साथ तालमेल' बताते हुए बदल दिया है। हालांकि, जो किसान इन छूटों का लाभ उठाएंगे, उन्हें एक साल के भीतर सुरक्षा प्रणाली स्थापित करने की प्रतिबद्धता देनी होगी। साल 2025 में फ्रांस में भेड़ियों के हमलों में लगभग 12,000 पालतू जानवर मारे गए। भेड़िए अब फ्रांस के 60 से अधिक इलाकों में फैल चुके हैं, जबकि पहले वे केवल 10 क्षेत्र तक सीमित थे। सरकार ने 2026 के लिए भेड़ियों को मारने का संख्या बढ़ाकर कुल तादाद (1082) का 21 प्रतिशत कर दिया है। इसका मतलब है कि इस साल लगभग 248 भेड़ियों को मारा जा सकेगा।

अमेरिका के न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर के टायलेट जाम

45 मिनट लाइन में लगना पड़ रहा, मरम्मत के लिए टेक्नीशियन और सैनिकों में झड़प

तेल अवीव। ईरान की तरफ बढ़ रहा अमेरिकी न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएस जेराल्ड फोर्ड एक अलग ही संकट से जूझ रहा है। जहाज के ज्यादातर टायलेट जाम हो चुके हैं।

इससे 4500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोज 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। संकरी पाइपलाइन और वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम की डिजाइन में खामी के चलते टायलेट बार-बार जाम हो रहे हैं। जहाज वैक्यूम-बेस्ड सीवेज सिस्टम पर चलता है, जिसमें एक वाल्व खराब होने से पूरे डिपार्टमेंट का टायलेट सिस्टम बंद हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेक्नीशियन और सैनिकों के बीच झड़प की भी खबर है, क्योंकि मरम्मत करने वाले इंजीनियर रोज लगभग 19 घंटे काम कर रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टायलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी। यूएस जेराल्ड फोर्ड 600 से ज्यादा मौजूद है, जो 10 अलग-अलग जोन में बंटे हैं। यह एयरक्राफ्ट कैरियर बीते आठ महीने से समुद्र में है, लगातार आपरेशनल मूवमेंट की वजह से रूटीन मेंटेनेंस नहीं हो पाया है। करीब 13 बिलियन डालर की लागत से बना यह युद्धपोत दुनिया का सबसे महंगा माना जाता है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर को 2017 में कमीशन किया गया था। सीवेज समस्या के पीछे जिस तकनीक का जिक्र हो रहा है, उसे वैक्यूम-बेस्ड वीसीएचटी सिस्टम कहा जाता है। यह आम घरों में इस्तेमाल होने वाले टायलेट सिस्टम से बिल्कुल अलग तरीके से काम करता है। वीसीएचटी का पूरा नाम वैक्यूम कलेक्शन, होल्डिंग एंड ट्रांसफर सिस्टम है। यह खास तरह का सीवेज मैनेजमेंट सिस्टम होता है, जो बड़े जहाजों और क्रूज शिप में लगाया जाता है। इसका मकसद कम पानी में टायलेट वेस्ट को इकट्ठा करना और सुरक्षित तरीके से स्टोर व ट्रांसफर करना होता है। घर के टायलेट में फ्लश करने पर पानी के दबाव और गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) से गंदगी नीचे सीवर में चली जाती है। लेकिन समुद्र में चलने वाले जहाजों पर ऐसा सिस्टम पूरी तरह कारगर नहीं होता वीसीएचटी सिस्टम में फ्लश दबाते ही पाइप में वैक्यूम (सक्शन) बनता है। यह सक्शन गंदगी को खींचकर पाइप के जरिए एक बड़े टैंक तक पहुंचा देता है।

पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टायलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी

लागोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लगने से छह घायल

लागोस। नाइजीरिया के शहर लागोस में मुर्तला मुहम्मद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमएमआईए) के ओल्ड टर्मिनल-1 में सोमवार को आग लग गई, लेकिन एयरपोर्ट प्रबंधन ने बिना किसी बड़े नुकसान के इस पर काबू पा लिया और उड़ान परिचालन पूरी तरह बहाल कर दिया गया।

लागोस के एयरपोर्ट पुलिस कमान ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। कमान के जनसंपर्क अधिकारी एएसपी मोहम्मद अदेओला द्वारा जारी बयान में कहा गया कि 23 फरवरी को हुई इस घटना को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया गया। आग की घटना के कारण उड़ान परिचालन बाधित हुआ था, कई यात्री फंस गए थे और कुछ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को मोड़ना पड़ा था, क्योंकि इससे कंट्रोल टावर की गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। आग बुझाने के दौरान टर्मिनल के कुछ हिस्सों से घना धुआं उठता देखा गया और दमकलकर्मियों को कई घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। कमान ने बताया कि उसी दिन बाद में स्थिति को स्थिर कर लिया गया। बयान में कहा गया कि एयरपोर्ट पुलिस कमान, इकेजा, लागोस, जनता को सूचित करते हुए प्रसन्नता व्यक्त करता है कि मुर्तला मुहम्मद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ओल्ड टर्मिनल-1 भवन में लगी आग को सफलतापूर्वक काबू में कर लिया गया है। अदेओला ने कहा कि ओल्ड टर्मिनल भवन के एक हिस्से में लगी आग को सभी संबंधित एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से पूरी तरह बुझा दिया गया।

चीन ने 2020 में छिपकर न्यूक्लियर टेस्ट किया: अमेरिका

वॉशिंगटन ने कहा: 6 साल में 400 परमाणु हथियार बनाए

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच परमाणु हथियारों को लेकर तनाव फिर से बढ़ गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि चीन ने छह साल पहले 2020 में एक सीक्रेट न्यूक्लियर टेस्ट किया था।

अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने कहा कि 22 जून 2020 को चीन के पश्चिमी इलाके में स्थित लोप नूर में अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट सेंटर पर एक विस्फोट हुआ था। यह विस्फोट 2.75 तीव्रता का था, जिसकी जानकारी पड़ोसी देश कजाकिस्तान के स्टेशन से मिली। येव ने इसे एक परमाणु विस्फोट बताया। उन्होंने कहा कि भूकंप माइनिंग विस्फोट से अलग थे। यह एक सिंगल फायर एक्सप्लोजन की तरह था, जो परमाणु परीक्षण की निशानी है। येव ने कहा कि चीन ने जानबूझकर अपनी परमाणु ताकत बढ़ाई है। उन्होंने बताया कि 2020 से अब तक चीन के परमाणु हथियार 200 से बढ़कर 600 से ज्यादा हो गए हैं। अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 1000 से ऊपर पहुंच जाएगी। यह दावा ऐसे समय में आया है जब इस महीने अमेरिका और रूस के बीच का आखिरी बड़ा परमाणु समझौता न्यू स्टार्ट संधि खत्म हो गया है। इस संधि के खत्म होने के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के हथियारों पर लगी सीमाएं हट गई हैं, जिससे नए न्यूक्लियर हथियारों की दौड़ की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका अब चीन और रूस से पारदर्शिता और खतरनाक हथियारों को सीमित करने की मांग कर रहा है, जबकि चीन इन आरोपों को बेबुनियाद बता रहा है। येव ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र समर्थित निरस्त्रीकरण (हथियारों का त्याग) कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि न्यू स्टार्ट समझौते की सबसे बड़ी कमी यह थी कि इसमें चीन के तेजी से बढ़ते और गोपनीय परमाणु कार्यक्रम को शामिल नहीं किया गया। पिछले कुछ सालों में परमाणु हथियारों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई विवाद हुए हैं। 2010 में अमेरिका और रूस ने न्यू स्टार्ट संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जो दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती थी। इस संधि के तहत दोनों देशों को अपने परमाणु वारहेड्स को 1550 तक सीमित रखना था और मिसाइलों और बाम्बर्स की संख्या पर भी पाबंदी थी। इस संधि में रूस के गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों, जैसे छोटी दूरी के हथियारों को शामिल नहीं किया गया था। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका, रूस और चीन के बीच तीन तरफा परमाणु समझौते की कोशिश की थी, लेकिन यह असफल रही।

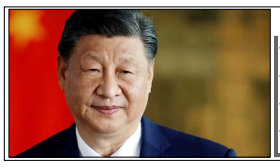

2030 तक 1000 से ज्यादा होंगे, चीन का आरोप-अमेरिका खुद परीक्षण शुरू करना चाहता है

भारत-जर्मनी के उद्योग जगत के बीच बाधाओं को दूर करता आईजीएसटीसी: डॉ. कुसुमिता

नई दिल्ली। भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (आईजीएसटीसी) की निदेशक डॉ. कुसुमिता अरोरा ने कहा कि आईजीएसटीसी भारत और जर्मनी दोनों के शिक्षाविदों और उद्योग जगत को एकजुट करके विभिन्न क्षेत्रों के बीच की बाधाओं को दूर करता है।

भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र ने आज यहां 'एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन' पर रणनीतिक सम्मेलन 2026 का आयोजन किया। इस अवसर पर आईजीएसटीसी की निदेशक डॉ. कुसुमिता अरोरा ने कहा कि यह सम्मेलन प्रमुख हितधारकों यानी सरकारी क्षेत्र की हस्तियों, संरक्षण विशेषज्ञों, अकादमिक अनुसंधानकर्ताओं और उद्योग जगत के विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है। आईजीएसटीसी भारत और जर्मनी दोनों के शिक्षाविदों और उद्योग जगत को एकजुट करके विभिन्न क्षेत्रों के बीच की बाधाओं को दूर करता है।

यह अनूठा सहयोग सुनिश्चित करता है कि अनुसंधान केवल जर्नलों तक सीमित न रहे, बल्कि सीधे औद्योगिक समाधानों और सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में परिवर्तित हो। भारत का जलपुरुष के रूप में विख्यात डॉ. राजेंद्र सिंह ने सामुदायिक नेतृत्व वाले जल संरक्षण मॉडल और जल संचयन में पारंपरिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नदियों के जीर्णोद्धार, पारंपरिक जलाशयों के पुनरुद्धार और स्थानीय समुदायों को जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए सशक्त बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जल प्रशासन जन-केंद्रित होना चाहिए।